मोबाइल की रोशनी में हुआ जेवर... 03

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

करण जौहर के द ट्रेडर्स सीजन 2.. 11

वर्ष - 01, अंक - 355 | गाजियाबाद / रविवार 29 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

प्रधानमंत्री ने किया नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन

- नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण पर करीब 11,200 करोड़ रुपए आई लागत
- आगरा, मथुरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, मेरठ, इटावा, बुलंदशहर और फरीदाबाद जैसे शहरों को होगा लाभ
- पहले देश में कुल हवाई अड्डों की संख्या 160 से ज्यादा

पीएम का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का भव्य उदघाटन किया। इस दौरान उन्होंने मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधा का भी शिलान्यास किया। कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री ने जेवर स्थित एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन का निरीक्षण भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अनोखे अंदाज में जनता को भी उद्घाटन का सहभागी बनाया। उन्होंने उपस्थित लोगों से मोबाइल की रोशनी जलाने का आग्रह करते हुए कहा कि अब आप सभी ने इस एयरपोर्ट का उद्घाटन कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी देश में एयरपोर्ट केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि विकास और प्रगति के इंजन होते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 74 एयरपोर्ट थे, जो अब बढ़कर 160 से अधिक हो चुके हैं। सरकार ने हवाई यात्रा को आम लोगों के लिए सुलभ बनाया है।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्व के कई देशों में पेट्रोल, डीजल, गैस और खाद्य पदार्थों का संकट उत्पन्न हो गया है। ऐसे समय में भारत भी पूरी शक्ति से इस चुनौती का सामना कर रहा है।

विपक्ष पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले के समय में मुख्यमंत्री नोएडा आने से कतराते थे और इस क्षेत्र को विकास से वंचित रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकारों ने इस परियोजना को वर्षों तक फाइलों में दबाए रखा। अब डबल इंजन सरकार के कारण यह एयरपोर्ट साकार हो पाया है।

रोजगार और निवेश का बनेगा बड़ा केंद्रः सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा। उन्होंने कहा कि इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा और प्रदेश निवेश का बड़ा केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट को यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे और अन्य प्रमुख परियोजनाओं से जोड़ा जा रहा है, जिससे कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में यहां सेमीकंडक्टर यूनिट, एमएसएमई पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क और अन्य औद्योगिक क्लस्टर विकसित होंगे, जिससे क्षेत्र का तेजी से औद्योगिक विकास होगा।

कार्यक्रम के दौरान ये भी रहे मौजूद

इस अवसर पर वित्त राज्य मंत्री भारत सरकार पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी, जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, क्षेत्रीय सांसद डॉ महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र नागर, विधायक जेवर धीरेन्द्र सिंह, विधायक नोएडा पंकज सिंह, विधायक दादरी तेजपाल नागर, विधान परिषद सदस्य नरेन्द्र भाटी व श्रीचंद शर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, अन्य जनप्रतिनिधिगण, उद्योग जगत के प्रतिनिधि व शासन, प्रशासन, प्राधिकरण व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली गिरफ्तार

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में पुलिस ने शनिवार सुबह नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली तथा पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को उनके निवास स्थानों से गिरफ्तार कर लिया। उन्हें एक सुरक्षा घेरे में लेकर काठमांडू ले जाया गया। स्थानीय मीडया के अनुसार यह कार्रवाई पिछले साल 8 और 9 सितंबर को हुए 'जेन-जी' विरोध प्रदर्शनों के दौरान की गई कथित हिंसक कार्रवाई से जुड़ी है। इस आंदोलन के दौरान 19 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने ओली की गिरफ्तारी पर कहा कि यह देश में न्याय की नयी शुरूआत है।

13 अप्रैल के बाद सीएम पद छोड़ सकते है नीतीश

पटना (एजेंसी)। बिहार में राजनीतिक हलचल तेज होने लगी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 13 अप्रैल के बाद वे कभी भी मुख्यमंत्री पद छोड़ सकते हैं। इसके साथ ही 30 अप्रैल को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देने की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। बता दें कि नीतीश कुमार अभी बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं और 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में उन्होंने जीत हासिल की। नियमों के अनुसार, नीतीश कुमार को संसद के लिए चुने जाने के 14 दिनों के भीतर राज्य विधानमंडल से इस्तीफा देना होता है।

इंडिगो विमान के इंजन में आई खराबी, आपात लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशाखापत्तनम् से शनिवार को दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट में एक इंजन खराब होने के कारण दिल्ली में पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर उसकी लैंडिंग कराई गई। सूत्रों के अनुसार, यह बोइंग बी737-800 विमान (पंजीकरण संख्या टीसी-सीओएन) था। इसमें 161 यात्री सवार थे। विमान की सुबह 10.54 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग हुई। इस दौरान फायर फाइटिंग की टीम, मेडिकल टीम और सुरक्षाकर्मियों की टीम पूरी तरह तैयार थी। यात्रियों को सुरक्षित उतारकर विमान की जांच की जा रही है। इंडिगो के प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान संख्या 6ई 579 विशाखापत्तनम् से दिल्ली आ रही थी। दिल्ली में उतरने से कुछ समय पहले 'तकनीकी खामी' का पता चला।

सेना को मिली 'प्रहार' लाइट मशीन गन की पहली खेप

ग्वालियर (एजेंसी)। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने शनिवार को भारतीय सशस्त्र बलों को 2,000 'प्रहार' लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप सौंप दी। इस अवसर पर रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ए. अनबरसु ने पहली खेप वाले ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कंपनी के सीईओ आशीष राजवंशी ने इसे 'मेक इन इंडिया' पहल के इतिहास में एक बड़ा 'मील का पत्थर' बताया। 7.62 मिमी. कैलिबर की यह आधुनिक मशीन गन ग्वालियर के बाहरी इलाके में स्थित कंपनी के स्मॉल आर्म्स कॉम्प्लेक्स में तैयार की गई। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के सीईओ आशीष राजवंशी ने कहा कि कंपनी को सात साल में कुल 41,000 एलएमजी देने का लक्ष्य मिला है। उन्होंने आगे बताया कि पहली 2,000 एलएमजी की डिलीवरी के बाद कंपनी हर महीने 1,000 मशीन गन बनाने की क्षमता हासिल कर चुकी है।

मलेरकोटला से दो आतंकी गिरफ्तार

- 15 साल पहले बॉर्डर पार कर आए थे भारत

मलेरकोटला (एजेंसी)। पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक ज्वाइंट ऑपरेशन में मलेरकोटला से दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया, जो कथित तौर पर पाकिस्तानी नागरिक बताए जा रहे हैं। मालेरकोटला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशों के विरुद्ध युद्ध अभियान के तहत हिरासत में लिए गए एक स्थानीय नशा तस्कर से पूछताछ के दौरान इन दोनों के बारे में जानकारी मिली। बताया जा रहा है कि उनकी पहचान जम्मू-कश्मीर में सूचीबद्ध दो वांछित आतंकियों से मेल खाती है। पुलिस सूत्रों व थाना संदौड़ के अधीन गांव शेरवानी कोट के निवासियों ने पुलिस कार्रवाई की पुष्टि की है। दोनों संदिग्धों की पहचान अब्बू गाबा हुैरा व उस्मान के रूप में हुई है। वह लंबे समय से गांव में किराएदार के तौर पर रह रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि वह 15 वर्षों से अधिक समय से भारत के विभिन्न स्थानों पर रह रहे थे। माहोराणा स्थित मालेरकोटला की सीआईए विंग की एक टीम ने शेरवानी कोट गांव में छापेमारी कर दोनों को हिरासत में लिया। बाद में उन्हें जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया। गांव के सरपंच सिमरनजीत सिंह ने पुष्टि की कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने गांव में छापा मारकर दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया।

पुडुचेरी में कांग्रेस को बड़ा झटका

पूर्व अध्यक्ष ए.वी. सुब्रमण्यम ने दिया इस्तीफा

पुडुचेरी (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में आगामी नौ अप्रैल को होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी को उस समय बड़ा झटका लगा, जब पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष ए.वी. सुब्रमण्यम ने शुक्रवार रात निजी कारणों और अपरिहार्य परिस्थितियों का हवाला देते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। सुब्रमण्यम ने पीसीसी अध्यक्ष और लोकसभा सांसद वी. वैथिलिंगम को भेजे अपने त्यागपत्र में स्पष्ट किया कि वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ वर्तमान में संभाल रहे सभी उत्तरदायित्वों को छोड़ रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में उनके इस कदम को उनके पुत्र शक्तिवेल प्रभु की उम्मीदवारी से जुड़े विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रभु ने कराईकल (दक्षिण) निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। चूंकि यह निर्वाचन क्षेत्र गठबंधन सहयोगी दल द्रमुक (डीएमके) को आवंटित किया गया था, इसलिए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें अपना नामांकन वापस लेने की सलाह दी थी। इसके बावजूद प्रभु ने पार्टी के निर्देशों को अनसुना कर दिया और वह कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में डटे हुए हैं।

पीसीसी अध्यक्ष वी. वैथिलिंगम ने इस मामले पर रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस ने केवल 16 उम्मीदवारों को आधिकारिक प्रत्याशी के रूप में मान्यता दी है। द्रमुक को दी गई पांच सीटों और वीसीके को आवंटित एक सीट पर नामांकन दाखिल करने वाले छह अन्य नेताओं को नामांकन पत्र वापस लेने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा कि निर्देश न मानने की स्थिति में उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया जाएगा और एआईसीसी आलाकमान उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करेगा।

स्कूल की छत से गिरा प्लास्टर का टुकड़ा, बाल-बाल बचे बच्चे

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के पतारा क्षेत्र में शनिवार को प्राथमिक विद्यालय, जहांगीराबाद के जर्जर भवन की छत से प्लास्टर का बड़ा टुकड़ा गिरने से हड़कंप मच गया, हालांकि गनीमत रही कि कोई भी बच्चा घायल नहीं हुआ। विद्यालय की छत गिरने की सूचना पर उपजिलाधिकारी घाटमपुर, एसीपी घाटमपुर, एडीओ पतारा तथा थाना प्रभारी घाटमपुर मौके पर पहुंचे और जांच की। जांच में पाया गया कि भवन पुराना होने के कारण तीन कक्षाओं की छत से सीमेंट और चूना झड़ रहा था, लेकिन छत गिरने की कोई घटना नहीं हुई। पुलिस ने बताया कि विद्यालय में कुल 182 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। एहतियात के तौर पर संबंधित कक्षाओं के बच्चों को तत्काल हटाकर अन्य सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया। निरीक्षण के बाद निर्णय लिया गया है कि मरम्मत कार्य पूरा होने तक प्राथमिक विद्यालय के छात्रों की कक्षाएं निकट स्थित आरती मैरिज लॉन में संचालित की जाएंगी, जबकि आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को आयुष्मान स्वास्थ्य केन्द्र, जहांगीराबाद में अस्थायी रूप से स्थानांतरित किया गया। ग्राम सचिव के अनुसार विद्यालय की मरम्मत का कार्य लगभग 25 से 30 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा।

बैंक और डिजिटल धोखाधड़ी मामलाः

हिमाचल प्रदेश में तीन साल में 150 करोड़ से ज्यादा की ठगी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान बैंक और डिजिटल धोखाधड़ी के कुल 585 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें लगभग 150 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय हानि हुई है। भाजपा विधायक आईडी लखनपाल द्वारा उठाए गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने विधानसभा को सूचित किया कि सरकार अपनी प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत कर रही है। कार्रवाई का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इन धोखाधड़ी मामलों में अब तक 258 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आंकड़ों के अनुसार, कांगड़ा जिले में सबसे अधिक 59 मामले दर्ज किए गए, जिससे यह राज्य का सबसे अधिक प्रभावित जिला बन गया। वित्तीय नुकसान के मामले में सबसे अधिक ठगी साइबर पुलिस स्टेशन शिमला में दर्ज की गई, जहां 55.62 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी हुई। इसके अलावा मंडी और धर्मशाला के साइबर पुलिस स्टेशनों में भी बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। साइबर पुलिस स्टेशन मंडी में 100 मामलों में करीब 33.64 करोड़ रुपये की ठगी दर्ज की गई, जबकि साइबर पुलिस स्टेशन धर्मशाला में 81 मामलों में लगभग 25.91 करोड़ रुपये की ठगी हुई है।

इजराइल के लड़ाकू विमानों का ईरान पर ताबड़तोड़ हमला

- परमाणु ठिकानों और हथियार निर्माण फैक्टरियों को बनाया निशाना
- आईएईए ने गंभीर खतरे को लेकर चेताया

> आईएईए के डायरेक्टर जनरल राफेल ग्रॉसी ने फिर से गहरी चिंता जताई और न्यूक्लियर एक्सीडेंट के खतरे से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा सैन्य नियंत्रण की अपील की।

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में भीषण जंग थमती नज़र नहीं आ रही है। इजराइल ने जंग के 28वें दिन ईरान में 50 लड़ाकू विमानों ने विध्वंसक हमला किया। इजराइली सेना ने दावा किया कि शुक्रवार रात ईरान के तीन इलाकों में हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ठिकानों पर कई घंटों तक हमले किए गए। इन हमलों में अराक और यज्द जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र भी शामिल हैं, जिनमें हथियार निर्माण सैन्य इंडस्ट्री और बैलिस्टिक व एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल के पुर्जे बनाने वाली फैक्ट्री भी शामिल हैं। वहीं, ईरान ने सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर शुक्रवार रात को 6 बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे। इस हमले में कई सैनिकों के घायल होने की खबर है। इस बीच इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने चेतावनी दी है कि अभी हमलों में नुकसान नहीं हुआ, लेकिन अगर बार-बार न्यूक्लियर ठिकाने पर हमले होते रहे, तो इसका अंजाम बहुत बुरा हो सकता है। आईएईए के डायरेक्टर जनरल राफेल ग्रॉसी ने फिर से गहरी चिंता जताई और न्यूक्लियर एक्सीडेंट के खतरे से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा सैन्य नियंत्रण की अपील की।

हरियाणा-पंजाब में आज से बारिश के आसार, फसलों पर मंडराया खतरा

- किसानों के माथे पर खिंची चिंता की लकीरें
- 1 अप्रैल तक रह सकता है मौसम में बदलाव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और राजस्थान में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में बदलाव शुरू हो गया है। आसमान में घुमड़ रहे बादल किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच रहे हैं। क्योंकि इस वक्त सरसों की फसल जहां कटाई होने के बाद खेतों में है, वहीं गेहूं की फसल भी पक कर तैयार है। ऐसे में बारिश से फसलों को नुकसान की आशंका बढ़ रही है।

भारत मौसम विभाग के मुताबिक मौसम का यह बदलाव अब 1 अप्रैल तक बना रहने की संभावना है। इस दौरान हरियाणा, पंजाब व राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक की संभावना है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक 30-31 मार्च तक बारिश का विस्तार उत्तर मध्य प्रदेश और केंद्रीय उत्तर प्रदेश तक दिखाओ दे सकता है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर की गति से तेज हवाएं और असमय बारिश खड़ी फसलों के लिए खतरा मंडरा सकता है। बारिश से तापमान में गिरावट, गर्मी से राहत और मौसम का संतुलन भी बना रहेगा।

फरवरी और मार्च के पहले हिस्से में मौसम काफी शुष्क रहा, लेकिन अब उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश का दौर शुरू हो गया है। पिछले कुछ दिनों से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं देखी गई हैं। एक नया और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से न केवल उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में बल्कि मध्य भारत के कुछ हिस्सों में भी मौसम प्रभावित होगा।

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के उत्तर और उत्तर-पश्चिम हिस्सों में हल्की बारिश और गरज-चमक शुरू हो सकती है। 29 मार्च तक बारिश की तीव्रता और फैलाव बढ़ने की संभावना है, जिससे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के अधिकांश जिलों में मौसम सक्रिय होगा। इसके बाद बारिश की पट्टी धीरे-धीरे पूर्व और दक्षिण की ओर बढ़ेगी, और 30-31 मार्च तक यह उत्तर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मध्य हिस्सों तक पहुंचेगी। इस दौरान कई जगहों पर मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना रहेगी। यह बारिश का दौर 1 या 2 अप्रैल तक जारी रह सकता है, हालांकि बीच-बीच में छोटे ब्रेक हो सकते हैं। कुल मिलाकर, इस मौसम की गतिविधियों से तापमान में गिरावट आएगी और गर्मी की तीव्रता कम होगी।

'इंडिया इनोवेट्स 2026' में शामिल हुईं रेखा गुप्ता, युवाओं से किया दिल्ली 2.0 का आह्वान

-युवाओं की ऊर्जा और इनोवेशन ही भारत की सबसे बड़ी पूंजी- मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को भारत मंडपम में आयोजित इंडिया इनोवेट्स 2026 - दुनिया का सबसे बड़ा हैकाथॉन नाम के बड़े आयोजन में भाग लेकर देशभर से आए युवाओं का उत्साह बढ़ाया। इस कार्यक्रम में हजारों युवाओं, प्रतिभागियों और प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस साल के आयोजन का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोट तकनीक और जनहित से जुड़े नए विचारों पर आधारित है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां मौजूद युवा केवल तकनीक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे शहरों को बेहतर बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने और समाज को ज्यादा सक्षम बनाने के लिए ठोस समाधान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वही पीढ़ी है जो आइडियाज को इनोवेशन में इनोवेशन को इंपैक्ट में बदलने की क्षमता रखती है। देश के कोने-कोने से आए प्रतिभाशाली युवाओं की ऊर्जा, कौशल और संकल्प भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व में एक युवा देश के रूप में जाना जाता है, जहां 60 प्रतिशत से अधिक आबादी युवा है। इतनी बड़ी जनसंख्या भारत की सबसे बड़ी ताकत है और यही युवा देश को वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस हैकाथॉन में एक करोड़ से अधिक प्रतिभागियों में से चयनित 5000 से अधिक युवा वास्तव में भारत के डिजिटल भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं और इनकी सोच आने वाले समय में शासन, समाज और अर्थव्यवस्था की दिशा तय करेगी। उन्होंने युवाओं से दिल्ली 2.0 के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसी दिल्ली का निर्माण किया जाना चाहिए जो इनोवेशन से प्रेरित हो, इंक्लूजन से सशक्त हो और जहां तकनीक के साथ-साथ विश्वास को भी समान महत्व दिया जाए। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सरकार युवाओं के विचारों और नवाचारों को शासन प्रणाली से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि तकनीक के माध्यम से नागरिकों का जीवन अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सके।

चैती छठ पर मैली यमुना में उतरे श्रद्धालु, दावों पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैती छठ के अवसर पर यमुना नदी की खराब स्थिति एक बार फिर चर्चा में आ गई, जब हजारों श्रद्धालुओं को जहरीले झाग और प्रदूषित जल के बीच पूजा-अर्चना करनी पड़ी। आम आदमी पार्टी के नेता अरुण तोमर ने सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए इसे प्रशासनिक विफलता बताया।

अरुण तोमर ने कहा कि यमुना सफाई को लेकर किए गए वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से सत्ता में होने के बावजूद सरकार यमुना से जहरीले झाग तक हटाने में असफल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कालिंदी कुंज सहित कई घाटों पर श्रद्धालुओं को मजबूरी में प्रदूषित जल में ही अर्घ्य देना पड़ा।

उन्होंने बताया कि मार्च 2026 में छठ पर्व के दौरान यमुना में सफेद झाग की मोटी परतें देखी गईं, जो औद्योगिक अपशिष्ट और बिना शोधन के सीवेज के कारण बनी हैं। श्रद्धालुओं ने गहरी आस्था के चलते इन हालातों के बावजूद पूजा संपन्न की, लेकिन यह स्थिति उनके स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है।

अरुण तोमर के अनुसार, यमुना में अमोनिया और फास्फेट की उच्च मात्रा के कारण जहरीले झाग बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बार-बार किए जा रहे सफाई के दावे जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाते और स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है।

उन्होंने मांग की कि यमुना की सफाई के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में श्रद्धालुओं को इस तरह की कठिन परिस्थितियों का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत : सुरेंद्र शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत करावल नगर जिला कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने की। बैठक में संगठन को मजबूत करने और चयन प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस सचिव सुरेंद्र शर्मा, पूर्व मंत्री हारून यूसुफ, पूर्व एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी समेत कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सुरेंद्र शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता एक योद्धा है और वही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के साथ-साथ आम जनता की समस्याओं को उठाना भी जरूरी है। उन्होंने आने वाले समय में बूथ स्तर पर जनसंपर्क अभियान तेज करने की बात कही। हारून यूसुफ ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जा रहा है, जिससे पार्टी की जड़ें और मजबूत होंगी। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का संकल्प लेते हुए कहा कि कांग्रेस की एकता को कोई कमजोर नहीं कर सकता। बैठक में भाजपा सरकार की नीतियों पर भी तीखा प्रहार किया गया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि दिल्ली में पानी की किल्लत, खराब सड़कों, महंगाई, बेरोजगारी और प्रदूषण जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, जिससे आम आदमी परेशान है। जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से आम जनता की आवाज रही है और आगे भी इसी दिशा में कार्य करती रहेगी। बैठक के बाद कार्यकर्ताओं में नए जोश और ऊर्जा का संचार देखने को मिला।

भाषा सांस्कृतिक विरासत की संरक्षक: प्रो. हरीश अरोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य) में आयोजित एक कार्यशाला में वरिष्ठ साहित्यकार हरीश अरोड़ा ने कहा कि भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का सशक्त साधन भी है।

'राजभाषा हिन्दी : क्रियान्वयन और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला का आयोजन कॉलेज की राजभाषा कार्यान्वयन समिति और राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए किया गया था। प्रो. अरोड़ा ने कहा कि हिन्दी को जनभाषा के साथ-साथ राजभाषा के रूप में लोकप्रिय बनाने के लिए उसका सहजीकरण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय तकनीकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है, जो हिन्दी के प्रसार और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित देशों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि अपनी भाषा में शिक्षा को सशक्त बनाकर ही वे राष्ट्र अपनी प्रशासनिक भाषा को मजबूत कर सके हैं।

प्रो. अरोड़ा ने यह भी कहा कि हिन्दी का किसी अन्य भाषा से कोई विरोध नहीं है, बल्कि यह अपनी विशेषताओं के कारण हर क्षेत्र की भाषा बनने की क्षमता रखती है। उन्होंने सरकार द्वारा विकसित विभिन्न सॉफ्टवेयरों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके माध्यम से हिन्दी में काम करना और भी सरल हो गया है।

कार्यशाला में कॉलेज के प्रशासनिक, लेखा और पुस्तकालय विभाग के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. अरोड़ा को सम्मानित भी किया गया तथा अंत में प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

समाज की सजग प्रहरी है हिंदी पत्रकारिता : प्रो. शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित तथा भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 'हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष – कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में बदलते आयाम एवं चुनौतियां' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. बलदेवभाई शर्मा ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता समाज की सजग प्रहरी रही है और राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकारों के प्रति हिंदी पत्रकारिता जितनी संवेदनशील है, उतनी अंग्रेजी पत्रकारिता में प्रायः नहीं दिखाई देती।

उन्होंने तकनीकी बदलावों को सकारात्मक रूप से अपनाने की बात कहते हुए चेताया कि ÷विज्ञान एक अच्छा सेवक है, लेकिन बुरा मालिक।÷ विशिष्ट अतिथि प्रो. रविप्रकाश टेकचन्दानी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अवसर बताते हुए फेक न्यूज़ पर चिंता जताई और भारतीय भाषाओं के संतुलित विकास पर बल दिया।

प्रो. वंदना पाण्डेय ने हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ÷कलम ही हमारी तलवार है।÷ वरिष्ठ पत्रकार प्रो. गोविन्द सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। टीवी एंकर अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकार की दृष्टि ही समाचार की दिशा तय करती है। संगोष्ठी में विभिन्न सत्रों के माध्यम से हिंदी पत्रकारिता के विकास, चुनौतियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव पर देशभर के शोधार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

पालम में 12 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने पालम विधानसभा क्षेत्र में विधायक कुलदीप सोलंकी के साथ 12 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। गोकल गार्डन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सड़कों, गलियों, नालियों और पार्कों के विकास से जुड़ी योजनाओं की शुरुआत की गई। इसमें पालम गांव में सड़क और जल निकासी व्यवस्था, राजनगर की गलियों का पुनर्निर्माण, गोकल गार्डन और सेक्टर-7 की सड़कों का निर्माण, शिक्षा भारती से रामफल चौक तक मार्ग सुधार तथा वर्धमान माल से दादा देव श्मशान घाट तक सड़क निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं। साथ ही पार्कों में नए जिम और बच्चों के झूले भी लगाए जाएंगे। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार की प्राथमिकता हर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना है। उन्होंने इन परियोजनाओं के लिए बजट उपलब्ध कराने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि पूरे पालम क्षेत्र के विकास के लिए 187 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में आरोग्य मंदिर, इलेक्ट्रिक बसें, अटल कैंटीन, सड़कों का निर्माण और स्कूलों में कंप्यूटर जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की गई हैं। आने वाले समय में यमुना की सफाई, सीवर मास्टर प्लान और जल आपूर्ति से जुड़ी बड़ी परियोजनाएं भी शुरू की जाएंगी, जिससे दिल्ली के विकास को गति मिलेगी।

24 साल से अटका रिठाला-नरेला मैट्रो कॉरिडोर, जल्द निर्णय की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में प्रस्तावित रिठाला-रोहिणी-बरवाला-बवाना-नरेला-कुंडली मैट्रो कॉरिडोर को लेकर फिर आवाज उठी है। शिक्षाविद् दयानंद वत्स ने इस परियोजना में लगातार हो रही देरी पर सवाल उठाते हुए सरकारों से स्पष्ट निर्णय की मांग की है। वत्स ने कहा कि पिछले 24 वर्षों से यह परियोजना मंजूरी के इंतजार में अटकी हुई है और बार-बार इसे अटकाया, भटकाया और लटकाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी दिल्ली, कभी हरियाणा और कभी केंद्र सरकार की मंजूरी के कारण परियोजना आगे नहीं बढ़ पा रही है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में इस मैट्रो लाइन को पहले चरण में शाहदरा से बरवाला तक स्वीकृति दी गई थी, बाद में इसे नरेला और फिर कुंडली नाथुपुर तक विस्तार देने की बात कही गई। बीच में मैट्रो लाइट और सामान्य मैट्रो को लेकर भी बदलाव हुए, जिससे प्रक्रिया और लंबी होती चली गई। वत्स ने यह भी कहा कि हाल ही में रोहिणी क्षेत्र में बिना पर्याप्त जानकारी दिए रूट में बदलाव कर दिया गया, जिसके कारण नई डीपीआर तैयार करनी पड़ी। इससे परियोजना की मंजूरी प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई और निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका है। उन्होंने नरेन्द्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना में आ रही सभी बाधाओं को दूर कर जल्द निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि सरकारें इस परियोजना को पूरा नहीं करना चाहतीं तो इसे रद्द करने की घोषणा कर दी जाए, ताकि जनता अनिश्चितता से मुक्त हो सके। वत्स के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के लाखों लोग वर्षों से इस मैट्रो परियोजना का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक जमीन पर कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है, जिससे लोगों में निराशा और आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

भवन विनियमन संकलन का लोकार्पण, कार्यकुशलता बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम में भवन गतिविधियों के विनियमन को सरल और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से तैयार किए गए संकलन का लोकार्पण निगम आयुक्त संजीव खिरवार द्वारा किया गया। नगर निगम के अनुसार, भवन संबंधी उपनियमों के तहत समय-समय पर कई परिपत्र और कार्यालय आदेश जारी किए गए थे, लेकिन इनके एक स्थान पर उपलब्ध न होने के कारण अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्य निष्पादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इसी समस्या के समाधान के लिए भवन विभाग द्वारा एक समग्र संकलन तैयार किया गया है, जिसमें सभी आवश्यक निर्देशों और नियमों को एकत्र किया गया है। यह संकलन विभागीय अधिकारियों के लिए एक संदर्भ ग्रंथ के रूप में कार्य करेगा। नगर निगम का मानना है कि इस पहल से भवन गतिविधियों के विनियमन में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ेगी तथा अधिकारियों को निर्णय लेने में सुविधा मिलेगी।

मंदिर रहे भारत के वास्तविक शक्ति केंद्र, पुनर्जीवन की जरूरत : मुनीश कुमार गॉड

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाज सेवा से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एवं पूर्व कर्मचारी क्षतिपूर्ति आयुक्त तथा श्रमिक कल्याण आयुक्त मुनीश कुमार गॉड ने कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यता में मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थल नहीं थे, बल्कि वे समाज के सर्वांगीण विकास के वास्तविक 卐शक्ति केंद्र卐 हुआ करते थे। उनके माध्यम से धर्म के साथ-साथ शिक्षा, संस्कृति, अनुशासन और अर्थव्यवस्था का संतुलित संचालन होता था। मुनीश कुमार गॉड ने कहा कि प्राचीन काल में मंदिर ज्ञान के प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करते थे। वे गुरुकुल और विश्वविद्यालय की तरह संचालित होते थे, जहां वेद, उपनिषद, दर्शन, गणित, ज्योतिष, आयुर्वेद और व्याकरण जैसे विषयों की शिक्षा दी जाती थी। मंदिरों से जुड़े पुस्तकालयों में पांडुलिपियों का संरक्षण किया जाता था, जिससे ज्ञान की परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रही। उन्होंने कहा कि सामाजिक दृष्टि से भी मंदिरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। धार्मिक प्रवचन, सत्संग और सामूहिक अनुष्ठानों के माध्यम से समाज में नैतिकता, कर्तव्यबोध और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती थी। मंदिर सामाजिक एकता और अनुशासन के केंद्र के रूप में कार्य करते थे और लोगों के आचार-विचार को दिशा प्रदान करते थे। मुनीश कुमार गॉड ने कहा कि संस्कृति और संस्कारों के संरक्षण में भी मंदिरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संगीत, नृत्य, शिल्पकला और साहित्य का विकास मंदिरों के आसपास ही हुआ। रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं के माध्यम से लोगों को नैतिक शिक्षा दी जाती थी, जिससे समाज में सामूहिकता और एकता की भावना सुदृढ़ होती थी। आर्थिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मंदिर सशक्त आर्थिक संस्थान भी थे। उनके पास भूमि और संसाधन होते थे, जिनका उपयोग जनकल्याण के लिए किया जाता था। मंदिरों के आसपास व्यापारिक गतिविधियां विकसित होती थीं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलती थी और रोजगार के अवसर उत्पन्न होते थे। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक और नैतिक दृष्टि से मंदिर व्यक्ति को आत्मानुशासन, संयम और धर्मपरायणता का मार्ग दिखाते थे। गुरु और आचार्य के मार्गदर्शन में व्यक्ति अपने जीवन के उद्देश्य को समझता था और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता था।

दिल्ली में मतदाता सूची संशोधन पर कांग्रेस सतर्क, हर बूथ पर निगरानी की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आगामी विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सतर्कता बढ़ा दी है। बादली विधानसभा निर्वाचन कार्यालय द्वारा बादली गांव में आयोजित बैठक में कांग्रेस के बूथ स्तर प्रतिनिधियों (बीएलए-2) को प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें चुनाव आयोग के बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) से परिचित कराया गया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए देवेन्द्र यादव ने स्पष्ट किया कि दिल्ली कांग्रेस मतदाता सूची में होने वाले संशोधन पर बूथ स्तर तक पैनी नजर रखेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के बीएलए-2 यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी वैध मतदाता अपने संवैधानिक मतदान अधिकार से वंचित न रहे।

देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की प्रारंभिक जांच के दौरान कई विसंगतियां सामने आई हैं, जिनमें मौजूद मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के बीएलए-2 ने घर-घर जाकर सत्यापन किया, जिसमें संबंधित मतदाता अपने पते पर मौजूद पाए गए। इस पर उन्होंने आयोग से भविष्य में ऐसी त्रुटियों से बचने और निष्पक्ष कार्यशैली अपनाने की अपील की।

बैठक में बूथ प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री राजेश गर्ग, अमीर सिंह, आदर्श नगर के उप जिलाधिकारी तथा सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी सहित अन्य सरकारी अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान कांग्रेस के बीएलए-2 और सरकारी बीएलओ के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया, ताकि एसआईआर प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी तरीके से पूरी हो सके।

देवेन्द्र यादव ने बताया कि कांग्रेस ने उन मतदाताओं की सूची तैयार की है, जिनके नाम कथित रूप से गलत तरीके से हटाए गए हैं। यह सूची हजारों की संख्या में है और इसे चुनाव आयोग को सौंप दिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संबंधित अधिकारी निष्पक्षता के साथ इस पर कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता या साजिश के तहत पात्र मतदाताओं के नाम हटाने का प्रयास किया गया, तो कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली के लगभग 13 हजार बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति की जा चुकी है, जो लगातार निगरानी बनाए रखेंगे।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस के प्रतिनिधि यह भी सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक घर तक संपर्क किया जाए। यदि किसी घर पर लोग अनुपस्थित मिलते हैं, तो पुनः संपर्क स्थापित कर सत्यापन किया जाएगा, ताकि किसी भी मतदाता का नाम अनुचित तरीके से न हटे।

उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य हर नागरिक के मतदान अधिकार की रक्षा करना है और इसके लिए संगठन जमीनी स्तर पर पूरी तरह सक्रिय है। कांग्रेस ने आगामी चुनाव को देखते हुए बूथ स्तर पर अपनी तैयारियों को मजबूत करने के संकेत भी दिए हैं।

स्कूली छात्रों को लैपटॉप व स्कूटी देने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में छात्राओं को साइकिल वितरण योजना पर प्रतिक्रिया देते हुए वीर सिंह धिंगान ने सरकार से छात्रों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में साइकिल की जगह अब तकनीकी और तेज साधनों की आवश्यकता है। धिंगान ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर सुझाव दिया कि नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं को लैपटॉप और स्कूटी प्रदान की जानी चाहिए। उनका कहना है कि शिक्षा के क्षेत्र में दिल्ली अग्रणी राज्यों में शामिल है, ऐसे में छात्रों को आधुनिक संसाधनों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने तर्क दिया कि जब विधायकों के लिए विधानसभा में कम्प्यूटर की व्यवस्था की जा सकती है, तो छात्रों के लिए लैपटॉप देना भी संभव है। इससे सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र डिजिटल शिक्षा से जुड़ सकेंगे और निजी विद्यालयों के छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। धिंगान ने कहा कि देश तेजी से प्रगति कर रहा है और डिजिटल युग में छात्रों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना समय की मांग है। स्कूटी जैसी सुविधा से विशेष रूप से छात्राओं को आवागमन में सहूलियत मिलेगी, जिससे उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि साइकिल के स्थान पर आधुनिक विकल्प अपनाकर छात्रों के भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

25 अप्रैल से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम की विभिन्न यूनियनों की कोर कमेटी ने 25 अप्रैल से काम बंद हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। यह निर्णय कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर लिया गया है। कोर कमेटी के महासचिव ब्रह्म ढींकिया ने बताया कि निगम प्रशासन और भाजपा की ओर से कर्मचारियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके चलते हड़ताल का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि 25 अप्रैल को दिल्ली के सभी सफाई कर्मचारी काम बंद कर धरने पर बैठेंगे। नेताओं ने आरोप लगाया कि निगम में कर्मचारियों की भारी कमी है। जहां लगभग 62 हजार सफाई कर्मचारियों की आवश्यकता है, वहीं केवल करीब 40 हजार कर्मचारी ही कार्यरत हैं। इस कारण एक-एक कर्मचारी को कई लोगों का काम करना पड़ रहा है। कोर कमेटी के अन्य पदाधिकारियों, जिनमें एस के चौधरी, पिंकी सुजाता, सतीश, सत्यभान सारसर, टांक और संजय दरुंडा शामिल रहे, ने भी कर्मचारियों की मांगों को जायज बताते हुए कहा कि लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान नहीं किया जा रहा है। कर्मचारी नेताओं ने यह भी मांग उठाई कि कच्चे कर्मचारियों को नियमित किया जाए और ठेकेदारी व्यवस्था के तहत रखे गए सफाई कर्मचारियों को हटाकर स्थायी भर्ती की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

एआई समिट विरोध मामले में राजीव कुमार को अग्रिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मंडपम में एआई समिट विरोध मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने राजीव कुमार को अग्रिम जमानत दे दी है। इससे पहले कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा भी प्रदान की थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित बंसल ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी को जांच में पूरा सहयोग करना होगा। साथ ही, दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया गया है कि अगर राजीव कुमार को गिरफ्तार करना हो, तो उन्हें सात दिन पहले नोटिस देना होगा। राजीव कुमार की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पर केवल विरोध प्रदर्शन की रिकॉर्डिंग से जुड़े आरोप हैं और उन्होंने अब तक जांच में पूरा सहयोग किया है। इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को भी जमानत मिल चुकी है। इसके अलावा, महासचिव विकास छिकारा को भी हाल ही में अंतरिम अग्रिम जमानत दी गई थी और उन्हें अपराध शाखा के सामने पेश होकर जांच में शामिल होने के निर्देश दिए गए थे।

इंडिया गेट पर सख्ती : अवैध पार्किंग पर शिकंजा, रेड लाइट जंपिंग पर कैमरों से नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। गर्मियों के मौसम में बढ़ती भीड़ को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इंडिया गेट और कर्तव्य पथ इलाके में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए सख्ती बढ़ा दी है। अवैध पार्किंग, गलत दिशा में वाहन चलाने और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा शनिवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में इंडिया गेट के आसपास कुल 2253 चालान किए गए। इनमें सबसे ज्यादा 1720 चालान अवैध पार्किंग के हैं। इसके अलावा 293 मामलों में कैमरे के जरिए चालान जारी किए गए, जबकि 60 चालान बिना हेलमेट के काटे गए। वहीं 180 वाहनों को मौके से टो कर हटाया गया।

अब रेड लाइट जंपिंग पर भी सख्त निगरानी– पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार ट्रैफिक नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख चौराहों पर लाल बत्ती वायलेशन डिटेक्शन कैमरे लगाए जा रहे हैं। मथुरा रोड-भैरों मार्ग, रिंग रोड-भैरों रोड और जनपथ-टॉलस्टॉय मार्ग जैसे व्यस्त स्थानों पर 10 कैमरे स्थापित किए जा रहे हैं। ये कैमरे रेड लाइट जंप करने वालों का स्वत: चालान करेंगे।

मोबाइल से जारी हो रहा चालान– कैमरे पर यातायात उल्लंघन की रिकॉर्डिंग प्रणाली के तहत ट्रैफिक पुलिसकर्मी मौके पर ही मोबाइल फोन के जरिए चालान नोटिस भेज रहे हैं। मार्च महीने में ही 293 ऐसे चालान जारी किए गए हैं। नियम तोड़ने वालों को कोर्ट के जरिए जुर्माना भरना होगा। वहीं ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें। इंडिया गेट के पास पी1 और पी2 पार्किंग (मान सिंह रोड) के अलावा जनपथ पर पी5 और रफी मार्ग पर पी6 पार्किंग उपलब्ध हैं। बसों के लिए पी1 पार्किंग तय की गई है।

सड़क किनारे पार्किंग पर कार्रवाई तय– पुलिस ने साफ किया है कि सड़क किनारे या फुटपाथ पर वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा गया है कि नियमों का पालन करें, ताकि सभी के लिए यातायात सुगम बना रहे। वहीं किसी भी तरह की सहायता के लिए लोग 112 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

अवैध हथियार बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश के मेरठ में अवैध हथियार निर्माण यूनिट का भंडाफोड़ कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य सप्लायर परवेज उर्फ फर्रू और उसका सहयोगी हसीर उर्फ शूटर शामिल हैं। पुलिस ने मौके से बड़ी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस और निर्माण उपकरण बरामद किए। पुलिस के अनुसार, मेरठ से दिल्ली में हथियारों की सप्लाई की सूचना पर 19 मार्च को बदली रेलवे स्टेशन के पास से हसीर को पकड़ा गया। उसके पास से दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, एक पेन पिस्टल और छह जिंदा कारतूस मिले। पूछताछ में उसने परवेज का नाम बताया। इसके बाद पुलिस रिमांड लेकर टीम मेरठ पहुंची और छापेमारी कर परवेज को पकड़ लिया। तलाशी में 24 पेन पिस्टल, 78 मैगजीन, तीन बैरल, तीन स्लाइड, तीन पिस्टल बॉडी समेत कई पुर्जे और ड्रिल मशीन बरामद हुई। सभी हथियार 7.65 एमएम कारतूस से चलने वाले हैं। कुल 25 पेन पिस्टल जब्त की गईं, जो दिखने में सामान्य पेन जैसी होती हैं। मुख्य आरोपी परवेज पर एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं और वह पहले भी अवैध हथियार मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। हसीर भी कई आपराधिक मामलों में शामिल है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर पूरी सप्लाई चेन का खुलासा करने में जुटी है।

रेखा गुप्ता दिल्ली के उपराज्यपाल से मुलाकात की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को लोकनिवास में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रशासनिक और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू के साथ दिल्ली के विकास, जनकल्याण और भविष्य की दिशा पर सार्थक चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का ग्रीन बजट इसी विजन को आगे बढ़ाता है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर को गति, पर्यावरण को प्राथमिकता और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प केंद्र में है। उन्होंने कहा कि विकसित दिल्ली के निर्माण के लिए सरकार कृतसंकल्पित हैं।

मोबाइल की रोशनी में हुआ जेवर एयरपोर्ट का ऐतिहासिक उद्घाटन, गूंजे मोदी-मोदी के नारे

जेवर (शिखर समाचार)। नरेंद्र मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के उद्घाटन के बाद जनता को संबोधित करते हुए एक अनोखा आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने मोबाइल की टॉर्च जलाकर इस ऐतिहासिक पल के सहभागी बनें। प्रधानमंत्री के इतना कहते ही पूरे पंडाल में मौजूद हजारों लोगों ने अपने मोबाइल की टॉर्च ऑन कर हाथ ऊपर उठा दिए, जिससे पूरा क्षेत्र रोशनी से जगमगा उठा।

इस दृश्य को देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब यह समझिए कि इस एयरपोर्ट का उद्घाटन हम सबने मिलकर किया है, जिसके आप सभी गवाह हैं। उनके इस बयान पर जनसमूह में उत्साह और भी बढ़ गया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जेवर के लिए यह एक ऐतिहासिक पल है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में शामिल होने जा रहा है, जो क्षेत्र के विकास को नई गति देगा। इस दौरान पंडाल मोदी मोदी के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री दोपहर करीब 12:00 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और लगभग 1:05 बजे तक कार्यक्रम चला। इस दौरान विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी भी दी गई और क्षेत्र के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें साझा की गईं। जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, जिससे रोजगार, व्यापार और कनेक्टिविटी के नए अवसर खुलेंगे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर बैठक आयोजित

खतौली / मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत खतौली तहसील सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक एसडीएम खतौली ललित मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन ब्लॉक प्रभारी एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में हुआ, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान संचारी रोगों की रोकथाम, स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने और जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने क्षेत्र में साफ-सफाई, जलभराव की समस्या के समाधान और नियमित फॉगिंग व छिड़काव जैसे कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।

इसके अलावा अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए तहसील व ब्लॉक स्तर पर टास्क फोर्स के गठन पर चर्चा हुई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि टास्क फोर्स का गठन शीघ्र कर उसे सक्रिय किया जाए, ताकि अभियान का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। नगरपालिका और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अपनी-अपनी कार्ययोजनाएं प्रस्तुत कीं। बैठक में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए, जिससे संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। साथ ही अभियान की नियमित निगरानी और जन-जन तक इसकी जानकारी पहुंचाने पर भी विशेष बल दिया गया।

जिला न्यायाधीश के नेतृत्व में डीएम व एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

बिजनौर (शिखर समाचार)। कारागार की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से जिले के न्यायिक, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त रूप से मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता, भोजन एवं बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

जिला न्यायाधीश संजय कुमार सप्तम, जिलाधिकारी जसजीत कौर तथा पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने संयुक्त रूप से जिला कारागार बिजनौर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण, भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण करते हुए जेल प्रशासन को सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने महिला एवं पुरुष बंदियों के बैरकों और अस्पताल का भी सघन निरीक्षण किया। मेस में बन रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई तथा पूरे परिसर की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी व्यवस्थाएं उच्च मानकों के अनुरूप रखी जाएं। निरीक्षण के अंत में अधिकारियों ने जेल प्रशासन के साथ संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम शीघ्र लागू करने का आश्वासन दिया।

नजीबाबाद में पुलिस बदमाशों की मुठभेड़: गोवंश कटान गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार, एक घायल

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना नजीबाबाद पुलिस ने क्षेत्र में गोवंश की हत्या कर मांस बेचने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक बदमाश पुलिस मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हो गया। सभी आरोपियों के कब्जे से अवैध असलहे, कारतूस और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि 27 मार्च को थाना नजीबाबाद क्षेत्र में गोवंश के अवशेष मिलने की सूचना मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और संदिग्धों की तलाश में टीमों का गठन किया।

जांच के दौरान पुलिस ने कोतवाली देहात क्षेत्र के मोहल्ला अकबराबाद निवासी आमिर और नगीना के मोहल्ला कालालान निवासी शहजाद उर्फ यूसुफ को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस उनकी निशानदेही पर जाफराबाद के जंगल में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और मौके से भागने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान नजीबाबाद के मोहल्ला पठानपुरा निवासी नईम उर्फ गज्जू कुरैशी के रूप में हुई है। उसका साथी हसीन उर्फ चुग्गा निवासी कोट कादर (नगीना देहात) को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो तमंचे (315 बोर), जिंदा व खोखा कारतूस, एक मोटरसाइकिल तथा गोकशी में प्रयुक्त तेजधार उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार गिरोह के अन्य सदस्यों और इसके नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। पूरे मामले में विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

शासन से नामित सभासदों को दिलाई गई शपथ, नगीना में विकास को मिलेगी नई गति

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर के एम एम इंटर कॉलेज मैदान में शनिवार को आयोजित समारोह में शासन द्वारा नामित पांच सभासदों को उप जिलाधिकारी विजय शंकर मिश्रा ने पद एवं कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने कहा कि नगर विकास के लिए नामित सभासद जो भी प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे, उन्हें प्राथमिकता के साथ स्वीकृत कराया जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह में लाला विनोद अग्रवाल, डॉ. भूपेश चौहान, नीरज बिश्नोई, सोहन सैनी और मनोज टंडन को संयुक्त रूप से शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में नगर पालिका संघ के जिलाध्यक्ष शाहनवाज खलील ने सभी से नगर विकास के लिए मिलकर कार्य करने की अपील की। विशिष्ट अतिथि अनूप वाल्मीकि ने अपने संबोधन में कहा कि पहले नगर पालिका का परिवार अध्यक्ष सहित 28 सदस्यों का था, लेकिन अब शासन द्वारा पांच नामित सभासदों के जुड़ने से यह संख्या बढ़कर 33 हो गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन नए सदस्यों के आने से नगर के विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। मुख्य अतिथि भूपेंद्र चौहान ने भी कहा कि नामित सभासदों के शामिल होने से न केवल पालिका का परिवार मजबूत हुआ है, बल्कि नगीना के समग्र विकास को भी नई दिशा मिलेगी। समारोह के दौरान शाहनवाज खलील द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं सभी नामित सभासदों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी आशुतोष जायसवाल सहित सौरभ मित्तल, लवी मित्तल, दीपक कुमार, कृष्ण बालोद सिंह, डॉ. रतेन्द्र बिश्नोई, महेंद्र सैनी, महावीर सिंह सैनी, गौरव अग्रवाल, राजकुमार सेठी, प्रहलाद कुशवाहा, विकास राजपूत, साधुराम सैनी, पूर्व विधायक सतीश गौतम, अरविंद गहलोत, कपिल पवार, राजकुमार उर्फ जोनी सभासद समेत सैकड़ों कार्यकर्ता एवं नागरिक मौजूद रहे।

युवक की सिर में गोली मारकर हत्या, शव पोस्टमार्टम को भेजा

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना कपूरपुर क्षेत्र में शनिवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब एक बाग में युवक का गोली लगा शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कपूरपुर क्षेत्र में ब्रजनाथपुर शुगर मिल के पास स्थित एक बाग में एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। बताया गया कि युवक के सिर में गोली मारी गई थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्राधिकारी अनिता चौहान और थाना प्रभारी निरीक्षक रघुराज सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्राधिकारी अनिता चौहान ने बताया कि मृतक की पहचान बदायूं निवासी इबरत खान के रूप में हुई है, जो हापुड़ में किराए पर रहकर कपड़ों की फेरी लगाने का काम करता था।

पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। घटना के पीछे के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा किया गया है।

डॉ केएन फाउंडेशन में दो दिवसीय स्पोर्ट्स मीट का शुभारंभ

मोदीनगर (शिखर समाचार)। डॉ केएन फाउंडेशन में दो दिवसीय स्पोर्ट्स मीट स्पर्धा का शनिवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद प्रकाश मिश्रा ने मशाल प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता को मजबूत नहीं बनाते, बल्कि मानसिक विकास, अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की हर प्रतियोगिता कुछ नया सीखने का अवसर देती है, इसलिए खिलाड़ियों को पूरे उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ मैदान में उतरना चाहिए।

उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हार से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए, तभी सफलता सुनिश्चित होती है।

कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के प्रशासनिक अधिकारी मेघराज शर्मा ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ दीपांकर शर्मा, खेल प्रशिक्षक तथा फाउंडेशन के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र में गिरा लोहे का गेट, तीन मासूम घायल; ग्रामीणों का हंगामा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र के मानकी गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में शनिवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया, जब केंद्र परिसर में लगा भारी लोहे का गेट अचानक गिर पड़ा। हादसे के वक्त वहां खेल रहे तीन मासूम बच्चे उसके नीचे दब गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में आक्रोश फैल गया और ग्रामीणों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मानकी गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में दोपहर के समय 5 वर्षीय जासीया, 3 वर्षीय जैद और 6 वर्षीय फैजान खेल रहे थे। खेलते-खेलते तीनों बच्चे केंद्र के मुख्य द्वार पर लगे लोहे के गेट के पास पहुंच गए। इसी दौरान गेट का एक हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया और तीनों बच्चे उसके नीचे दब गए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े और किसी तरह गेट को हटाकर बच्चों को बाहर निकाला। घायलों को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेरठ के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त हो गया। ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी केंद्र की लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और ग्राम प्रधान सुमन का घेराव किया। ग्रामीणों का कहना है कि गेट की हालत लंबे समय से खराब थी और इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों से की गई थी। करीब दो महीने पहले गेट की मरम्मत भी कराई गई थी, लेकिन मरम्मत कार्य ठीक से नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ। सूचना मिलने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी शशि वार्ष्णेय मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बच्चे गेट के एक हिस्से पर झूल रहे थे, जिससे संतुलन बिगड़ने पर गेट गिर गया। वहीं उप जिलाधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए प्रशासनिक टीम को मौके पर भेज दिया गया है और रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बेटियां हर क्षेत्र में रच रहीं इतिहास, उनका सम्मान समाज की पहचान : प्रसन्न चौधरी

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कुड़ाना में नवजात कन्याओं का जन्मोत्सव कार्यक्रम बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य बालिकाओं के जन्म को उत्सव के रूप में मनाना और समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सलीम अहमद ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रसन्न चौधरी उपस्थित रहे। इस अवसर पर 05 नवजात कन्याओं से केक कटवाकर जन्मोत्सव मनाया गया और उन्हें बेबी किट, फल, कंबल सहित विभिन्न उपहार भेंट कर उनका स्वागत किया गया। माताओं को पोषण, स्वास्थ्य, प्रसवोत्तर देखभाल तथा बालिकाओं

की शिक्षा और सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि ह्लबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओह्व अभियान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उन्होंने नवजात बालिकाओं के परिवारों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के समापन पर विधायक द्वारा नवजात बालिकाओं के नाम पर पौधारोपण भी किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस दौरान महिला कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना आदि की जानकारी देकर पात्र लाभार्थियों को आवेदन के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग के सदस्यों, स्वास्थ्य कर्मियों, आशा कार्यकर्त्रियों एवं स्थानीय महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया गया। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके सम्मान को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता : डॉ. सुनील तेवतिया

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिसौली का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर मौजूद किसानों एवं आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। निरीक्षण के दौरान किसानों ने समय पर चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाओं की कमी, जांच सुविधाओं की सीमितता तथा उपचार में आ रही कठिनाइयों जैसे मुद्दे उठाए। इन समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए सीएमओ ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों सहित प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डॉ. तेवतिया ने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करते हुए ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, पैथोलॉजी लैब, प्रसव कक्ष एवं वार्डों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने साफ सफाई, दवाओं की उपलब्धता, उपकरणों की कार्यशीलता और मरीजों को दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा की। साथ ही निर्देश दिया कि सभी आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें और मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी

सुनिश्चित करने को कहा कि सभी जांच सुविधाएं नियमित रूप से संचालित होती रहें। सीएमओ ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है और जहां भी कमियां मिलेंगी, वहां तत्काल सुधार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने लोगों को मौसमी बीमारियों और संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, स्वच्छता बनाए रखने और किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिसौली के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जायसवाल सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे। सभी को निर्देशित किया गया कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

संविदा शिक्षक भर्ती में अनियमितता का आरोप

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) में बीए एलएलबी संविदा शिक्षक भर्ती 2024-25 सवालों के घेरे में आ गई है। विश्वविद्यालय में संविदा पर कार्यरत शिक्षक डॉ. राजेश मणि त्रिपाठी और डॉ. सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव ने चयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। दोनों शिक्षकों ने इस संबंध में मुख्यमंत्री, कुलाधिपति, कुलपति और रजिस्ट्रार को पत्र भेजकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि साक्षात्कार प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रही और चयन समिति में शामिल कुछ सदस्यों के आपसी संबंधों ने निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि बिना स्पष्ट मानकों के अभ्यर्थियों का चयन किया गया और पूरी प्रक्रिया को सार्वजनिक नहीं किया गया। यहां तक कि चयनित अभ्यर्थियों की अंतिम सूची भी जारी नहीं की गई। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि चयन समिति से जुड़े लोगों ने अपने परिचितों और शोधार्थियों को प्राथमिकता दी। साथ ही चयनित अभ्यर्थियों को रात के समय बुलाकर चुपचाप कार्यभार ग्रहण कराने की बात भी सामने आई है, जिससे प्रक्रिया की पारदर्शिता पर और संदेह गहराता है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी आरोपों को खारिज किया है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने स्पष्ट किया कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही है और मेरिट, साक्षात्कार सहित सभी निर्धारित मानकों का पालन किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी तक चयनित अभ्यर्थियों से संबंधित लिफाफे भी नहीं खोले गए हैं।

डीएल व जेसीपी एलओ ने लिया जायजा, पेट्रोल पंपों पर पुलिस तैनात

लखनऊ। शहर में पेट्रोल व डीजल के लिए अचानक से उमड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस को अलर्ट किया गया। हर पेट्रोल पंप के आसपास पुलिस की गस्त बढ़ाई गई है। कुछ जगहों पर पुलिस ने माइक से ऐलान कर लोगों को बताया कि पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है। घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। बुधवार शाम जिलाधिकारी विशाख और जेसीपी एलओ बबलू कुमार ने कई पेट्रोल पंप का निरीक्षण किया और पेट्रोल पंप मालिकों व ग्राहकों से बातचीत भी की। जेसीपी ने बताया कि सभी थाने की पुलिस को अलर्ट रहने और इलाके में भ्रमणशील रहते हुए लोगों को जागरूक करने के लिए कहा गया है।

अफवाहों से डर गए, टंकी फुल कराकर ही घर गए

लखनऊ। गैस सिलिंडर की किल्लत के बीच पेट्रोल-डीजल संकट की अफवाहों लोगों को ऐसा डराया है कि मांग-आपूर्ति का संतुलन धराशायी हो गया है। अफवाहों से डर लोग जो बाइक में 100-200 पेट्रोल ही भरवाते थे, वो भी टंकी फुल कराने लगे। अचानक मांग कई गुना बढ़ने से बृहस्पतिवार को शहर के कई पंपों पर पेट्रोल-डीजल खत्म हो गया। जिन पंपों पर पेट्रोल-डीजल उपलब्ध था, वहां लंबी कतारें देखने को मिलीं। विकास नगर रिंग सड़क स्थित भरथना फिलिंग स्टेशन बृहस्पतिवार को बंद मिला। कर्मचारियों ने बताया कि बुधवार रात पेट्रोल खत्म हुआ है। टैंकर मंगाया गया है, जो जल्द ही आ जाएगा। विकास नगर स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम के किशोर फिलिंग स्टेशन पर पेट्रोल-डीजल के लिए लोगों की काफी भीड़ थी। यहां पेट्रोल पंप परिसर के अलावा रिंगरोड मार्ग के किनारे तक वाहनों की कतार देखने को मिली। संचालक अनिल किशोर ने बताया कि लोग अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर पहुंच रहे हैं। इससे मांग-आपूर्ति का संतुलन बिगड़ा है। सच ये है कि पेट्रोल-डीजल का संकट नहीं है। लोग सुनी सुनाई बातों पर भरोसा कर क्षमता से ज्यादा पेट्रोल-डीजल भरवाने लगे हैं। इसी वजह से बहुत से पंपों पर स्टॉक खत्म हो जा रहा है।

छुट्टी के दिन नगर निगम और रजिस्ट्री कार्यालय खुला, राजस्व वसूला

मेरठ। सरकार द्वारा घोषित अवकाश के बावजूद बृहस्पतिवार को नगर निगम और रजिस्ट्री कार्यालय खुले रहे। दोनों विभाग सरकार द्वारा निर्धारित राजस्व वसूली के लक्ष्य पूरे करने में लगे हैं। निगम ने गृहकर वसूली के साथ बकायेदारों पर कार्रवाई की। कंकरखेड़ा जोन में गृहकर के बकायेदारों पर कार्रवाई की गई। निगम ने एनएच-58 पर जैन शिकंजी, मिलांज मॉल का होटल और पल्लवपुरम में एक बरातघर सील किया। 22 मार्च 2026 को सांकेतिक रूप से सील किए गए मिलांज मॉल के होटल को बृहस्पतिवार को पूरी तरह सील कर दिया गया। इस दौरान निगम की टीम और होटल कर्मचारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। यह कार्रवाई एक लाख रुपये से ऊपर के बकायेदारों पर की जा रही है, जिससे बृहस्पतिवार को 70 लाख रुपये गृहकर निगम की तिजोरी में जमा हुए। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एसके गौतम ने बताया कि मंगलवार तक गृहकर बिल पर 20 फीसदी छूट मिल रही है। इसलिए नगर निगम बृहस्पतिवार और शुक्रवार को भी खोला गया है। एआईजी स्टांप शर्मा नवीन कुमार के अनुसार, सरकार ने मंगलवार तक 1300 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया है। रजिस्ट्री विभाग ने 80 फीसदी लक्ष्य पूरा कर लिया है। लक्ष्य पूरा करने के लिए मंगलवार तक रोजाना रजिस्ट्री कार्यालय खोले जाएंगे। बृहस्पतिवार को अवकाश के दिन 100 से ज्यादा बैनामे हुए।

कुछ पन्ने बदले और बन गई नई किताब

इस तरह अभिभावकों की कट रही जेब; स्कूल फीस बढ़ने का भी डर

आगरा। नए सत्र के साथ स्कूलों द्वारा हर साल किताबें बदलने और फीस बढ़ोतरी की आशंका से अभिभावक परेशान हैं, जिससे शिक्षा पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। अधिकारियों ने ऐसे स्कूलों पर कार्रवाई की चेतावनी दी है, जो नियमों के खिलाफ जाकर अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं।

स्कूलों में नए शैक्षिक सत्र की घंटी बजते ही बच्चों के चेहरों पर जहां नई कक्षा में जाने की खुशी है, वहीं अभिभावकों के माथे पर चिंता की लकीरें गहरी हो गई हैं। शिक्षा के मंदिर अब व्यापारिक केंद्रों में तब्दील होते दिख रहे हैं, जहां अभिभावकों का खुलेआम शोषण हो रहा है। स्कूलों में हर साल किताबों की नई लिस्ट जारी की जाती है, जिससे विगत सत्र में पढ़ाई गई किताबें रद्दी हो जाती हैं। वहीं, स्कूलों से फीस बुक भी नहीं दी गई है। ज्यादातर अभिभावक फीस में वृद्धि की आशंका से भी परेशान हैं।

शिक्षा के नाम पर यूनिफॉर्म, कॉपी-किताब, स्टेशनरी से लेकर कॉपी-किताबों के कवर तक हर चीज में सौदेबाजी की जा रही है। स्कूल संचालक सबसे बड़ा खेल किताबों में करते हैं। सिलेबस में बदलाव के नाम पर हर साल नए प्रकाशक की किताब लगा दी

जाती हैं। इसमें भी कुछ तयशुदा प्रकाशक स्कूलवार सेट हैं। दर साल इन्हीं की किताबें लगाई जाती हैं। हालांकि सिलेबस में कोई अंतर नहीं होता, बस पाठों का क्रम बदल दिया जाता है। कुछ पाठों की एक्सरसाइज बदल दी जाती हैं तो कुछ के चित्र और अंदर की हेडिंग्स। इसके अलावा दो से चार साल के भीतर ही उन्हीं प्रकाशकों की किताबें दोबारा लगा दी जाती हैं।

एक ही ग्रुप के स्कूलों और एक ही स्कूल की शाखाओं में भी इसी प्रकार किताबें बदलने का खेल संचालित हैं। न्यू आगरा निवासी स्मिता बताती है कि उनके बेटे ने चार साल पहले शहर के प्रतिष्ठित कॉन्वेंट स्कूल से 9वीं परीक्षा दी थी। इस साल उनकी बेटी 9वीं में आई हैं। दोनों की किताबों का कटेंट में कोई अंतर नहीं है। कमला नगर निवासी रश्मि बताती हैं कि उनकी छोटी बेटी कक्षा 6 में आई है, जबकि बड़ी कक्षा 9 में। जब बड़ी बहन ने छोटी की किताबें देखीं तो उसमें भी सभी पाठ, और पाठ्य सामग्री एक समान थी। बस किताबों के कवर और प्रकाशक बदले हुए हैं। इसके अलावा अंग्रेजी साहित्य की किताब का प्रकाशक बदला हुआ है। खंदारी निवासी भावना बताती हैं कि उनकी मित्र की बेटी ने जब उनके बेटे की किताबें देखीं तो उसमें भी पाठ्य सामग्री एकदम समान थी। बस पाठ के पीछे की एक्सरसाइज को बदल दिया गया था।

कम से कम पांच साल न बदली जाएं किताबें : अधिकांश अभिभावक चाहत हैं कि स्कूलों में किताबें कम से कम पांच साल तक न बदली जाएं। इससे एक ही परिवार के बच्चे कम से कम अपने भई बहनों की किताबें इस्तेमाल कर सकेंगे। पश्चिमपुरी निवासी ललित बताते हैं कि उन्होंने कक्षा एक से लेकर 12वीं तक अपने भाई की किताबों से पढ़ाई की। कहते हैं छोटा होने के कारण साल दर साल सिर्फ उन्होंने ही नहीं बल्कि उनसे बड़े और भाई और छोटी बहन ने भी उन्हीं किताबों से पढ़ाई की जिनसे सबसे बड़े भाई ने पढ़ाई की थी।

सिर्फ स्कूल ही नहीं नपेंगे संबंधित अधिकारी : मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ. मुकेश अग्रवाल बताते हैं उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ऐसे विद्यालयों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई और जनपद स्तरीय कमेटी के माध्यम से ऐसे विद्यालयों की अनापत्ति (एनओसी) प्रमाणपत्र और मान्यता समाप्ति के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए हैं। स्पष्ट किया कि जिन क्षेत्रों के स्कूलों की शिकायतें हैं और संबंधित अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, ऐसे अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए वे शासन को पत्र लिखेंगे।

मेडिकल कॉलेज में एडवांस फेको मशीन से होगा मोतियाबिंद का ऑपरेशन

मेरठ। मेडिकल कॉलेज में अब मोतियाबिंद की सर्जरी आधुनिक तकनीक से की जा सकेगी। इसके लिए के उच्चीकृत नेत्र रोग विभाग में एडवांस फेको मशीन लगा दी गई है। इस नई मशीन से नेत्र रोगियों को बेहतर उपचार मिल सकेगा। फेको विधि से सर्जरी केवल 10-15 मिनट में पूरी हो जाती है। रोगी उसी दिन घर जा सकता है और उसकी रिकवरी बहुत तेज होती है। प्राचार्य डॉ आरसी गुप्ता बताते हैं कि फेको मोतियाबिंद की एक आधुनिक, दर्द रहित और टांका रहित सर्जरी है। इसमें अल्ट्रासाउंड तरंगों से धुंधले लेंस को तोड़कर निकाला जाता है और फोल्डेबल लेंस लगाया जाता है। उन्होंने ऑपरेशन के बाद मरीजों को डॉक्टर की ओर से दी गई आई ड्रॉप्स का समय पर उपयोग करने की सलाह दी।मरीजों को आंख को मलने या दबाने से बचना चाहिए और धूल-मिट्टी व पानी से अपनी आंख को बचाना चाहिए। नेत्र रोग विशेषज्ञों के मुताबिक फेको आई सर्जरी को फेको इमल्सीफिकेशन भी कहते हैं।

भाजपा से पार्षद बना पति तो बदल गए तेवर, जान से मारने की कोशिश, फिर कराया गर्भपात

आगरा। भाजपा पार्षद पर उसकी पत्नी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने पार्षद पति समेत आठ लोगों पर मारपीट, जहर देने और जबरन गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की बात कही है।

दहेज में कार और 11 लाख रुपये मांगने का आरोप लगाते हुए महिला ने अपने पार्षद पति समेत आठ लोगों के खिलाफ अतिरिक्त दहेज की मांग, मारपीट, विषाक्त पदार्थ खिलाकर जान से मारने की कोशिश और जबरन गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। थाना हरीपर्वत पुलिस ने पुलिस आयुक्त के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरीपर्वत थानाक्षेत्र की वाल्मीकि बस्ती निवासी डिम्पी डागौर की 4 नवंबर 2022 को नीतेश नगर दहतोरा निवासी पार्षद रवि कुमार के साथ शादी हुई थी। शादी में माता-पिता ने 16 लाख रुपये का दान-दहेज दिया था। डिंपी ने तहरीर देकर बताया कि शादी के कुछ समय बाद रवि को भारतीय जनता पार्टी ने राहुल नगर वार्ड 42 का पार्षद प्रत्याशी बनाया तो ससुराल पक्ष का व्यवहार पूरी तरह बदल गया।

पति व अन्य ससुराल वाले अतिरिक्त दहेज में 11 लाख रुपये की नकदी और कार की मांग शुरू कर दी। आरोप है कि यह मांग चुनाव लड़ने के खर्च के लिए की गई थी और मांग पूरी न होने पर घर से निकालने और छोड़ने की धमकी दी जाने लगी। पीड़िता के पिता ने पति की मांगों से परेशान होकर घर बेचकर 5 लाख रुपये दिए, लेकिन ससुराल वालों का पेट नहीं भरा।

पति के चुनाव जीतते ही ससुर, देवर और दोनों जेठानी ने मारपीट की। बाद में विषाक्त पदार्थ खिला दिया। पड़ोसियों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल से आने पर पता चला कि पति अन्य महिला से बात करता है। विरोध पर कार और नकदी न देने पर दूसरी शादी करने की धमकी दी।

बिना नोटिस के निष्कासित होगा मंजीत, अन्य छात्रों पर भी कार्रवाई; अब तक 10 प्राथमिकी दर्ज

वाराणसी। यूपी कॉलेज में 20 मार्च को बीएससी गणित छात्र सूर्य प्रताप सिंह की क्लासरूम के सामने दिनदहाड़े हुई हत्या के छठे दिन, कॉलेज प्रशासन ने अपना आधिकारिक पक्ष रखा। पत्रकारों से बातचीत में प्राचार्य प्रो. डीके सिंह ने कहा कि कॉलेज खुलते ही हत्या के आरोपी मंजीत सिंह को बिना नोटिस दिए कॉलेज से निष्कासित किया जाएगा। मंजीत के अलावा पांच या उससे अधिक छात्रों पर भी निष्कासन की कार्रवाई हो सकती है।

पुलिस टीम इन उपद्रवियों और बदमाशों की पहचान में लगी हुई है। जांच पूरी होने के बाद इन्हें नोटिस देकर कॉलेज से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। कई अज्ञात लोगों पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है। पिछले चार वर्षों में 10 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। फिलहाल कॉलेज की कक्षाएं ऑनलाइन ही चलेंगी।

प्राचार्य प्रो. सिंह ने कहा कि हत्या के समय सीसीटीवी फुटेज और फोन

का सीडीआर सबकुछ जांच के लिए उपलब्ध है। पुलिस के पास सारे साक्ष्य हैं, जिन्हें देखकर सच्चाई का पता लगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी खंडन किया कि घटना के समय प्राचार्य ने सामने खड़े होकर फोन से दोनों को कार्यालय बुलाया था।

उन्होंने बताया कि 17 मार्च को एक विवाद हुआ था, जिसमें सूर्या सहित दो छात्रों पर प्राथमिकी दर्ज हुई थी। उस समय वह अयोध्या दर्शन पूजन के लिए गए हुए थे, इसलिए सूर्या से बातचीत नहीं हो पाई, लेकिन शिवपुर पुलिस को शिकायत भेजी गई थी। दो दिन बाद, 20 मार्च को रूटीन कार्य के दौरान सूर्य को गोली मारी गई।

घटना का क्रम : प्राचार्य ने अपने आवास पर आरोपी मंजीत का पीछा करने वाले प्रोफेसरों और अस्पताल तक ले जाने वाली टीम के साथ प्रॉक्टोरियल बोर्ड को बुलाकर पूरी घटना सिलसिलेवार बताई। सूर्या 20 मार्च को 25 नंबर के पेपर के लिए मिड टर्म बैक परीक्षा फॉर्म भरने आया। उसने 10:15 बजे फॉर्म की जानकारी ली और 500 रुपये देकर फॉर्म खरीदा। लौटते समय 10:30 बजे उसकी मुलाकात डिप्टी कंट्रोलर डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह से हुई, जो प्रक्रिया समझा रहे थे। 17 मार्च की घटना को लेकर हॉस्टल के कई छात्र सूर्या की पैरोकारी के लिए भी आए थे। तमाम बातचीत के बाद सूर्या 10:50 बजे तक बाहर चला गया, जिसका वीडियो रिकॉर्ड मौजूद है। लेकिन 11:10 बजे कला संकाय के कक्ष संख्या 12 के बाहर सूर्या पर गोली चली। प्राचार्य ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर बयान देने वालों की भी जांच की जानी चाहिए।

प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने किया मंजीत का पीछा : प्रॉक्टोरियल बोर्ड के प्रो. मनोज कुमार सिंह, चंद्रशेखर और विजय सिंह ने मंजीत का पीछा किया। वह छत तक चढ़ गया। उनके पास सुरक्षा के संसाधन या हथियार नहीं थे। गोली लगने पर उनकी भी जान जा सकती थी। मंजीत बाद में कूदकर भाग गया और कैंपस से बाहर निकल गया। किसी शिक्षक ने उसे नहीं बुलाया... अगर किसी के पास रिकॉर्ड है तो वह दिखा सकता है।

2400 उपभोक्ताओं पर दो करोड़ बकाया, कनेक्शन कटने का खतरा

अलीगढ़। जिले में अब तक तकरीबन 3.15 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए हैं। पूर्व में 15 करोड़ रुपये का बिल भुगतान बकाया था, जिसकी 100 फीसदी वसूली हो चुकी है। वर्तमान में 2400 उपभोक्ताओं पर लगभग दो करोड़ रुपये बकाया है। इन सभी उपभोक्ताओं पर कनेक्शन काटे जाने का खतरा मंडरा रहा है।

इसी बकाये की वजह से 19 मार्च को पूरे जिले में 31 हजार और उसके बाद 23 मार्च को 13,600 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं। 26 मार्च तक 44,600 कनेक्शन काटे जा चुके हैं। कनेक्शन काटे जाने के बाद शहर के बिजली घरों में हंगामा हुआ। सड़क जाम कर प्रदर्शन किया गया। जिसके कारण अलीगढ़ के चीफ इंजीनियर पंकज अग्रवाल को निलंबित कर दिया गया। इधर, कंट्रोल रूम में बुधवार की देर

रात से बृहस्पतिवार शाम तक कहीं भी हंगामे या बड़े बिजली के फॉल्ट की कोई सूचना नहीं दर्ज हुई।

अलीगढ़। बिल बकाया होने पर रावणटीला निवासी रंजीत बघेल का कनेक्शन 23 मार्च की सुबह 10 बजे काट दिया गया। बकौल रंजीत इसके बाद उन्होंने अलग-अलग किस्तों में 11 हजार रुपये जमा कराए, लेकिन बिजली नहीं जुड़ी। जब तीन दिन तक परेशानी बनी रही तो घर में पानी का संकट पैदा हो गया, जिससे उनका सब्र जवाब दे गया और बृहस्पतिवार दोपहर उन्होंने रावण टीला बिजली घर में धरना देना शुरू कर दिया। जब इसका वीडियो वायरल होना शुरू हुआ तो अफसरों की नींद टूटी। उन्होंने मातहतों को मौके पर भेजा और बिजली कनेक्शन जुड़वाया।

अकेले रंजीत ही नहीं जमालपुर के शहंशाहबाद निवासी अब्दुल बहाव भी बिजली कटने से परेशान होकर लाल डिग्गी बिजली घर पहुंचे।

एनुअल रिजल्ट डे पर 235 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, साइकिल पुरस्कार बना आकर्षण

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। स्थानीय कुंद-कुंद जैन पब्लिक स्कूल में एनुअल रिजल्ट डे का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 235 मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान साइकिल पुरस्कार विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसने विद्यार्थियों में उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना को और बढ़ाया।

विद्यालय के प्रबंधक वैभव कुमार जैन ने अपने स्वर्गीय पिता पतेंद्र कुमार जैन की स्मृति में चार विद्यार्थियों को साइकिल भेंट की। उन्होंने विद्यालय स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रोत्साहन पुरस्कार जारी रखने की बात कही, ताकि बच्चों में बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती रहे।

प्रधानाचार्या रितु कश्यप ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए निरंतर

परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में केवल पाठ्यक्रम शिक्षा ही नहीं, बल्कि बच्चों को एक अच्छा नागरिक बनने की भी प्रेरणा दी जाती है।

कार्यक्रम में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को प्रथम से पाँचवें स्थान तक ट्रॉफी और शील्ड प्रदान की गईं। कुल 235 ट्रॉफियों का वितरण किया गया। ओवरऑल टॉपर श्रेणी में नर्सरी से यूकेजी वर्ग में अब्दुल रहमान और हार्दिक, कक्षा 1 से 5 में आहिश तथा कक्षा 6 से 8 में आयशा को साइकिल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष शशांक कुमार जैन, प्रबंधक वैभव कुमार जैन, उपाध्यक्ष संजय कुमार जैन, आयुषी जैन, नैना जैन और नगर की चिकित्सक डॉ. कविता नागर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इकाना स्टेडियम में फिर गूंजेगा...माही वे

लखनऊ। पहले विराट कोहली (सात मई) और फिर महेंद्र सिंह धोनी (23 मई)। आईपीएल के जरिए शहर के प्रशंसक एक बार फिर इन दो दिग्गज खिलाड़ियों का दीदार कर सकेंगे। अन्य मुकाबलों को छोड़ दिया जाए तो लखनऊ सुपरजायंट्स को रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू और चेन्नई सुपरकिंग्स मैच वाले दिन समर्थन मिलने की कम ही उम्मीद होगी। संभवत- अपना आखिरी आईपीएल खेल रहे महेंद्र सिंह धोनी के लिए प्रशसंकों का प्यार कुछ खास होगा और पूरा स्टेडियम पीली जर्सी में नजर आएगा।

कुछ ऐसा ही माहौल सात मई वाले मैच में देखने को मिलेगा, जब प्रशंसक बंगलूरू की जर्सी पहनकर कोहली से विराट पारी के लिए हौसला बढ़ाएंगे। हालांकि धोनी की तरह अपने क्रिकेट कॅरिअर के आखिरी सालों में खेल रहे हिटमैन रोहित शर्मा का जादू लखनऊ वासियों को देखने को नहीं मिलेगा, क्योंकि उनकी टीम मुंबई इंडियंस का लखनऊ में मुकाबला नहीं खेला जाएगा। बृहस्पतिवार को आईपीएल में 70 लीग मुकाबलों का कार्यक्रम जारी हो गया। इसके अंतर्गत शहर में एक अप्रैल से लेकर 23 मई के बीच सात मुकाबले खेले जाएंगे। यहां ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) की टीम अपने घरेलू मैदान इकाना स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद को छोड़कर अन्य सात फ्रेंचाइजी टीमों से इकाना स्टेडियम में दो-दो हाथ करेगी।

अलीगढ़ के अंडला गैस बॉटलिंग प्लांट की क्षमता बढ़ी, 15 जिलों में आपूर्ति तेज

अलीगढ़। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एलपीजी सिलिंडरों की बढ़ती मांग और संकट को देखते हुए अलीगढ़ स्थित अंडला इंडेन बॉटलिंग प्लांट ने अपनी उत्पादन क्षमता में ब?ा इजाफा किया है। प्लांट की क्षमता को 30 हजार से ब?ाकर अब 36 हजार सिलिंडर प्रतिदिन कर दिया गया है। इस कदम से अलीगढ़ सहित 15 जिलों की 168 गैस एजेंसियों को बड़ी राहत मिली है।

गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इंडेन ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। समय की बचत करने के लिए गुजरात के कांडला और मुंद्रा पोर्ट से एलपीजी मंगाना फिलहाल बंद कर दिया गया है। इसके बजाय अब सीधे मथुरा रिफाइनरी से एलपीजी के टैंकर अंडला पहुंच रहे हैं। चूंकि मथुरा रिफाइनरी भी इंडेन का ही हिस्सा है, इसलिए प्लांट और रिफाइनरी के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है। वर्तमान में अंडला प्लांट में पर्याप्त गैस का स्टॉक सुरक्षित रखा गया है।

इन 15 जिलों को मिलेगी निर्बाध सप्लाई

अंडला बॉटलिंग प्लांट से अलीगढ़ के अलावा 15 जिलों की 168 एजेंसियों को सिलिंडरों की आपूर्ति की जा रही है। इसमें ब्रज और पश्चिम क्षेत्र में हाथरस, मथुरा, आगरा, बुलंदशहर, गौतमबुद्ध नगर शामिल हैं। अन्य जिलों में बरेली, बदायूं, मुरादाबाद, अमरोहा, रामपुर, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, गाजियाबाद और मेरठ शामिल हैं।

गैस की आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के लिए प्लांट से लेकर गैस एजेंसियों की पूर्ति शृंखला पर पूरी नजर रखी जा रही है। इसके लिए कंपनियां तो अपने स्तर से प्रयास कर ही रही हैं। विभाग की भी सभी टीमें वितरण व्यवस्था बनाए रखने के लिए काम कर रही हैं।

- सत्यवीर सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी

रिफाइनरी ने बदला उत्पादन चक्र

मांग को पूरा करने के लिए मथुरा रिफाइनरी ने भी अपने उत्पादन के तरीके में बदलाव किया है। रिफाइनरी ने कच्चे तेल से बनने वाले अन्य पेट्रोलियम उत्पादों (जैसे एटीएफ, केरोसिन, प्रोपेन और ब्यूटेन) का उत्पादन कम कर दिया है, ताकि एलपीजी का उत्पादन अधिक किया जा सके। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ के अलावा नोएडा (लोनी), मथुरा, इटावा, फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर और लखीमपुर खीरी में भी इंडेन के बॉटलिंग प्लांट कार्यरत हैं, जो क्षेत्रीय ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे

जेवर एयरपोर्ट से बदलेगी उत्तर प्रदेश की दिशा और दशा: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सुभाष यादव

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से हृदय से स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री ने इस एयरपोर्ट की आधारशिला रखी थी और आज उसी परियोजना के प्रथम चरण का उद्घाटन भी उनके करकमलों से संपन्न हुआ है। मुख्यमंत्री ने इसे प्रधानमंत्री की कार्यशैली का उदाहरण बताते हुए कहा कि जो शिलान्यास करते हैं, वही उद्घाटन भी करते हैं, और यही विकास की वास्तविक गति का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश की

अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सशक्त आधार बनेगा। यह एयरपोर्ट उत्तर भारत में निवेश, व्यापार और औद्योगिक विकास को नई दिशा प्रदान करेगा तथा लाखों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर सृजित करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे तथा प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल नेटवर्क से इसकी उत्कृष्ट कनेक्टिविटी प्रदेश के विकास को और अधिक गति देगी। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नया भारत वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बना रहा है और जेवर का यह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट उसी संकल्प का साकार रूप है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों और आपूर्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और महंगाई के दौर में भी भारत में आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनी हुई है। उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में की गई कटौती के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रदेश की प्रगति का नया द्वार बनेगा और उत्तर प्रदेश को वैश्विक एविएशन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाएगा।

काले कपड़ों के कारण सैकड़ों लोगों को नहीं मिली एंट्री, मायूस लौटे युवा

इनामुलहक फारुकी

जेवर (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बटन दबाकर परियोजना का शुभारंभ किया। इस ऐतिहासिक मौके पर दूर-दराज से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, लेकिन सैकड़ों युवाओं और युवतियों को केवल काले कपड़े पहनने के कारण प्रवेश नहीं मिल सका। समारोह स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के तहत काले कपड़े पहनकर आए लोगों को गेट पर ही रोक दिया गया। कई युवाओं ने मौके पर ही अपने परिचितों से अन्य रंग के कपड़े मंगवाए या भाजपा कार्यकर्ताओं से पीली टी शर्ट लेकर किसी तरह अंदर प्रवेश पाया। अंदर पहुंचने वालों की खुशी देखते ही बन रही थी, वहीं बड़ी संख्या में लोग निराश होकर वापस लौट गए। ग्रेटर नोएडा के कुछ कॉलेज छात्र, जो ब्लैक टी-शर्ट पहनकर पहुंचे थे, उन्हें भी एंट्री नहीं दी गई। आंध्र प्रदेश से आए प्रवीण, जो बीएएलएलबी के छात्र हैं, ने बताया कि वह इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन ब्लैक शर्ट के कारण उन्हें गेट पर ही रोक दिया गया। इससे उन्हें गहरी निराशा हुई।

लंबा सफर तय कर पहुंचे लोग, दिखा उत्साह

एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से लोग लंबा सफर तय कर पहुंचे। कई लोग 24 घंटे से अधिक का सफर कर इस आयोजन में शामिल होने आए थे। एनसीआर में रह रहे विदेशी नागरिक भी इस अवसर के साक्षी बने और उन्होंने इस पल को कैमरे में कैद किया।

गोरखपुर से पहुंचे इरशाद ने बताया कि देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट के उद्घाटन की खबर सुनकर वह खुद को रोक नहीं पाए और यहां पहुंच गए। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनकर उन्हें बेहद खुशी हुई। वहीं, नितीश ने बताया कि करीब 24 घंटे का सफर तय कर यहां पहुंचे और प्रधानमंत्री को सुनना उनके लिए यादगार अनुभव रहा।

समारोह में महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली और पूरे आयोजन में उत्साह का माहौल बना रहा।

इनाम टेक्सटाइल फैक्ट्री में भीषण आग, लाखों का नुकसान

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा के मोहल्ला किशनगंज नई आबादी में शुक्रवार तड़के इनाम टेक्सटाइल नामक तिरपाल बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से लगी इस आग में फैक्ट्री में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया गया कि हिंदू कन्या इंटर कॉलेज के पीछे स्थित यूसुफ की फैक्ट्री में रात के समय काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट से चिंगारी उठी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। फैक्ट्री में भारी मात्रा में धागा और कपड़ा होने के कारण आग तेजी से फैल गई। मौके पर मौजूद कारीगरों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और तीन दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। काफी प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। दमकल विभाग के अधिकारी सचिन बालियान के अनुसार समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आसपास के घरों को सुरक्षित बचा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया।

फैक्ट्री मालिक यूसुफ के मुताबिक आग से करीब 15 से 20 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि वास्तविक नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

चप्पे-चप्पे पर पहरा, जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना अभेद्य किला

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के प्रथम चरण के शुभारंभ के साथ ही इसे अत्याधुनिक और अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था से लैस कर दिया गया है। उद्घाटन के दौरान पूरे क्षेत्र को बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया, जिसे अब स्थायी रूप से और मजबूत किया जा रहा है। एयरपोर्ट और उसके आसपास के क्षेत्रों में आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को इस प्रकार विकसित किया गया है कि किसी भी परिस्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। एयरपोर्ट की परिधि सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पांच नई अस्थायी पुलिस चौकियों का सृजन किया गया है, जिनके माध्यम से प्रमुख मार्गों और संवेदनशील बिंदुओं पर निगरानी रखी जा रही है। इसके साथ ही पीसीआर और पीआरवी वाहनों द्वारा लगातार गश्त की जा रही है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था हर समय सक्रिय बनी रहती है। डोमेस्टिक टर्मिनल के लिए अलग से पुलिस बल की तैनाती की गई है, जबकि इंटरनेशनल टर्मिनल के लिए नए थाने के निर्माण की योजना भी प्रस्तावित है। सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक 70 पुलिसकर्मी इमिग्रेशन कोर्स के तहत प्रशिक्षित हो चुके हैं और अन्य को भी प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया है। वहीं अग्नि सुरक्षा के लिए दो अत्याधुनिक अग्निशमन केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जो किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उद्घाटन के दौरान पूरे क्षेत्र को नो-फ्लाई जोन घोषित कर एंटी-ड्रोन सिस्टम सक्रिय रखा गया। इसके साथ ही मेटल डिटेक्टर, बम निरोधक दस्ता, स्निफर डॉग और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती की गई। इस व्यापक और तकनीक संपन्न सुरक्षा व्यवस्था के साथ जेवर एयरपोर्ट देश में सुरक्षा का एक नया मानक स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मोदीनगर में सिमरन शर्मा का सम्मान, सड़क का नामकरण कर बढ़ाया मान

मोदीनगर (शिखर समाचार)। पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता और अर्जुन अवार्ड से सम्मानित मोदीनगर की बेटी सिमरन शर्मा को प्रदेश सरकार द्वारा जिला पंचायत राज अधिकारी नियुक्त किए जाने पर नगर पालिका परिषद की ओर से भव्य सम्मान दिया गया। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली ने सिमरन शर्मा को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद तिबड़ा रोड स्थित कृष्ण कुंज वार्ड-6 में सिमरन के मकान से होकर गुजरने वाली पालिका द्वारा निर्मित सीसी सड़क का नाम भी उनके नाम पर रखा गया और उसका विधिवत लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि सिमरन शर्मा की उपलब्धि न केवल क्षेत्र बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि सिमरन का संघर्ष, मेहनत और सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है और आने वाली पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगी। कार्यक्रम में सिमरन के कोच एवं पति गजेंद्र सिंह, सभासद मास्टर धर्मवीर सिंह कर्दम, मनवीर सिंह, नवनीत कुमार, राजकुमार फौजी, राजकुमार और अरुण कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

पहली उड़ान के यात्री बने सीएम योगी, जेवर एयरपोर्ट से लखनऊ तक भरी ऐतिहासिक उड़ान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उस समय दर्ज हुआ, जब नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। उद्घाटन के तुरंत बाद यहां से पहली विशेष उड़ान लखनऊ के लिए रवाना हुई, जिसमें योगी आदित्यनाथ सवार हुए।

उद्घाटन समारोह के समापन के बाद एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष उड़ान सीधे लखनऊ के लिए गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस ऐतिहासिक उड़ान के पहले यात्री बने, जिसे प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी के नए युग की शुरूआत माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि यह उड़ान सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के तेज विकास और बेहतर संपर्क व्यवस्था का प्रतीक है। उन्होंने इसे राज्य के आर्थिक, औद्योगिक और पर्यटन विकास को गति देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। सूत्रों के अनुसार इस पहली उड़ान में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, नागरिक उड्डयन विभाग के प्रतिनिधि तथा एयरपोर्ट प्रबंधन से जुड़े अधिकारी भी मौजूद रहे। यह उड़ान प्रदेश में हवाई सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

गैस एजेंसी पर सिलेंडर न देने का आरोप, महिला ने लगाया अभद्रता का आरोप, जमकर हंगामा

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के गांव असौड़ा स्थित एक गैस एजेंसी पर शनिवार को उपभोक्ताओं ने गैस सिलेंडर न देने और कर्मचारियों द्वारा अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित कर लोगों को शांत कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव असौड़ा स्थित गैस एजेंसी पर कई उपभोक्ता अपने मोबाइल पर डिलीवरी का मैसेज आने के बाद गैस सिलेंडर लेने पहुंचे थे। उपभोक्ताओं का आरोप है कि घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद भी उन्हें सिलेंडर नहीं दिया गया, जबकि उनके मोबाइल पर पहले ही डिलीवरी का संदेश प्राप्त हो चुका था।

इसी दौरान एक महिला उपभोक्ता ने एजेंसी कर्मचारियों पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया, जिससे वहां मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया और देखते ही देखते हंगामा शुरू हो गया। उपभोक्ताओं ने एजेंसी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी नाराजगी जताई।

हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए लोगों को शांत कराया। पुलिस ने उपभोक्ताओं को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, घटना के बाद एजेंसी पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

सेहटा में भाजपा जिलाध्यक्ष का स्वागत, कश्यप समाज ने रखीं प्रमुख मांगें

शामली (शिखर समाचार)। क्षेत्र के ग्राम सेहटा में भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप का कश्यप समाज एवं कार्यकताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। शनिवार को गांव कुडाना रोड स्थित सिसौली अड्डा पर आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उनका भव्य अभिनंदन किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने शहीद अमित की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान भारतीय कश्यप जन चेतना मंच के जिलाध्यक्ष पवन कश्यप ने समाज की ओर से तीन प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने महर्षि कश्यप जयंती (5 अप्रैल) पर पुनः अवकाश घोषित करने, जनपद के किसी प्रमुख चौक का नाम महर्षि कश्यप चौक रखने तथा ग्राम सेहटा का नाम बदलकर कश्यप नगर सेहटा किए जाने की मांग की।जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप ने आश्वासन दिया कि वे इन मांगों को सरकार के समक्ष रखकर समाधान कराने का प्रयास करेंगे। उन्होंने युवाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने, शिक्षा पर ध्यान देने और समाज को संगठित कर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में नीटू कश्यप, तीरथपाल कश्यप, पालेराम कश्यप, नाथी कश्यप, प्रवेश प्रधान और रवि कश्यप सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

जेवर एयरपोर्ट उद्घाटन में अव्यवस्था: हजारों की भीड़ जाम में फंसी, पानी तक नहीं मिला

जेवर (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के उद्घाटन के मौके पर जहां एक ओर ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, वहीं दूसरी ओर हजारों की संख्या में पहुंची जनता को भारी अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। दूर दराज क्षेत्रों से लोगों को सभा स्थल तक लाया गया, जिनमें बड़ी संख्या में स्कूलों के छात्र-छात्राएं भी शामिल थे। सभा स्थल पर भीड़ तो उमड़ी, लेकिन यातायात और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था कमजोर नजर आई। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद स्थिति और बिगड़ गई। एयरपोर्ट परिसर के अंदर ही वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोग कई घंटों तक भीषण गर्मी में जाम में फंसे रहे। छोटे और बड़े वाहनों के एक साथ निकलने की कोशिश में यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। सबसे बड़ी परेशानी पानी की व्यवस्था को लेकर देखने को मिली। हजारों की भीड़ के बावजूद पीने के पानी के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, जिससे लोग इधर-उधर पानी की तलाश करते नजर आए। कई लोगों को मजबूरी में 5 से 10 किलोमीटर तक पैदल चलकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ा।

इस दौरान मौके पर पुलिस और यातायात व्यवस्था भी नाकाफी साबित हुई। लोगों का कहना था कि कार्यक्रम के बाद पुलिस व्यवस्था लगभग गायब सी हो गई, जिससे हालात और बिगड़ गए। कार्यक्रम के अंत में कुछ शरारती तत्वों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कटआउट और लगाए गए बोर्डों को उखाड़कर ले जाते हुए भी देखा गया, जो सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। कुल मिलाकर, भव्य आयोजन के बावजूद व्यवस्थाओं की कमी ने लोगों के अनुभव को काफी प्रभावित किया और भविष्य में ऐसे बड़े आयोजनों के लिए बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता को उजागर किया।

मंदिर आधारित सामाजिक आर्थिक मॉडल पर संगठन का जोर, अभिनव स्वरूप बने जिलाध्यक्ष

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। शाश्वत हिन्दू प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित एक पत्रकार वार्ता में मंदिरों को समाज के समग्र विकास का केंद्र बनाने की अवधारणा प्रस्तुत की गई। संस्था ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को जोड़ते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में अपने विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी दी। भोपा रोड स्थित संरक्षक आलोक स्वरूप के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री संजय शर्मा ने एक डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से संगठन की योजनाओं को प्रस्तुत करते हुए कहा कि मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि समाज का मूल आधार हैं। इसी सोच के तहत शाश्वत हिन्दू मंदिर इकोसिस्टम विकसित किया जा रहा है। इस इकोसिस्टम में शाश्वत देवालय, शाश्वत प्रांगण, शाश्वत

बाजार, शाश्वत कार्ड और आशीर्वाद कार्ड जैसी योजनाएं शामिल हैं। इनका उद्देश्य मंदिरों को सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाना है। संस्था ने शाश्वत बाजार के जरिए स्वदेशी ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने की योजना भी साझा की, जिससे उपभोक्ता सीधे विक्रेताओं से जुड़ सकेंगे और बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। शाश्वत कार्ड के माध्यम से उपभोक्ताओं के खर्च का एक हिस्सा मंदिरों और सामाजिक कार्यों में लगाया जाएगा, जबकि आशीर्वाद कार्ड से उपयोगकताओं को रिवॉर्ड प्वाइंट्स मिलेंगे, जिन्हें देशभर में उपयोग किया जा सकेगा। कार्यक्रम के अंत में संगठनात्मक विस्तार के तहत अभिनव स्वरूप को जिला अध्यक्ष, श्रवण अग्रवाल को जिला महामंत्री और मोहित बंसल को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। संस्था ने मुजफ्फरनगर सहित देश के विभिन्न स्थानों पर शाश्वत प्रांगण स्थापित करने की योजना भी साझा की।

सामाजिक समानता भाईचारा रैली को लेकर सपा की बैठक, युवाओं में दिखा उत्साह

शामली। (शिखर समाचार) समाजवादी पार्टी द्वारा दादरी में आयोजित होने वाली सामाजिक समानता भाईचारा रैली को लेकर जनसंपर्क अभियान के बाद पार्टी पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक भैंसवाल रोड स्थित जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में रैली की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बैठक को संबोधित करते हुए सुधीर पंवार ने कहा कि रैली को लेकर कार्यकताओं और खासकर युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में युवा अपने-अपने वाहनों से दादरी पहुंचकर रैली को सफल बनाएंगे। जिलाध्यक्ष अशोक चौधरी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी जिला कार्यालय से रैली

के लिए प्रस्थान करेंगे, जिसमें युवा नेता अखिल बंसल भी प्रमुख रूप से शामिल रहेंगे। बैठक में जानकारी दी गई कि कांधला क्षेत्र से जावेद जंग के नेतृत्व में, जबकि ऊन ब्लॉक से सत्यवान चौधरी और नीरज पहलवान के नेतृत्व में कार्यकर्ता रैली में भाग लेंगे। अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सलेक चंद ने कहा कि रैली में दलित समाज की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

इस दौरान सलेक प्रधान, सचिन पंवार, खुशनूद, अरविंद झंझोट सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छात्राओं से अश्लील बातें करने के आरोपी सहित दो शिक्षकों पर कार्रवाई, बीएसए ने किया निलंबित

हापुड़ (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र के एक स्कूल में छात्राओं से अश्लील बातें करने के मामले में कार्रवाई करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया है। वहीं फर्जी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के आरोप में एक अन्य शिक्षक को भी निलंबित किया गया है। जानकारी के अनुसार सिम्भावली क्षेत्र के न्याजपुर खैय्या स्थित विद्यालय में तैनात शिक्षक फरमान पर छात्राओं ने अश्लील बातें करने का आरोप लगाया था। शिकायत की जांच कराई गई, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद बीएसए ने तत्काल प्रभाव से शिक्षक को निलंबित कर दिया। उधर, प्राथमिक विद्यालय झड़ीना के शिक्षक सिद्धार्थ कुमार और आशीष चौहान की ड्यूटी गढ़मुक्तेश्वर स्थित बैजल मेमोरियल इंटर कॉलेज में बोर्ड परीक्षा के दौरान लगाई गई थी। ड्यूटी से मुक्त होने के प्रमाणपत्र को लेकर मामला सामने आया। प्रधानाध्यापक मनीष शर्मा ने बीएसए को भेजे पत्र में बताया कि दोनों शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत प्रमाणपत्र संदिग्ध प्रतीत हुए।जांच में पाया गया कि सिद्धार्थ कुमार द्वारा दिए गए प्रमाणपत्र में 15 दिन में 15 सत्र दर्शाए गए, जबकि कॉलेज प्रशासन द्वारा जारी प्रमाणपत्र में केवल 6 दिन में 7 सत्र अंकित थे। इस प्रकार कुल 9 दिनों का अंतर सामने आया। साथ ही प्रमाणपत्र पर किए गए हस्ताक्षर भी फर्जी पाए गए। खंड शिक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार ने साक्ष्यों सहित रिपोर्ट बीएसए को सौंपी, जिसके आधार पर सिद्धार्थ कुमार को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें लुखराड़ा के कंपोजिट विद्यालय में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस मामले की जांच खंड शिक्षा अधिकारी देशराज वत्स को सौंपी गई है। वहीं शिक्षक आशीष चौहान के खिलाफ लगे आरोपों की जांच अभी जारी है।

संपादकीय

जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा: पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास का नया द्वार

आज 28 मार्च 2026 का दिन उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत के विकास इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में दर्ज हो गया, जब नरेंद्र मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रथम चरण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आनंदीबेन पटेल और योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति ने इसे और भी विशेष बना दिया। लंबे समय से प्रतीक्षित यह परियोजना अब साकार रूप ले चुकी है और इससे क्षेत्रीय विकास की नई संभावनाओं के द्वार खुलते दिखाई दे रहे हैं।

जेवर में बना यह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा केवल एक परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि एक व्यापक आर्थिक परिवर्तन का प्रतीक है। यह परियोजना पश्चिमी उत्तर प्रदेश, खासकर गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा और आसपास के जिलों के लिए विकास का इंजन साबित हो सकती है। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते दबाव को कम करने के साथ साथ यह नया एयरपोर्ट क्षेत्रीय संतुलित विकास को भी गति देगा।

सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस एयरपोर्ट के आसपास एक नया आर्थिक गलियारा विकसित होने की पूरी संभावना है। औद्योगिक निवेश, लॉजिस्टिक्स हब, वेयरहाउसिंग, होटल उद्योग, रियल एस्टेट और सेवा क्षेत्र में तेजी से वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। इससे लाखों लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। विशेष रूप से युवाओं के लिए यह एक बड़ा अवसर बन सकता है, जिससे पलायन की समस्या में भी कमी आएगी।

इसके अलावा यह एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार और पर्यटन के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने में मदद करेगा। विदेशी निवेशकों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी एक प्रमुख आकर्षण होती है, और जेवर एयरपोर्ट इस दिशा में एक बड़ा कदम है। आने वाले समय में यदि यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन व्यापक स्तर पर शुरू होता है, तो यह क्षेत्र विदेशी कंपनियों और उद्योगों के लिए एक हब बन सकता है। कृषि क्षेत्र के लिए भी यह परियोजना लाभकारी सिद्ध हो सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश अपनी उपजाऊ भूमि और विविध कृषि उत्पादों के लिए जाना जाता है। एयर कार्गो सुविधा के माध्यम से किसान अपने उत्पादों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचा सकेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि की संभावना है। खासकर फल, सब्जियां और डेयरी उत्पादों के निर्यात को नई दिशा मिल सकती है।

हालांकि इस विकास के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आती हैं। भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय संतुलन, और स्थानीय लोगों के पुनर्वास जैसे मुद्दों को संवेदनशीलता के साथ संभालना आवश्यक है। यदि विकास की प्रक्रिया में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की गई, तो यह असंतोष का कारण बन सकता है। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह पारदर्शिता और संवाद के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान करे।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह जरूरी है कि एयरपोर्ट के विस्तार और उससे जुड़ी परियोजनाओं में हरित तकनीकों का अधिकतम उपयोग किया जाए। कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने, हरित क्षेत्र बढ़ाने और जल संरक्षण जैसे उपायों को प्राथमिकता देनी होगी, ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे।

राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो यह परियोजना सरकार की विकासोन्मुख छवि को मजबूत करती है।

~ मौलिक चिंतन ~

किसी भी संकट में कोई और नहीं आपके साथ सबसे पहले स्वयं आप ही खड़े होते हैं।

© विनय संकोची

मध्य पूर्व तनाव का असर, लेकिन भारत तैयार: संसाधनों का संयमित उपयोग अनिवार्य

सुनील कुमार महला

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण विश्व के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे ऊर्जा संकट की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। ऐसे समय में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, असीमित नहीं। इसलिए उनका उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अनावश्यक रूप से बर्बाद करने का अधिकार किसी को नहीं है।

इसी संदर्भ में भारत सरकार ने 26 मार्च 2026 (गुरुवार) को यह स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक और दुष्प्रचारपूर्ण खबरों पर ध्यान न दें, क्योंकि इनका उद्देश्य केवल भय और घबराहट पैदा करना है।पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें वर्तमान में लगभग 60 दिनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस भंडार में कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद तथा भूमिगत रणनीतिक भंडारण शामिल हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि मध्य-पूर्व संकट के 27वें दिन तक देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार के अनुसार, हर नागरिक के लिए लगभग दो महीने तक निरंतर ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद पहले से ही सुनिश्चित कर ली है। इतना ही नहीं, मीडिया के हवाले से यह भी खबरें आई हैं कि सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल पर ?10 की कटौती की गई है, इससे फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। यह अच्छी बात है कि केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों और आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए कर दिया गया है तथा डीजल पर यह ड्यूटी पूरी तरह खत्म यानी जीरो कर दी गई है। बहरहाल, जहां कुछ देशों में ईंधन की कीमतों में वृद्धि, राशनिंग और पेट्रोल पंपों के बंद होने जैसी स्थिति देखने को मिल रही है, वहीं भारत में ऐसी कोई स्थिति नहीं है और किसी आपातकालीन कदम की आवश्यकता भी नहीं पड़ी है।बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि संकट की इस घड़ी में समाज की वास्तविक परीक्षा एकजुटता और जिम्मेदारी में निहित होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कोई बड़ा संकट आता है-चाहे वह महामारी हो, प्राकृतिक आपदा या आर्थिक मंदी-तब केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि प्रशासन और व्यापारिक वर्ग की जिम्मेदारी भी कई गुना बढ़ जाती है। दुर्भाग्यवश, ऐसे समय में कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जैसी प्रवृत्तियां भी उभरती हैं, जो कृत्रिम कमी पैदा कर आम लोगों की कठिनाइयों को और बढ़ा देती हैं। वास्तव में,कालाबाजारी और मुनाफाखोरी समाज की आर्थिक व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती हैं।यह न केवल आम जनता की जेब पर बोझ डालती है, बल्कि विश्वास की नींव को भी कमजोर करती है। आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम कमी पैदा कर कीमतें बढ़ाना नैतिक और कानूनी दोनों रूप से गलत है।सच तो यह है कि ऐसे समय में गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। ऐसे में सरकार को सख्त कानून और प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू करनी चाहिए। साथ ही, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई से ही इसका सही समाधान संभव है। जनता को भी जागरूक रहकर ऐसे कृत्यों का विरोध करना चाहिए।ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ व्यापार करना ही स्वस्थ समाज की पहचान है।वास्तव में, हमें यह समझना होगा कि वास्तविक शक्ति संसाधनों को जमा करने में नहीं, बल्कि उन्हें जरूरतमंदों तक सही तरीके से पहुंचाने में है। कालाबाजारी भले ही अल्पकालिक लाभ दे, लेकिन यह समाज के विश्वास और नैतिक आधार को कमजोर करती है। इसके विपरीत, यदि व्यापारी, उद्योगपति, प्रशासन और आम नागरिक मिलकर ईमानदारी, पारदर्शिता और सहयोग का मार्ग अपनाएं, तो किसी भी संकट के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अंततः, यही समय है जब हमें यह सिद्ध करना होगा कि हमारी सभ्यता स्वार्थ पर नहीं, बल्कि एकता, संवेदना और सहभागिता जैसे मूल्यों पर आधारित है। यही भावना न केवल संकट से उबरने में सहायक होती है, बल्कि एक मजबूत और सुदृढ़ राष्ट्र की नींव भी रखती है।

वैश्विक ऊर्जा संकट बनाम लॉकडाउन की आशंका?

किशन सनमुखदास

क्या दुनियाँ फिर कोविड-19 जैसे दौर की ओर बढ़ रही है या यह केवल भय और अफवाहों का जाल है?

क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है?- अफवाह बनाम जमीनी हकीक- भय,भ्रम और बदलती वैश्विक वास्तविकता

पीएम की लगातार बैठकें,देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति लगातार सुनिश्चित करना -अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी को ध्यान में रखना जरूरी

वैश्विक स्तरपर कोविड -19 महामारी ने दुनियाँ को जिस तरह से झकझोर कर रख दिया था,उसकी स्मृतियाँ आज भी लोगों के मन में ताजा हैं। 2020-21 के दौरान लगाए गए लॉकडाउन,आर्थिक गतिविधियों का ठप होना,सड़कों पर सन्नाटा और अनिश्चित भविष्य ये सब अनुभव आज भी समाज की सामूहिक चेतना में गहराई से बसे हुए हैं।ऐसे में जब 2026 में ऊर्जा संकट, पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और सरकारों की लगातार बैठकों की खबरें सामने आती हैं,तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में यह सवाल उठता है,क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है? क्या यह एक नए प्रकार का ऊर्जा लॉकडाउन होगा? या यह केवल अफवाहों औरसोशल मीडिया की उपज है? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि इस बार संकट का कारण कोई वायरस नहीं,बल्कि ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी अनिश्चितताएँ हैं।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका ने कई देशों को सतर्क कर दिया है। कुछ देशों में बिजली की खपत कम करने के लिए स्कूल-कॉलेजों को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है,सरकारी दफ्तरों में सप्ताह में केवल चार दिन काम का मॉडल अपनाया जा रहा है, और वर्क फ्रॉम होम को फिर से प्रोत्साहित किया जा रहा है।यह स्थिति भले ही कोविड जैसी स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है, लेकिन इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव उतने ही गहरे हो सकते हैं।श्रीलंका जैसे देशों में पहले से ही ऊर्जा संकट के कारण सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिल रहा है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि ऊर्जा संकट केवल आर्थिक समस्या नहीं है,बल्कि यह सामाजिक स्थिरता और नागरिक जीवन को भी सीधे प्रभावित करता है।भारत की स्थिति की व्याख्या हम,सतर्कता लेकिन घबराहट नहीं के रूप में कर सकते हैं,भारत भी इस वैश्विक संकट को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क है। पीएम ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ 26 मार्च 2026 को शाम साढ़े छह बजे बैठक कर स्थिति की समीक्षा की है।इन बैठकों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के पास लगभग 60 दिनों का ईंधन भंडार उपलब्ध है, जो तत्काल किसी बड़े संकट की संभावना को कम करता है।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार का लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है।वित्त मंत्री संसदीय कार्य मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री ने संयुक्त रूप से बयान देकर इन अफवाहों को खारिज किया है। भारत में लॉकडाउन के संदेह का जन्म संसद में पीएम के बयान की गलत व्याख्या,अफवाहों के कारण कुछ जगहों पर पैनिक बाइंग की स्थिति उत्पन्न हुई, इंडियन ऑइल कारपोरेशन और भारत पेट्रोलियम ने सफाई दी हैसरकार का स्पष्ट संदेश है कि देश में पर्याप्त फ्यूल स्टॉक मौजूद है। लॉकडाउन और फ्यूल क्राइसिस की खबरें पूरी तरह भ्रामक है सोशल मीडिया पर फैल रही गलत जानकारी से सतर्क रहने की अपील की गई है। 27 मार्च 2026 को भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में लॉकडाउन की कोई योजना नहीं है और ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीयमंत्री ने सोशल मीडिया पर चल रही लॉकडाउन की खबरों को पूरी तरह गलत और हानिकारक बताया है। लोग घबराएं नहीं और न ही अफवाहों पर ध्यान दें, क्योंकि ईंधन और जरूरी वस्तुओं का पर्याप्त भंडार है।

साथियों बात अगर हम सोशल मीडिया और अफवाहों का तंत्रः डर का नया स्रोत इसको समझने की करें तो आज के डिजिटल युग में सूचना जितनी तेजी से फैलती है,उतनी ही तेजी से भ्रम और अफवाहें भी फैलती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऊर्जा लॉकडाउन और देशव्यापी बंदी जैसे शब्द ट्रेंड करने लगे,जिससे आम लोगों में डर का माहौल बन गया।पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगने लगीं,गैस सिलेंडर और आवश्यक वस्तुओं की खरीद अचानक बढ़ गई।यह स्थिति बताती है कि संकट केवल वास्तविक नहीं होता, बल्कि उसकी धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है। जब लोग यह मान लेते हैं कि कोई बड़ा संकट आने वाला है,तो उनका व्यवहार भी उसी अनुसार बदल जाता है,चाहे वास्तविक स्थिति उतनी गंभीर न हो।

साथियों बात अगर हम भारत की रणनीतिः संतुलन और स्थिरता को समझने की करें तो भारत ने पिछले कुछवर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा पर बढ़ता जोर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण ये सभी कदम भारत को इस प्रकार के संकटों से निपटने में सक्षम बनाते हैं।सरकार का वर्तमान फोकस स्पष्ट है:आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखना,कीमतों को नियंत्रित रखना,जनता में घबराहट को रोकना,जनता की भूमिका-संयम और जागरूकता-किसी भी संकट के दौरान सरकार की नीतियों के साथ-साथ जनता का व्यवहार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि लोग अफवाहों पर विश्वास करके अनावश्यक खरीददारी करते हैं, तो इससे कृत्रिम संकट उत्पन्न हो सकता है।इसलिए यह आवश्यक है कि लोग केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक बयानबाजी और उसके प्रभाव को समझने की करें तो,इस पूरे घटनाक्रम में राजनीतिक बयानबाजी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक बार फिर लॉकडाउन लगा सकती है और लोगों को घरों में कैद कर सकती है।उन्होंने 2021 के लॉकडाउन और चुनावों का उदाहरण देते हुए अपनी बात रखी।हालांकि, ऐसे बयान अक्सर राजनीतिक दृष्टिकोण से दिए जाते हैं,लेकिन इनका असर आमजनता पर गहरा पड़ता है। जब एक वरिष्ठ नेता इस तरह की आशंका व्यक्त करता है, तो लोगों के मन में अनिश्चितता और भय और अधिक बढ़ जाता है।

साथियों बात अगर हम पीएम के संसद में बयान और उसके गलत अर्थ को समझने की करें तो,सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया गया कि पीएम ने संसद में अपने संबोधन के दौरान लॉकडाउन का संकेत दिया था।लेकिन वास्तविकता यह है कि उन्होंने केवल कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए यह कहा था कि हमें हर प्रकार की चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। इस बयान को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई।यह घटना यह दर्शाती है कि किस तरह आधी-अधूरी जानकारी या संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किए गए बयान बड़े पैमाने पर सटीक रूप से गलतफहमी पैदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम,क्या वैश्विक स्तरपर ऊर्जा लॉकडाउन संभव है? इसको समझने की करें तो,ऊर्जा लॉकडाउन का विचार नया है, लेकिन पूरी तरह असंभव नहीं। यदि ऊर्जाआपूर्ति में भारी कमी आती है,तो सरकारें बिजली और ईंधन की खपत को नियंत्रित करने के लिए कुछ प्रतिबंधात्मक उपाय लागू कर सकती हैं।हालांकि, यह कोविड-19 जैसे पूर्ण लॉकडाउन से अलग होगा।ऊर्जा संकट के दौरान संभावित उपायों में शामिल हो सकते हैं:(1)औद्योगिक गतिविधियों को सीमित करना (2) कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना (3) सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देना (4) बिजली और ईंधन की खपत परनियंत्रण लेकिन इन उपायों का उद्देश्य जीवन को पूरी तरह रोकना नहीं, बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना होगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान

सौरभ वार्ष्णेय

अप्रैल के अंत में फ्लाइट्स शुरू होने के बाद यह देश का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। चारों फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा। 5000 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में एयरपोर्ट का विस्तार होगा। पहले फेज के बाद इस एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता करीब 1.2 करोड़ होगी। फाइनल फेज पूरी होने के बाद यह 7 करोड़ से अधिक यात्री क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा। उड़ानें शुरू होने के बाद तेजी से बढ़ने. की उम्मीद है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और पूरे भारत की विकास यात्रा का एक बड़ा आधार बनने जा रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इसके माध्यम से प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाई मिलेगी। इस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान माना जा रहा है। इस विकास से प्रदेश का ही नहीं देश का विकास भी संभव हो सकेगा? देश की तरक्की में कम्युनिकेशन यानी यातायात को सुगम बनाना स्वाभाविक ही वह क्षेत्र और देश स्वयं तरक्की के पंख लगा लेता है। आज उसी अध्याय में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को बीमारू छवि से बाहर निकालेगा। प्रदेश की छवि में चार चांद लगेंगे

जैसा की बताया जा रहा है अप्रैल के अंत में फ्लाइट्स शुरू होने के बाद यह देश का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। चारों फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा। 5000 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में एयरपोर्ट का विस्तार होगा। पहले फेज के बाद इस एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता करीब 1.2 करोड़ होगी। फाइनल फेज पूरी होने के बाद यह 7 करोड़ से अधिक यात्री क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा। उड़ानें शुरू होने के बाद तेजी से बढ़ने. की उम्मीद है। भविष्य का सबसे बड़ा एविएशन हब बनने की पूरी क्षमता रखता है। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को 'बीमारूइ छवि से बाहर निकालकर 'विकसित प्रदेशइ की दिशा में ले जाने की क्षमता रखता है। और जब देश का सबसे बड़ा राज्य आर्थिक रूप से सशक्त होगा, तो स्वाभाविक है कि भारत की समग्र प्रगति भी तेज होगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का उद्घाटन होने के बाद अब अप्रैल माह के अंत तक उड़ाने शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 65 शहरों के लिए उड़ान शुरू किए जाने का दावा है। पहले चरण में देश के 10 शहरों के लिए सेवा शुरू होगी। शुरूआत में केवल घरेलू और कार्गो उड़ानें ही संचालित होंगी। नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही यूपी पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बन गया है। वैसे तो देश में एयरपोर्ट अलग-अलग मानकों के आधार पर तय किए जाते हैं। इनमें यात्री क्षमता, क्षेत्रफल और उड़ानों की संख्या शामिल होती है। देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट के आधार पर सबसे बड़ा दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। वहीं, क्षेत्रफल के लिहाज से हैदराबाद एयरपोर्ट सबसे बड़ा है। उड़ानों की दृष्टि से सबसे बड़ा एयरपोर्ट दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट है। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इसे सबसे बड़ा माना जाएगा। देश के पांच सबसे बड़े एयरपोर्ट होगा।

सबसे पहले, यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार और निवेश के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगा। अभी तक दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अत्यधिक दबाव रहता है, लेकिन जेवर एयरपोर्ट उस दबाव को कम करेगा और क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। इससे निर्यात, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। दूसरा, यह परियोजना रोजगार के विशाल अवसर पैदा करेगी। निर्माण चरण से लेकर संचालन तक लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आसपास के क्षेत्रों—जैसे ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़—में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। तीसरा, यह एयरपोर्ट 'मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटीइ का केंद्र बनेगा। एक्सप्रेसवे, मेट्रो और रेल नेटवर्क से जुड़कर यह क्षेत्र एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगा। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अपने उत्पाद देश-विदेश तक पहुंचाने में आसानी होगी।चौथा, विदेशी निवेश को आकर्षित करने में यह अहम भूमिका निभाएगा। जब वैश्विक कंपनियां बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देखती हैं, तो वे निवेश के लिए अधिक इच्छुक होती हैं। इससे 'मेक इन इंडियाइ और 'आत्मनिर्भर भारतइ जैसे अभियानों को मजबूती मिलेगी।

हालांकि, विकास के इस मॉडल में कुछ चुनौतियां भी हैं—जैसे पर्यावरण संतुलन और स्थानीय लोगों के पुनर्वास के मुद्दे। इनका संवेदनशील और संतुलित समाधान जरूरी है, ताकि विकास समावेशी और टिकाऊ बन सके।

उत्तर प्रदेश लंबे समय से अपनी विशाल जनसंख्या, कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था और सीमित औद्योगिक विस्तार के कारण विकास की चुनौतियों से जूझता रहा है। ऐसे में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण न केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना है, बल्कि यह राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखने वाला ऐतिहासिक कदम है।सबसे पहले, यह एयरपोर्ट क्षेत्रीय और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते दबाव को कम करते हुए यह नया हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन और निवेश को आकर्षित करेगा। जब दुनिया के बड़े शहरों से सीधी उड़ानें जुड़ेंगी, तो विदेशी कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश करना अधिक आसान और लाभदायक होगा।दूसरा महत्वपूर्ण पहलू रोजगार का है। एयरपोर्ट के निर्माण से लेकर उसके संचालन तक लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। होटल, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलेंगी। आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्योगों को भी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।तीसरा, यह परियोजना औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तहत विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों को इस एयरपोर्ट से सीधा लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में यह क्षेत्र तेजी से उभर सकता है। हालांकि, हर बड़े विकास के साथ चुनौतियां भी आती हैं। भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के पुनर्वास जैसे मुद्दों को संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ संभालना होगा। यदि इन पहलुओं की अनदेखी हुई, तो विकास का यह मॉडल असंतुलित हो सकता है। यह कहना अतिश्योक्ति होगा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्जागरण का माध्यम बन सकता है। यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर इसे योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं, तो यह राज्य को न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर नई पहचान दिला सकता है।

यूपी को 'बीमारू छवि से बाहर निकालेगा

उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर भारत के लिए विकास का नया इंजन बनने जा रहा है।सबसे बड़ी विशेषता इसकी वृहद क्षमता और चरणबद्ध विस्तार योजना है। पूर्ण रूप से विकसित होने पर यह एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल होगा। शुरूआत में ही इसकी रनवे क्षमता और यात्री संभालने की व्यवस्था इसे भविष्य के दबाव के लिए तैयार बनाती है। अहम विशेषता है इसकी बेहतरीन कनेक्टिविटी। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बड़े हिस्सों को सड़क, रेल और मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगा। इससे न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि व्यापार और उद्योग को भी नई गति मिलेगी। अन्य खासियत है इसका ग्रीन और सस्टेनेबल डिजाइन। यह भारत का पहला ऐसा एयरपोर्ट बनने की दिशा में है, जो पूरी तरह से नेट जीरो एमिशन के लक्ष्य को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। सोलर एनर्जी, जल संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण इसे भविष्य के एयरपोर्ट्स का मॉडल बनाते हैं। इसके अलावा, यह एयरपोर्ट कार्गो हब के रूप में भी उभरेगा। कृषि, और निर्यात आधारित उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी। इससे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सामाजिक दृष्टि से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। क्षेत्र में रोजगार सृजन, शहरीकरण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे आसपास के जिलों का समग्र विकास संभव होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि नए भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यदि इसे समयबद्ध और संतुलित तरीके से पूरा किया गया, तो यह उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की आर्थिक उड़ान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

चॉकलेट खाएं, मगर...

सॉलिड कोको चॉकलेट में ट्रीप्टोफेन रसायन होता है जो हमारे शरीर में सेरोटिन बनाने का काम करता है। दरअसल यह एक न्यूरोकेमिकल है, जो खुशी की अनुभूति को बढ़ाता है। रोमांटिक मूड को बनाए रखने के लिए चॉकलेट को कमरे के तापमान पर ही खाया जाना चाहिए। चॉकलेट खाएं पर यह भी ध्यान रखें कि अति हर चीज की बुरी कि अति हर चीज की बुरी होती है...

चॉकलेट का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। किसी भी उम्र या हैसियत के लोग हों, चॉकलेट के स्वाद से अनजान नहीं हैं। बच्चे अभिभावकों से जिद करके चॉकलेट पाते हैं तो बड़े बच्चों से छिप कर चॉकलेट खाते हैं। इस की वजह है चॉकलेट का बेमिसाल स्वाद और इसके सेवन से होने वाले नुकसान का बेमेल संगम।

पर चॉकलेट खाने के सिर्फ नुकसान ही नहीं हैं, कई फायदे भी होते हैं। चॉकलेट लवर्स के लिए यह एक खुशखबरी होगी। इससे रूबरू कराने के प्रयास में पेश है एक कोशिश।

चॉकलेट का बोटेनिकल नाम 'थेयोब्रोमा काकाओ' है। चॉकलेट का आविष्कार 18वीं सदी में हुआ। इसे कोको बींस से तैयार किया जाता है। कोको बींस में कई तरह के फ्लेवेनोल और पोलीफेनोल होते हैं, जो हाई ब्लडप्रेशर विनाशक और ह्रदय के लिए लाभप्रद माने जाते हैं। पोलीफेनोल के एंटीआक्सीडेंट्स हमारे शरीर में एजिंग की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। कोको डार्क चॉकलेट में ज्यादा मात्रा में होते हैं यानी जितना ज्यादा डार्क चॉकलेट उतने ज्यादा जवान और स्वस्थ रहने के आसार।

मिल्क चॉकलेट और वाइट चॉकलेट की गुणवत्ता भी कम नहीं है। मिल्क चॉकलेट में विटामिन बी-1, बी-2, ई और मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक व कॉपर पाया जाता है। मिल्क चॉकलेट की एक रेगुलर साइज बार लेने से शरीर की रोज की 12 प्रतिशत कैल्सियम की जरूरत को पूरा किया जा सकता है। साथ ही हर रोज के आयरन की कुल आवश्यकता में से 12 प्रतिशत की पूर्ति की जा सकती है। नौटिंगम यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में यह बताया गया है कि चॉकलेट खाने से दिमाग तेज होता है। अधिक मात्रा में कोको वाले चॉकलेट खाने या चॉकलेट ड्रिंक पीने से रक्त का संचार दिमाग के खास जरूरी हिस्से में बढ़ जाता है, जिससे व्यक्ति के सतर्कता के गुण में इजाफा होता है।

चॉकलेट में करीब 300 प्राकृतिक कंपाउंड होता है, जो दिमागी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलने में मदद करता है और मस्तिष्क पर कम दबाव महसूस होता है। इसलिए तनावग्रस्त होने पर चॉकलेट खाने से राहत महसूस होती है। यह मानव व्यवहार को भी प्रभावित करता है।

चॉकलेट में ट्रीप्टोफेन नामक एक रसायन होता है, जो मनुष्य के शरीर में सेरोटिन बनाने का काम करता है। सेरोटिन एक न्यूरोकेमिकल है जो खुशी के एहसास, रोमांटिक मूड और कामोत्तेजना को बढ़ाता है। इन फायदों के लिए चॉकलेट को कमरे के तापमान पर रख कर ही खाएं साथ ही यह ध्यान रहे कि ये सारे गुण चबाने वाले, क्रीमी परत इत्यादि चॉकलेट में नहीं पाए जाते हैं। ये सिर्फ सौलिड कोको चॉकलेट में होते हैं।

अलग-अलग स्वाद की खासीयत वाले विभिन्न ब्रांड्स के चॉकलेट बाजार में उपलब्ध हैं। इन में कैडबरी, अमूल, नेस्ले इत्यादि के चॉकलेट हैं। चॉकलेट से कई तरह के लजीज व्यंजन और ड्रिंक भी बनाए जा सकते हैं जैसे चॉकलेट शेक, पेस्ट्री, केक, पैनकेक इत्यादि। चॉकलेट के इतने सारे फायदे जान कर कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि चॉकलेट खूब खाने चाहिए। पर जरा ठहरिए, किसी भी चीज की अति हानिकारक होती है। चॉकलेट का अत्यधिक सेवन शरीर में फैट, शुगर, कैलोरी बढ़ाता है और मोटापा और अन्य परेशानियों को भी बढ़ावा देता है। इसलिए चॉकलेट खाएं शौक से पर जरा संभल कर।

धूप बढ़ाए आंख की रोशनी

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की मानें तो रोजाना धूप में कुछ देर बैठने से बच्चों को 'मायोपिया' नाम की बीमारी से बचाया जा सकता है। इस बीमारी से पीड़ित बच्चों की दूर की नजर कमजोर होती है। सर्च काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया के ताजा अध्ययन ने सूरज की रोशनी का एक और फायदा साबित किया है। इस हालिया अध्ययन से पता चला है कि जो बच्चे 'मायोपिया' नाम की बीमारी से पीड़ित होते हैं, उनके लिए रोजाना करीब दो घंटे धूप में बैठना फायदेमंद होता है। अध्ययन के लिए मायोपिया से पीड़ित 60 बच्चों को दो ग्रुप में बांटकर नियमित रूप से रोजाना अलग-अलग समयावधि में धूप में बैठने को कहा गया। करीब दो महीने बाद जब उनकी दृष्टिक्षमता की जांच की गई तो उन बच्चों की स्थिति बेहतर पाई गई, जो ज्यादा लंबे समय तक धूप में बैठे। इस अध्ययन दल के प्रमुख इयान मोर्गन ने बताया मायोपिया से पीड़ित बच्चों के लिए ये इलाज बहुत प्राकृतिक और अच्छा है।

हेल्थ प्लस

अंडा रोके ब्लड प्रेशर!

रोजाना एक अण्डा खाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। शोध के मुताबिक दिन की शुरूआत अण्डा खाकर करने से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित किया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने एक शोध में कहा है कि अण्डे में एक ऐसा प्रोटीन होता है जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल में ली जाने वाली एक दवाई का काम करता है। हालांकि पहले एक रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि अण्डा खाने से दिल का दौरा पड़ सकता है। लेकिन, इस शोध से साबित होता है कि अण्डा दिल के लिए ही नहीं, बल्कि ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रण में रखने के लिए फायदेमंद होता है।

दम है तो आलू है

आयुर्वेद के अनुसार आलू ठंडा, मधुर, रूक्ष, पचने में भारी, मल को गाढ़ा करने वाला तथा काया में आलस्य उत्पन्न करने वाला है। यह शक्तिवर्द्धक, रक्तपित्त शामक, मल-मूत्र निस्सारक एवं दुग्धवर्द्धक है। स्पेन के शोधकर्ताओं की एक नई खोजके अनुसार जो व्यक्ति आलू खाते हैं, उनकी व्याधियों से मुकाबला करने की सामर्थ्य बढ़ जाती है।

आलू में विटामिन सी, बी कॉम्पलेक्स तथा आयरन [लौह तत्त्व], कैल्शियम, मैंगनीज, फास्फोरस सरीखे तत्त्व होते हैं। आलू के प्रति 100 ग्राम में 1.6 प्रतिशत प्रोटीन, 22.6 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 0.1 प्रतिशत वसा, 0.4 प्रतिशत खनिज और 97 प्रतिशत कैलॉरी ऊर्जा पाई जाती है। यदि आलू को शीतल करके या सलाद की भांति सेवन किया जाए, तो इसमें ज्यादा फायदा होता है। आलू को सदाबहार सब्जी का दर्जा ही नहीं प्राप्त है, अपितु आलू में तमाम विलक्षण औषधीय गुण भी समाहित हैं।

आलू के औषधीय गुण

- आलू के इस्तेमाल से रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है।
- जलने पर कच्चा आलू कुचलकर जले भाग पर तुरंत लगा देने से आराम मिल जाता है।
- अम्लपित्त से राहत पानी है, तो कच्चे आलू का रस प्रतिदिन पीना चाहिए।
- चेहरे के धब्बों को मिटाने के लिए आलू के रस में नीबू रस की कुछ बूंदें मिलाकर लगाने से धब्बे हल्के हो जाते हैं।
- स्तनपान कराने वाली माताओं को आलू का सेवन अवश्य करना चाहिए। आलू मां के दूध को बढ़ाने वाला होता है।
- आलू के टुकड़ों को गर्दन, कुहनियों आदि सख्त स्थानों पर रगड़ने से वहां की त्वचा साफ एवं कोमल हो जाती है।
- आलू भूनकर नमक के साथ खाने से काया में चर्बी की मात्रा में कमी होती है।
- झाइयों तथा झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए आलू के रस में मुल्तानी मिट्टी मिलाकर झाइयों और झुर्रियों पर लगाएं। बीस मिनट बाद चेहरा पानी से साफ कर लें।

मेरूदण्ड के लिए उपयोगी आसन

मेरूदंड के घुमावदार आसनों के नियमित अभ्यास से मेरूदंड संबंधी विविध रोग ठीक हो जाते हैं। मेरूदंड का नाड़ी संस्थान से गहरा संबंध होता है। हमारी सारी संवेदनाओं का आदान-प्रदान नाड़ी संस्थान के माध्यम से होता है। सीधी कमर न बैठने, वजन उठाने, झुक कर चलने अथवा अन्य किसी कारण से मेरूदंड में खिंचाव आ जाने से मेरूदंड बराबर कार्य नहीं करता। सरवाइकल स्पोंडीलाइसिस, साइटिका, स्लिप डिस्क, घुटनों और जोड़ों में दर्द आदि रोगों का कारण मेरूदंड की खराबी ही होती है।

मेरूदंड की क्षमता

रोगी को पीठ के बल सीधा पालकी आसन में लेटा दें तथा उनकी दोनों हथेलियों की अंगुलियों को आपस में फंसाकर गर्दन के नीचे लगवा दें। अब रोगी को कमर के बल बिना कोई सहारा लिए बैठने को कहें। यदि इस स्थिति में रोगी बैठ सकता है, तो उसका मेरूदंड अच्छा होता है और ऐसी स्थिति में रीढ़ का रोग ज्यादा पुराना नहीं होता। यदि इस ढंग से रोगी न उठ सके तो मेरूदंड की कार्य क्षमता लगभग दस प्रतिशत कम हो जाती है। दूसरी स्थिति में पैरों को सीधा करके हथेलियों को पहले की भांति गर्दन के नीचे रखते हुए रोगी को बिना सहारा दिए बैठने को कहें। यदि रोगी इस स्थिति में भी न उठ सके तो मेरूदंड की क्षमता लगभग 15 से 20 प्रतिशत कम हो जाती है।

तीसरी स्थिति में दोनों हाथों को जमीन से स्पर्श करते हुए सिर से ऊपर पूरा ले जाते हुए रोगी को पीठ के बल लेटने को कहें। यदि इस स्थिति में भी बिना सहारा रोगी न बैठ सकता हो, तो मेरूदंड की क्षमता 20 से 30 प्रतिशत के लगभग कम हो जाती है। जितना अधिक असंतुलन होगा, रोग उतना ही पुराना और संक्रामक होगा और उपचार में समय भी उसके अनुपात में अधिक लगेगा।

मेरूदंड के घुमावदार व्यायाम

मेरूदंड के घुमावदार आसनों से रीढ़ के मणोकं में आया तनाव, खिंचाव और विकृति सरलतापूर्वक दूर की जा सकती है। इन आसनों को स्त्री-पुरूष, बच्चे-बूढ़े स्वस्थ और रोगी सभी आसनी से कर सकते हैं। इनके नियमित अभ्यास से रोगी के मेरूदंड संबंधी विविध रोग ठीक हो जाते हैं। मनुष्य में रीढ़ के विविध घुमावदार आसनों को नित्य विधिपूर्वक करने से उनमें भी सुषुम्ना शक्तियां जागृत होने लगती है। ऊर्जा चक्र सक्रिय होने लगते हैं। स्नायु संस्थान ताकतवर होने से, स्नायु संबंधी रोगों की संभावनाएं बहुत कम हो जाती है। यदि हम भी घोड़े की तरह रीढ़ की हड्डी को सुबह-शाम लेटकर 'ठोडी दाएं तो घुटना बाएं' और 'घुटना दाएं तो ठोडी बाएं' घुमाना प्रारंभ कर दें, तो मेरूदंड में आई विकृतियां दूर हो जाती हैं। घुमावदार व्यायाम करने के लिए सर्वप्रथम दोनों हाथ कंधों के बराबर फैलाकर एक दम सीधा पीठ के बल जमीन पर लेट जाना चाहिए। इस व्यायाम की विविध स्थितियां होती हैं। जिसमें पैरों की ही स्थितियां अलग-अलग ढंग से बदली जाती है। गर्दन को घुमाने का एक ही तरीका और नियम होता है। जब पैरों को बाएं तरफ घुमाया जाता है, तो गर्दन को दाहिने तरफ मोड़कर, ठोढ़ी को कंधों से स्पर्श किया जाता है। जब पैरों को दाहिने तरफ घुमाया जाता है, तो गर्दन को उसी ढंग से बाई तरफ घुमाया जाता है।

प्रथम स्थिति में पैरों की दोनों एड़ियों के बीच पगथली के बराबर दूरी रखी जाती है तथा एग पगथली अंगुलियों को बारी-बारी से दूसरे पैर की एड़ी से स्पर्श किया जाता है तथा गर्दन को उसके विपरीत दिशा में घुमा जाता है।

दूसरी स्थिति में दोनों टखनों एवं पगथलियों को पास-पास में रखकर अंगुलियों को एक बार बाईं, फिर दाहिनी तरफ, बारी-बारी से जमीन को स्पर्श किया जाता है तथा साथ ही गर्दन को विपरीत दिशा में घुमाया जाता है।

एक पैर को सीधा रख दूसरे की पगथली को उनके घुटने के पास रखकर, दूसरे पैर के घुटने को दूसरे पैर की दिशा में जमीन से बारी-बारी स्पर्श कराया जाता है। दोनों घुटनों को छाती से स्पर्श करते हुए बाईं दाहिनी तरफ पैरों और गर्दन को घुमाया जाता है।

पवन मुक्तासन की स्थिति में दोनों हथेलियों से घुटनों को पकड़ सीने से चिपकाते हुए बाएं दाहिने पैरों की तरफ सारे शरीर को घुमाया जाता है और अंत में सीधा पवन मुक्तासन किया जाता है।

सावधानियां

प्रत्येक आसन के पश्चात कुछ समय शवासन करना चाहिए। प्रत्येक आसन को कम से कम 15 से 25 बार करना चाहिए। इन आसनों का अभ्यास सुबह मल त्याग के बाद खाली पेट करना चाहिए। जिन्हें कब्ज की शिकायत रहती है, उन्हें उषापान करने के पश्चात् इन आसनों को करना अधिक फायदेमंद होता है। मासिक धर्म के दिनों में एवं गर्भावस्था के तीन मास पश्चात् तथा किसी भी व्यक्ति के द्वारा शल्य चिकित्सा के तुरंत पश्चात् अथवा फ्रेक्चर होने की स्थिति में इन आसनों को नहीं करना चाहिए। प्रत्येक व्यायाम श्वास भरकर करने से अधिक फायदेमंद होता है। जिन्हें इसमें कठिनाई हो, वे साधारण स्थिति में भी इन आसनों को कर सकते हैं। आसन करते समय शरीर के साथ किसी प्रकार की जोर जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए। सहजता एवं सरलता से शरीर जितना घुमाया जा सकता है, उतना ही घुमाना चाहिए।

जिन व्यक्तियों के मेरूदंड के मणकों में लोच की कमी होती है या बाएं-दाएं करने में कष्ट होता है, उन्हें धीरे-धीरे जितना बाएं-दाएं कर सकते हैं करना चाहिए, झटका न दें और न ही देर तक किसी एक कष्टदायक स्थिति में रूकें और न ही शरीर के उस भाग को जबरदस्ती जमीन तक ले जाने की कोशिश करें। घुमाते समय धीरे-धीरे दाएं-बाएं जाना चाहिए। किसी प्रकार का झटका नहीं देना चाहिए। घुमाते समय शरीर की जिन मांसपेशियों में दर्द हो, वे मांसपेशियां शरीर में रोगों से संबंधित होती हैं। उन मांसपेशियों का उपचार करने से रोग में तुरंत आराम मिलता है। जिन व्यक्तियों को अनिद्रा की शिकायत हो, उन्हं सोने से चार घंटे पूर्व भोजन कर लेना चाहिए। नींद पूर्व इन व्यायामों को करने से व्यायाम करते-करते ही नींद आने लग जाती है। नियमित इन आसनों के करने से बौने बच्चों की लंबाई बढ़ने लगती है। नाभि अपने स्थान पर आ जाती है। कब्ज, गैस, थकावट, आलस्य, अनिद्रा, मोटापा, मधुमेह आदि रोगों, नाड़ी, संस्थान, मेरूदंड एवं एड़ी से लगाकर गर्दन तक के रोगों में लाभ होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3842

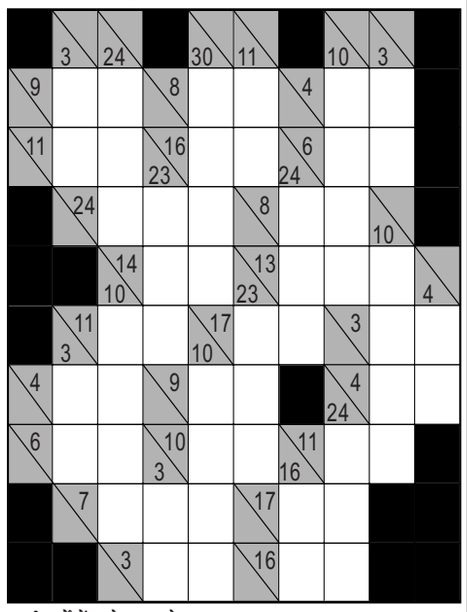

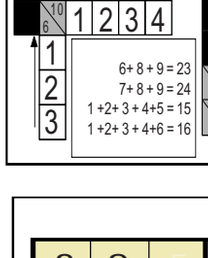

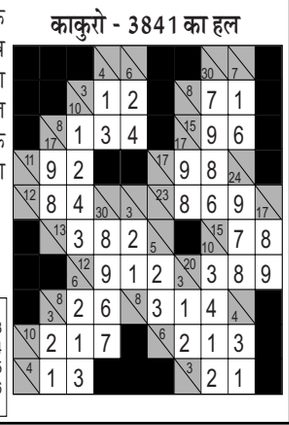

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3841 का हल

हंसी के फूव्वारें

तुम्हारे घर में किसका शासन चलता है ?

अपनी जगह सभी शासन करते हैं.

वह कैसे ?

मेरी पत्नी बच्चों पर शासन करती है, बच्चे नौकरों को डांटते रहते हैं और मैं कुत्ते-बिल्लयों को झिड़कता रहता हूं.

मोहन तुम आजकल स्कूल में कैसे चल रहे हो ?

मोहन बोला- वाह पापाजी, मैं कभी आपसे आपके ऑफिस के बारे में बात करता हूं ?

थका हुआ पति: आज शाम का घूमना तो रद्द करो.

पत्नी: आप तो सवेरे से ही कह रहे थे मैं तो तभी से मेकअप कर रही थी अब पूरा हुआ तो आप मना करने लगे.

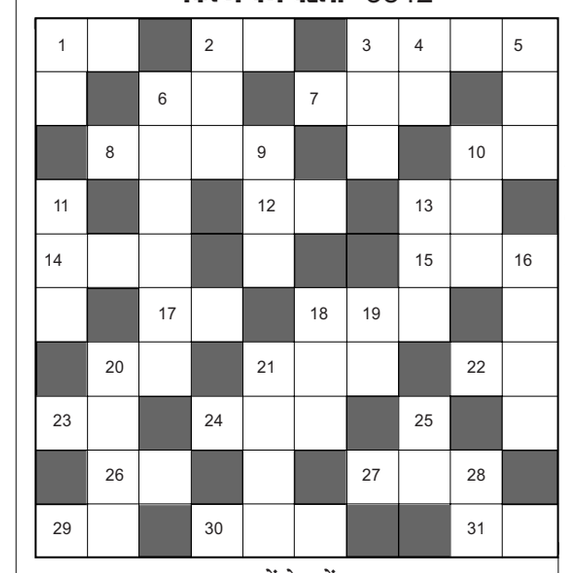

दस साल के एक लड़के का दांत निकालने के बाद डॉक्टर ने उसके बाप से कहा-लाओ पांच रुपये.

पांच रुपये ? मगर आपने तो पहले कहा था कि आप दांत उखाड़ने का एक रुपया लेते हैं.

ठीक है, मगर आपके लड़के की चिल्लाहट सुनकर दांत उखड़वाने के लिए आये हुए मेरे चार रोगी भी तो चले गये.

फिल्म वर्ग पहेली- 3842

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक ?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक ?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3841

सूडोकु -3842

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3841 का हल

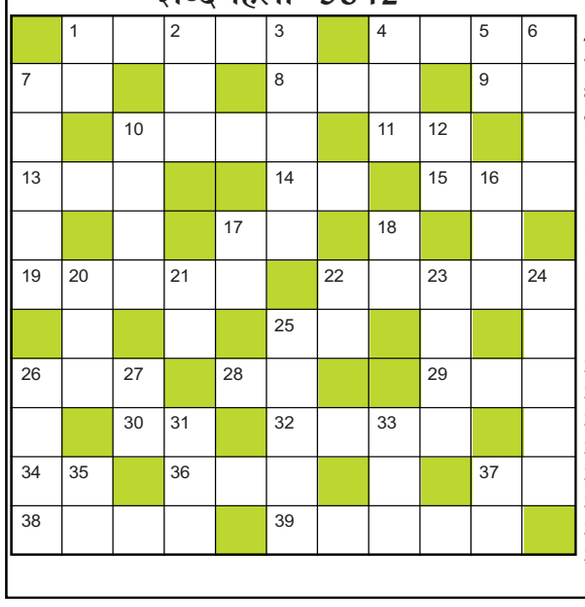

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 3842

बाएँ से दाएँ

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय,पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु,मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र,बेटा-3
14. क्षार,खारा-2
15. दर,मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा,भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी,सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन,परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त,निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2. सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा,धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय,खौफ-2
20. वेग,गति-3
21. मुंह,चेहरा-2
22. पैर,ओहदा-2
23. वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी,कंद-5
25. सभागार,सभाकक्ष-5
26. भयंकर,खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर,डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली -3841 का हल

रुपया रिकॉर्ड गिरावट पर, विदेशी भंडार का पहरा आरबीआई संभालेगा

विदेशी दबाव और निवेशक आउटफ्लो के चलते आरबीआई का आर्थिक संतुलन चुनौतीपूर्ण

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस समय ऐतिहासिक चुनौती का सामना कर रहा है। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध, वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों के अचानक अरबों डॉलर की निकासी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। रुपये की गिरावट रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी है, वहीं विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखना भी अनिवार्य हो गया है। आम आदमी की जेब, उद्योग और सरकार–सब इस अस्थिरता से सीधे प्रभावित हैं। आरबीआई के सामने दो विकल्प हैं- या तो रुपये को स्थिर रखें, जिससे घरेलू नकदी और ब्याज दरों पर असर पड़ेगा, या विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा करें, जिससे रुपये में गिरावट आ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में आरबीआई शायद रुपये की कुछ कमजोरी सहन करके विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा, ताकि लंबी अवधि में देश की आर्थिक स्थिरता सुरक्षित रह सके। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध और वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर अप्रत्याशित दबाव डाला है। विदेशी निवेशकों ने मार्च में 12.1 अरब डॉलर निकाल लिए, जो एक महीने में अब तक का सबसे बड़ा आउटफ्लो है। इस वजह से रुपये की गिरावट 74 के स्तर तक पहुंच गई, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो गया है। भारत के कुल विदेशी मुद्रा भंडार 13 मार्च तक 710 अरब डॉलर था, जिसमें मुख्य रूप से विदेशी मुद्राएं, सोना, विशेष निकासी सुविधा (एसडीआर) और आईएमएफ में विशेष ट्रेंच पोजिशन शामिल हैं। सोना लगभग कभी बेचा नहीं गया और एसडीआर या ट्रेंच पोजिशन की सीमा सीमित है। इसका मतलब यह है कि वास्तविक तौर पर आरबीआई के पास विदेशी मुद्राओं का मुख्य भंडार ही इस्तेमाल करने योग्य है। आरबीआई के पास रुपये की गिरावट को रोकने के दो विकल्प हैं। पहला, हाजिर बाजार में विदेशी मुद्रा बेचकर रुपये को खरीदना, जिससे रुपये की कीमत स्थिर हो सकती है लेकिन घरेलू नकदी कम हो जाएगी और ब्याज दरों में वृद्धि का खतरा बढ़ेगा। दूसरा, फॉरवर्ड या फ्यूचर मार्केट में मुद्रा बेचना, जिससे रुपये की गिरावट रोकी जा सकती है और ब्याज दरों पर असर नहीं पड़ेगा। जनवरी से अब तक आरबीआई ने लगभग 68 अरब डॉलर फॉरवर्ड मार्केट में बेचे, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 500 अरब डॉलर तक घट गया। हालांकि रुपये की गिरावट आम आदमी और उद्योग दोनों पर असर डालती है, लेकिन वर्तमान वैश्विक अस्थिरता और उच्च आयात बिल के दबाव में आरबीआई के लिए विदेशी मुद्रा भंडार को बचाए रखना अहम हो गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि रुपये की गिरावट अभी 97 तक जा सकती है। इसलिए, आरबीआई संभवतः रुपये की कुछ गिरावट सहन कर विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा। इस स्थिति में रुपये में गिरावट का सीधा असर आम आदमी की जेब पर दिखाई देगा। ईंधन, आयातित वस्तुएं और महंगाई बढ़ सकती है। वहीं यदि आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा में सफल रहता है, तो देश लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय भुगतान और आयात बिल की जरूरतों को पूरा कर सकेगा।

लंबी ट्रिप के लिए सुरक्षित और आरामदायक हैं ये 5 दमदार एसयूवी

नई दिल्ली ।

लंबी दूरी और अनजान रास्तों पर भरोसेमंद गाड़ी होना सबसे जरूरी होता है। होंडा एलीवेट अपनी मजबूत इंजीनियरिंग और भरोसेमंद 1.5-लीटर आई-वीटेक पेट्रोल इंजन के लिए जानी जाती है। इसकी केबिन आरामदायक और ड्राइव स्मूथ है, जिससे लंबी दूरी का सफर आसान हो जाता है। टोयोटा फॉर्च्यूनर फुल-साइज एसयूवी में 2.8-लीटर डीजल इंजन और 4×4 विकल्प है, जो दुर्गम रास्तों और कीचड़ वाले इलाके में भी बेहतरीन प्रदर्शन देती है। इसुजु एमयू-एक्स में 1.9-लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन है। इसकी मजबूती इसे कठिन रास्तों के लिए आदर्श बनाती है। 4गुणा 2 और 4गुणा4 विकल्प लंबी ट्रिप में सुरक्षा और नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं।

ईंधन बचाने वाली 5 पेट्रोल-हाइब्रिड कारें बाजार में उपलब्ध

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब बाजार में पेट्रोल-हाइब्रिड कारें आ चुकी हैं, जो माइलेज के मामले में डीजल को भी टक्कर देती हैं। इनमें पेट्रोल इंजन के साथ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मोटर होती है, जो ईंधन की बचत करती है। मारुति सुजुकी विक्टोरिस इस लिस्ट में सबसे आगे है। यह कार एक लीटर पेट्रोल में 28.6 किमी तक चलती है। 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का कॉम्बिनेशन लंबी ट्रिप के लिए इको, नॉर्मल और पावर तीन ड्राइविंग मोड देता है। होंडा सिटी हाइब्रिड 1.5-लीटर इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटरों से 125बीएचपी पावर देती है और 26.5 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें लेन वॉच असिस्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स सुरक्षा में मदद करते हैं। बड़ी फैमिली के लिए टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस हाइब्रिड 23.24 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका 2.0-लीटर इंजन फैमिली और सामान के साथ भी हाईवे पर दमदार प्रदर्शन करता है। इसमें जेबीएल साउंड सिस्टम और बड़ी सनरूफ जैसी लग्जरी सुविधाएं दी गई हैं। टोयोटा कैमरी 2.5-लीटर इंजन के बावजूद 25.49 किमी प्रति लीटर

का माइलेज देती है। इसका इंटीरियर लग्जरी और आरामदायक है, जिसमें सीटें रीक्लाइन करने योग्य हैं। वोल्वो एक्ससी90 अपनी सेफ्टी और रुतबे के लिए लोकप्रिय है। 2.0-लीटर इंजन और 48वी सिस्टम ईंधन बचाने में मदद करता है। इसमें लग्जरी लेदर सीट्स और बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स लंबे सफर को सुरक्षित बनाते हैं।

ये पांच पेट्रोल-हाइब्रिड कारें अब हाईवे ट्रिप के लिए बेहतरीन विकल्प बन गई हैं।

ईंधन बचाने वाली 5 पेट्रोल-हाइब्रिड कारें बाजार में उपलब्ध

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब बाजार में पेट्रोल-हाइब्रिड कारें आ चुकी हैं, जो माइलेज के मामले में डीजल को भी टक्कर देती हैं। इनमें पेट्रोल इंजन के साथ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मोटर होती है, जो ईंधन की बचत करती है। मारुति सुजुकी विक्टोरिस इस लिस्ट में सबसे आगे है। यह कार एक लीटर पेट्रोल में 28.6 किमी तक चलती है। 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का कॉम्बिनेशन लंबी ट्रिप के लिए इको, नॉर्मल और पावर तीन ड्राइविंग मोड देता है। होंडा सिटी हाइब्रिड 1.5-लीटर इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटरों से 125बीएचपी पावर देती है और 26.5 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें लेन वॉच असिस्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स सुरक्षा में मदद करते हैं। बड़ी फैमिली के लिए टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस हाइब्रिड 23.24 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका 2.0-लीटर इंजन फैमिली और सामान के साथ भी हाईवे पर दमदार प्रदर्शन करता है। इसमें जेबीएल साउंड सिस्टम और बड़ी सनरूफ जैसी लग्जरी सुविधाएं दी गई हैं। टोयोटा कैमरी 2.5-लीटर इंजन के बावजूद 25.49 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका इंटीरियर लग्जरी और आरामदायक है, जिसमें सीटें रीक्लाइन करने योग्य हैं। वोल्वो एक्ससी90 अपनी सेफ्टी और रुतबे के लिए लोकप्रिय है। 2.0-लीटर इंजन और 48वी सिस्टम ईंधन बचाने में मदद करता है।

जेवर एयरपोर्ट से यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन के दाम बढ़ने की उम्मीद

एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपए प्रति वर्ग फुट पहुंची

नोएडा, ।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन से यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन के दाम बढ़ने के आसार हैं। बाजार विश्लेषकों और डेवलपरों का कहना है कि रिहायशी और औद्योगिक दोनों इकाइयों की कीमतों में इजाफा होगा जिसका असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बाजारों पर भी पड़ेगा। रियल एस्टेट सलाहकार फर्म कॉलियर्स के आंकड़ों के मुताबिक यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में अगले दो सालों में भूखंड के दाम करीब 28 फीसदी और अपार्टमेंट की कीमतें करीब 22 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। जेवर भी इसी इलाके में स्थित है जहां नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन आज यानी शनिवार को होना है।रिपोर्ट के मुताबिक जेवर हवाई अड्डे की घोषणा 2021 में की गई थी। उसके बाद से ही इस क्षेत्र के रियल एस्टेट में काफी हलचल रही है। पिछले पांच सालों में यीडा इलाके के अपार्टमेंट की कीमतें करीब तीन गुना बढ़ चुकी हैं। कीमतें 2020 में 3200 रुपए प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 में 9,600 रुपए प्रति वर्ग फुट दर्ज की गईं। नैशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट कार्उंसिल (नरेडको) के अध्यक्ष ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस-वे एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपए प्रति वर्ग फुट तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह काफी अहम है। खास तौर पर यह देखते हुए कि जेवर के प्रभाव वाले इलाकों जमीन के दाम पिछले पांच सालों में करीब 40 फीसदी बढ़ चुके हैं।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने सरकार ने घटाई एक्साइज ड्यूटी

अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व 1.3 लाख करोड़ रुपए हो सकता है कम

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपए प्रति लीटर की भारी कटौती की है। पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है ताकि उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं पड़े लेकिन इससे अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व करीब 1.3 लाख करोड़ रुपए कम हो सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है और डीजल पर यह 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया है। कटौती तुरंत लागू हो गई है। सरकार ने पिछले साल अप्रैल पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ाया था। सरकार ने देसी बाजार में दोनों की पर्याप्त उपलब्धता तय करने के लिए डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एक बार फिर शुल्क लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजल निर्यात पर 21.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ निर्यात पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लगाया है। पहले इनके निर्यात पर शुल्क नहीं था। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच भारत से 1.4 करोड़ टन पेट्रोल और 2.36 करोड़ टन डीजल का निर्यात किया, जिसमें बड़ा हिस्सा रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में प्रति लीटर 10 रुपए की कमी की गई है। इससे उपभोक्ता कीमत में इजाफे से बच जाएंगे।सरकार के अधिकारियों का अनुमान है कि शुल्क में कटौती से अगले पंद्रह दिनों में करीब 7,000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होगा, जिसके बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इससे संकेत मिलता है शुल्क में यह कटौती कुछ समय के लिए ही है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन ने कहा कि सरकार हर पंद्रह दिनों में डीजल और एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की समीक्षा करेगी। पेट्रोल की कीमतें रोजाना बदलने वाली मूल्य व्यवस्था से तय की जाती हैं, जो कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत, विनिमय दर और करों के पिछले 15 दिन के औसत पर काम करती है। अंतिम उपभोक्ता मूल्य में आधार मूल्य, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, डीलर कमीशन और राज्य-स्तरीय वैट शामिल होता है।उन्होंने कहा कि शुल्क कटौती से अगले 15 दिन में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन जैसी तेल कंपनियों को करीब 1,500 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि कटौती पूरे वित्त वर्ष 2027 में लागू रही तो सरकारी खजाने को 1.3 लाख करोड़ से 1.7 लाख करोड़ रुपए तक की चपत लग सकती है। एक अन्य अर्थशास्त्री ने कहा कि शुल्क में कटौती से तेल कंपनियों को राहत मिलेगी। यदि ऐसा नहीं होता तो कीमतों में वृद्धि का भार उपभोक्ताओं पर डाला जा सकता था।

भारत के लिए ईरानी कच्चे तेल की आपूर्ति सीमित, चीन बन रहा प्राथमिक खरीदार

अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिति- ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए अतिरिक्त तेल उपलब्ध नहीं

नई दिल्ली।

भारतीय रिफाइनरियों के लिए ईरानी कच्चा तेल अब उपलब्ध तो है, लेकिन मात्रा बेहद सीमित और समय-सीमा बहुत संकीर्ण है। वॉशिंगटन द्वारा फ्लोटिंग स्टोरेज और ट्रांजिट में मौजूद ईरानी तेल की बिक्री के लिए हालिया छूट देने के बाद इसका रुख बदल गया है, और अधिकांश तेल चीन की ओर जा रहा है। भारत मार्च और अप्रैल में डिलीवरी के लिए रूस से स्टोरेज में मौजूद 100 मिलियन बैरल तेल का 60 फीसदी पहले ही खरीद चुका है, जबकि ईरानी तेल के लिए भारत के हिस्से में 10 मिलियन बैरल से कम मिल सकते हैं। एक वरिष्ठ ट्रेडर ने बताया कि डिलीवरी के लिए केवलएक महीने की सीमित समय-सीमा (19 अप्रैल तक) ने भारतीय सरकारी रिफाइनरियों के लिए सप्लाई चेन प्रबंधन को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इस समय में विक्रेताओं की पहचान, उनकी विश्वसनीयता की जांच और शिपिंग व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा है। पहले ईरानी कच्चे तेल की बिक्री पूरी तरह नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी (एनआईओसी) के नियंत्रण में थी। लेकिन अब यह बिक्री मुख्य रूप से उन ट्रेडर्स के नियंत्रण में है, जो इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े हैं। ब्रिटेन स्थित एनर्जी इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार प्रतिबंधित तेल की आपूर्ति अब संदिग्ध हितों द्वारा की जा रही है, जिनके पास फ्रंट कंपनियों और किराये पर लिए गए जहाजों का नेटवर्क है। एक सीनियर रिफाइनिंग अधिकारी ने कहा कि इस नई व्यवस्था में तेल खरीदना और डिलीवरी सुनिश्चित करना भारतीय रिफाइनरियों के लिए और कठिन हो गया है। मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए अतिरिक्त तेल उपलब्ध नहीं है। अमेरिकी वित्त मंत्री की हालिया टिप्पणियां मुख्य रूप से खरीदारों को आश्वस्त करने और बाजार को स्थिर करने के उद्देश्य से प्रतीत होती हैं। कई वर्षों से ईरानी तेल का खुले तौर पर व्यापार नहीं हुआ है, जिससे इसकी गुणवत्ता और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय रिफाइनर-सरकारी

या निजी ईरानी तेल खरीदने के इच्छुक थे, खासकर तब जब अमेरिका ने 20 मार्च को स्टोरेज और ट्रांजिट में मौजूद तेल पर 30 दिन की छूट दी। लेकिन सीमित समय-सीमा, सप्लाई की कमी और आईआरजीसी से जुड़े नेटवर्क के कारण इस दिशा में आगे बढ़ना मुश्किल हो गया। इस स्थिति में भारत के लिए मुख्य तेल स्रोत अभी भी रूस और अन्य पारंपरिक आपूर्तिकर्ता हैं। ईरानी तेल संभावित स्रोत के रूप में मौजूद है, लेकिन मात्रा कम और जोखिम अधिक है।

नए फोन रियलमी 16 5जी जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली । चायनीज कंपनी रियलमली जल्द ही अपने नए फोन रियलमी 16 5जी को लॉन्च करने जा रही है, जिसमें भारत का पहला सेल्फी मिरर फीचर दिया गया है। इसे ÷सेल्फी मिरर फोन÷ के नाम से टीज किया गया है। अब यूजर पीछे वाले कैमरे से भी आसानी से शानदार सेल्फी ले सकेंगे। फोन के रियर कैमरा मॉड्यूल के साथ एक छोटा मिरर जुड़ा होगा, जिससे खुद को देखकर हाई क्वालिटी फोटो क्लिक की जा सकेगी। रियलमी 16 5जी का डिजाइन भी यूनिक और प्रीमियम बताया जा रहा है। पीछे की तरफ लंबा कैमरा बार दिया गया है, जो पिक्सल और आईफोन जैसी याद दिलाता है। कंपनी इसे ÷एयर डिजाइन÷ कह रही है, यानी फोन हल्का और पकड़ने में आरामदायक रहेगा। कलर चेंजिंग फिनिश इसे और स्टाइलिश बनाती है। फोन के कैमरा सेटअप पर खास फोकस है। इसमें 50एमपी का सोनी आईएमएक्स 852 मेन कैमरा और 2एमपी सेकेंडरी सेंसर दिए जाने की संभावना है। साथ ही 50एमपी का फ्रंट कैमरा भी मिलेगा। सेल्फी मिरर फीचर के साथ यह सेटअप यूजर्स को नया डिजिटल अनुभव देगा। परफॉर्मेंस के लिए फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 6400 टर्बो प्रोसेसर का इस्तेमाल हो सकता है।

औद्योगिक सेक्टर के लिए राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन का कोटा बढ़ा

सरकार ने 20 फीसदी की वृद्धि कीश् अब यह कोटा 70 फीसदी हो गया

नई दिल्ली,।

केंद्र सरकार ने इस्पात और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों समेत तमाम औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन में 20 फीसदी की और वृद्धि की है। इससे अब यह कोटा युद्ध से पहले की मांग का 70 फीसदी हो गया है।पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने राज्य के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा कि अतिरिक्त आपूर्ति इस्पात, ऑटोमोबाइल, कपड़ा, डाई, रसायन और प्लास्टिक जैसे श्रम वाले उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि इनसे ही अन्य कई जरुरत क्षेत्र जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा 50 फीसदी आवंटन के अतिरिक्त अब 20 फीसदी और गैस दी जाएगी, जिससे कुल वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन गैर-घरेलू एलपीजी के युद्ध से पहले की मांग का 70 फीसदी हो जाएगा। तेल मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में तीन अलग-अलग निर्देशों के जरिए राज्यों को युद्ध-पूर्व वाणिज्यिक एलपीजी कोटे का 40 फीसदी आवंटित किया था।

मंत्रालय ने पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए कुछ सुधारों के आधार पर राज्यों को 10 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी आवंटित की थी।

अब ताजा फैसले के तहत दी जाने वाली अतिरिक्त 20 फीसदी एलपीजी प्राथमिकता वाले उद्योगों को दी जाएगी। इनमें, प्रक्रिया उद्योगों या उन उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्हें विशेष ताप उद्देश्यों के लिए एलपीजी की जरुरत होती है, क्योंकि इसके विकल्प के तौर पर कोई और गैस इस्तेमाल नहीं की जा सकती।

बाजार में जल्द एंट्री करेंगे आईईआईटी फोक्स्ड म्युचुअल फंड

एनएसई के डेडिकेटेड इंडेक्स लॉन्च से बढ़ी उम्मीद

नई दिल्ली,। इस महीने की शुरुआत में एनएसई के निफ्टी आईईआईटी और रियल्टी इंडेक्स के लॉन्च के साथ ही भारत में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आईईआईटी) पर फोक्स्ड पहले म्युचुअल फंड स्कीम्स का रास्ता साफ हो गया है। कई फंड हाउस इस बेंचमार्क से जुड़े पैसिव प्रोडक्ट्स लाने पर विचार कर रहे हैं। उम्मीद है कि ऐसी पहली योजनाएं 2026 की दूसरी छमाही में लॉन्च होंगी, जब नियम फंड हाउस को आईईआईटी-आधारित प्रोडक्ट पेश करने की अनुमति देंगे।एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के सीनियर अधिकारियों ने कहा कि वे नए लॉन्च किए गए इस इंडेक्स को ट्रैक करने वाले पैसिव फंड्स पर विचार कर रहे हैं। नवी एएमसी के सीईओ आदित्य मुल्की ने कहा कि हम अभी किसी तत्काल फाइलिंग पर टिप्पणी नहीं कर सकते, लेकिन इस इंडेक्स का गहराई से मूल्यांकन कर रहे हैं, क्योंकि यह रिटेल निवेशकों के लिए एसेट एलोकेशन के विकल्प बढ़ाने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप है। डीएसपी इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स में पैसिव इन्वेस्टमेंट्स और प्रोडक्ट्स के हेड अनिल घेलानी ने कहा कि उनका फंड हाउस भी इस इंडेक्स का अध्ययन कर रहा है।यह कदम सेबी के उस फैसले के बाद उठाया गया है, जिसमें जनवरी 2026 में आईईआईटी को इक्विटी के रूप में वर्गीकृत किया गया। इससे 1 जुलाई से इन्हें इक्विटी इंडेक्स में शामिल करने की अनुमति मिल गई। पहले आईईआईटी को हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट माना जाता था, जिसके कारण इक्विटी स्कीम्स में उनकी हिस्सेदारी सीमित थी और एक्टिव फंड्स में इनका एक्सपोजर 10 फीसदी तक ही सीमित रखा जाता था। इस पुनर्वर्गीकरण और इंडेक्स में शामिल किए जाने से आईईआईटी में लिक्विडिटी बढ़ने, उनकी विजिबिलिटी मजबूत होने और म्युचुअल फंड्स की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है। निफ्टी आईईआईटी और रियल्टी इंडेक्स में आईईआईटी और रियल एस्टेट कंपनियों का मिक्स शामिल है। इसमें लिस्टेड पांच आईईआईटी का करीब 64 फीसदी हिस्सा है, जबकि बाकी हिस्सा रियल्टी स्टॉक्स का है, जिनमें डीएलएफ और फोनिक्स मिल्स जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। यह 15 शेयरों वाला इंडेक्स फ्री-फ्लोट मार्केट कैपिटलाइजेशन के आधार पर वेटेड है और किसी भी एक कंपनी का वेट 15 फीसदी से ज्यादा नहीं रखा गया है। पिछले एक साल में इसने 12.4 फीसदी का रिटर्न दिया है और करीब 3.3 फीसदी का डिविडेंड यील्ड भी प्रदान करता है।

ओएमओ से 3.5 लाख करोड़ रुपए के बॉन्ड की खरीद से घटेगा ट्रेजरी घाटा

स्विच ऑक्शन से भी बैंकों को मदद मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली,। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा इस तिमाही में अब तक खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के जरिये 3.5 लाख करोड़ रुपए मूल्य के बॉन्ड की भारी भरकम खरीदारी से बैंकों के ट्रेजरी कारोबार से जुड़ा घाटा कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा स्विच ऑक्शन से भी बैंकों को मदद मिलने की उम्मीद है। बॉन्ड यील्ड में उछाल बैंकों के ट्रेजरी कारोबार पर असर हुआ है। 10 साल की अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों पर यील्ड जनवरी से अब तक 35 आधार बढ़ चुकी है। अकेले मार्च में इसमें 28 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई। चालू तिमाही में 5 साल की अवधि के सरकारी बॉन्ड और 15 साल की अवधि के बॉन्ड पर यील्ड क्रमशः 34 आधार अंक और 32 आधार अंक तक बढ़ गई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी बैंकों और कुछ बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों को अभी भी कुछ मार्क-टू-मार्केट नुकसान का सामना करना पड़ सकता है लेकिन जिन बैंकों ने ओएमओ खरीद या स्विच ऑपरेशन में भाग लिया है वे इसे कम करने की बेहतर स्थिति में होंगे। एक बॉन्ड कारोबारी ने कहा कि नुकसान तो होगा ही क्योंकि मौजूदा यील्ड 2022 में देखे गए उच्चतम स्तर के करीब हैं जब आरबीआई ब्याज दरें बढ़ा रहा था, उनमें अधिकांश अब घाटे में होंगे। अधिकारी ने कहा कि अगर बैंकों ने आरबीआई द्वारा बॉन्ड खरीदने के दौरान मुनाफा कमाया होता तो शुद्ध आधार पर वे अभी भी घाटे में हो सकते थे लेकिन नुकसान कम किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि प्रभावी रूप से मार्क-टू-मार्केट नुकसान का एक बड़ा हिस्सा आरबीआई द्वारा वहन किया गया है। अगर ये ओएमओ नहीं हुए होते तो आज बाजार में भारी नुकसान होता। शुक्रवार को 10 साल की सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.94 फीसदी पर पहुंच गई। पिछले साल मार्च के अंत में 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड 6.58 फीसदी थी। जानकारों का कहना है कि आरबीआई की तरफ से बॉन्ड खरीदारी ने नुकसान कम करने में अहम भूमिका निभाई है। अनुमान है कि केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष में करीब 9 लाख करोड़ रुपए मूल्य के बॉन्ड खरीदे हैं जिन पर यील्ड मौजूदा स्तरों से करीब 25 आधार अंक कम है। एक बॉन्ड कारोबारी ने कहा कि हाल में यील्ड में आई उछाल को देखते हुए कुछ बैंक खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और कुछ बड़े निजी बैंक इस तिमाही में बॉन्ड कारोबार में नुकसान उठा सकते हैं।

बाजार में पावरफुल और मजेदार टर्बो पेट्रोल एसयूवी के विकल्प मौजूद

नई दिल्ली।

यदि आप कम बजट में दमदार एसयूवी खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो बाजार में आपके पास कई विकल्प मौजूद हैं। इन गाड़ियों में टर्बो पेट्रोल इंजन मिलता है, जो कम इंजन क्षमता के बावजूद बेहतर पावर और स्मूद ड्राइविंग एक्सपीरियंस देता है। इस लिस्ट में टाटा मोटर्स, किआ, महिंद्रा एंड महिंद्रा के मॉडल के साथ-साथ नई रिनॉल्ट डस्टर भी शामिल है, जो एक बार फिर चर्चा में है। आज के ग्राहक सिर्फ माइलेज पर नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और ड्राइविंग अनुभव पर भी ध्यान देते हैं। टर्बो पेट्रोल इंजन वाली एसयूवी शहर और हाईवे दोनों पर मजेदार और रेस्पॉन्सिव ड्राइव देती हैं। स्कोडा कियाक कम बजट में एक शानदार विकल्प है। यह एमक्यूबी एओ इन प्लेटफॉर्म पर तैयार की गई है और इसमें 1.0 लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन है, जो 118एचपी पावर और 178एनएम टॉर्क देता है। ट्रांसमिशन के लिए 6-स्पीड मैन्युअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक ऑप्शन उपलब्ध हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी यह मजबूत है और इसे भारत एनकैप में 5-स्टार रेटिंग मिली है। कीमत लगभग 7.59 लाख से 12.99 लाख रुपये के बीच है। किआ सोनेट फीचर्स और परफॉर्मेंस का बेहतरीन बैलेंस देती है। इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन है, जो 118एचपी और 172एनएम टॉर्क जनरेट करता है। आईएमटी और डीसीटी ऑटोमैटिक जैसे एडवांस ट्रांसमिशन विकल्प इसमें उपलब्ध हैं। आरामदायक सस्पेंशन और अलग-अलग वेरिएंट्स इसे 15 लाख रुपये से कम बजट में आकर्षक बनाते हैं। नई रिनॉल्ट

डस्टर भारतीय बाजार में एक बार फिर वापसी कर रही है। इसमें टर्बो पेट्रोल इंजन का विकल्प और नया डिजाइन मिलेगा, जो इसे मौजूदा सेगमेंट में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

एमआई विरुद्ध केकेआर : वानखेड़े में हाईवोल्टेज टक्कर

– आंकड़ों में मुंबई भारी लेकिन हालिया फॉर्म में कोलकाता आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत के साथ ही रोमांच अपने चरम पर पहुंचने वाला है। टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला बेहद दिलचस्प रहने की उम्मीद है, जहां मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट रायडर आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला 29 मार्च को मुंबई कें वानखेडे स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पाण्डया के हाथों में है, जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स की कमान अजिक्य रहाणे संभाल रहे हैं। दोनों कप्तानों के लिए यह मुकाबला खास होगा, क्योंकि शुरुआती जीत टीम के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दे सकती है। अगर दोनों टीमों के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो यहां मुंबई इंडियंस का पलड़ा साफ तौर पर भारी नजर आता है। अब तक दोनों के बीच कुल 35 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें मुंबई ने 24 मैच जीते हैं, जबकि कोलकाता को सिर्फ 11 मैचों में जीत मिली है। शुरुआती सीजन में मुंबई ने लगातार दबदबा बनाए रखा और 2008-09 में सभी मुकाबले अपने नाम किए।

हालांकि, 2012 के बाद तस्वीर थोड़ी बदली। 2014 और 2015 में केकेआर ने मुंबई पर बढ़त बनाई और चार में से तीन मैच जीते। इसके बाद 2016 से 2018 तक मुंबई ने फिर से पूरी तरह वापसी करते हुए लगातार सात मुकाबले जीत लिए। लेकिन हालिया सीजनों पर नजर डालें तो कोलकाता ने बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछले चार सीजन में दोनों टीमों के बीच खेले गए छह मुकाबलों में से चार में केकेआर ने जीत दर्ज की है, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। खिताब की बात करें तो मुंबई इंडियंस अब तक पांच बार आईपीएल ट्रॉफी जीत चुकी है और छठे खिताब की तलाश में है। टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में खिताब अपने नाम किए थे। वहीं, कोलकाता नाइटराइडर्स तीन बार (2012, 2014 और 2024) चैंपियन बन चुकी है और इस सीजन में अपने प्रदर्शन को और मजबूत करना चाहेगी।

कुल मिलाकर यह मुकाबला आंकड़ों और मौजूदा फॉर्म के बीच दिलचस्प जंग होने वाला है। जहां एक ओर इतिहास मुंबई के पक्ष में है, वहीं हालिया प्रदर्शन के आधार पर कोलकाता को हल्के में नहीं आंका जा सकता। क्रिकेट फैंस के लिए यह मैच एक रोमांचक शुरुआत का वादा करता है।

मुंबई इंडियंस की टीम

रॉबिन मिंज, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रयान रिकेलटन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या (कप्तान), राज बावा, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, मिशेल सैंटनर, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्वनी कुमार, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डी कॉक, एएम गजनफर, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, मोहम्मद सलाउद्दीन इजहार.

कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम

अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरून ग्रीन, फिन एलन, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, सार्थक रंजन, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, प्रशांत सोलंकी, दक्ष कामरा.

मियामी ओपन 2026: यानिक सिनर ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह, लेहेका से होगी भिड़ंत

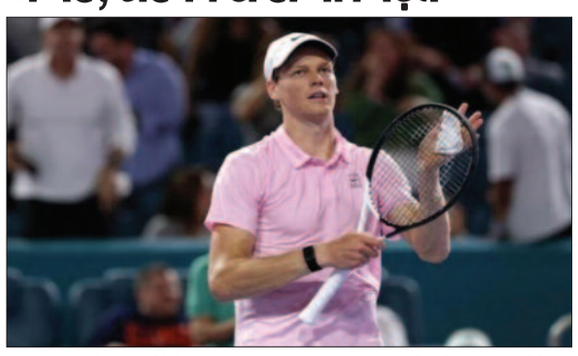

मियामी (एजेंसी)। मियामी ओपन 2026 में दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा।

24 वर्षीय सिनर ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। यह ज्वेरेव के खिलाफ उनकी लगातार सातवीं जीत रही। इसके साथ ही सिनर ने मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार जीते गए सेट्स की संख्या 32 तक पहुंचा दी।

विंबलडन चैंपियन सिनर इससे पहले इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को हरा चुके हैं और अब वह तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने के करीब हैं। वह 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी दोनों खिताब) हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

दूसरी ओर, 21वीं वरीयता प्राप्त लेहेका ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेहेका ने पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और यह उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल होगा।

हालांकि, लेहेका का रिकॉर्ड सिनर के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दोनों के बीच अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में सिनर ने जीत दर्ज की है और लेहेका एक भी सेट नहीं जीत सके हैं।

Also Read - देवरिया पुलिस ने 119 वाहनों का किया ई-चालान

महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका भी 'सनशाइन डबल' पूरा करने की कोशिश में हैं। वह फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करेंगी।

लेहेका ने मैच के बाद कहा कि वह इस प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और पूरे सीजन की मेहनत का नतीजा अब देखने को मिल रहा है। वह अपने करियर के तीसरे एटीपी खिताब की तलाश में हैं।

यह फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है, जहां अनुभवी और शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर का सामना युवा और आत्मविश्वास से भरे लेहेका से होगा।

आईपीएल में अब कमेंटर की भूमिका निभा रहे अश्विन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अब कमेंट्री कर रहे हैं। अश्विन इस नई भूमिका में अपनी रणनीतिक समझ और विश्लेषण से दर्शकों पर कितना प्रभाव बनाते हैं ये देखना होगा। अश्विन का कमेंट्री के आने को एक अहम बदलाव माना जा रहा है। इससे साफ है कि अब कमेंट्री में मनोरंजन के साथ ही डेटा, मैच की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा होगी। गौरतलब है कि अश्विन ने अब तक आईपीएल में 221 मैच खेलकर 187 विकेट लिए हैं, ऐसे में उनका अनुभव कमेंट्री में भी नजर आयेगा। इस बार कमेंट्री पैनल काफी बड़ा रहेगा। वीरेंद्र सहवाग, एबी डिविलियर्स, इरफान पठान, सुरेश रैना, हरभजन सिंह, फाफ डु प्लेसिस और अनिल कुंबले जैसे दिग्गज भी इस पैनल में शामिल हैं। इसके अलावा रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर, केविन पीटरसन और इयोन मोर्गन भी अपने अलग अंदाज में रहेंगे। इस बार 12 भाषाओं में 160 से ज्यादा कमेंटेर दर्शकों पतक मैच का विवरण पहुंचाएंगे। अश्विन आईपीएल के सबसे सफल गेंदबाजों में रहे हैं। उन्होंने 221 मैचों में 187 विकेट लिए और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 2010 और 2011 में ट्रॉफी जीती थी।

धोनी आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर हुए

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों से बाहर हो गये हैं। धोनी के बाहर होने से टूर्नामेंट शुरु होने से पहले ही सीएसके की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि धोनी टीम का हौंसला बढ़ाने के साथ ही उसे मार्गदर्शन भी देते रहे हैं। वह पिंडली में आये खिंचाव के कारण अभी रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनका शुरुआत से खेलना संभव नहीं है। सीएसके का मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स से होगा। इसमें टीम को उनकी कमी खलेगी।

धोनी के बाहर होने से साफ है कि अब सैमसन उनकी जगह पर विकेटकीपर रहेंगे। सीएसके अपना पहला मुकाबला सोमवार को राजस्थान रॉयल्स ये खेलेगी। उसे पहले दो सप्ताह में पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स से भी खेलना है। धोनी के नहीं होने से विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

इस सत्र से पहले सैमसन को सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था। अब वह कप्तान रितुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत भी करेंगे। धोनी ने पिछले साल सभी मैच खेले थे हालांकि वह घुटने की परेशानी क कारण निचले क्रम पर उतरे थे। ऐसे मे उन्हें काफी कम गेंदें खेलने को मिलती है।

धोनी के अलावा सीएसके को तेज गेंदबाज नाथन एलिस की कमी भी खलेगी। उनकी जगह स्पेंसर जॉनसन को शामिल किया है। पिछले साल सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह सबसे निचले स्तर पर रही थी। अब देखना है कि इस बार सीएसके क्या करती है।

अपनी पत्नियों के कारण खिलाड़ी लेते हैं संन्यास.., योगराज सिंह का विवादित बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह अक्सर अपने अजीबो-गरीब बयानों के कारण सुर्खियों में रहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने ये बयान खिलाड़ियों की पत्नियों को लेकर दिया है जिससे वो आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं। योगराज ने साफ कहा कि उम्र को खिलाड़ी के प्रदर्शन से जोड़ना गलत है। उनके मुताबिक फिटनेस और प्रदर्शन ही किसी खिलाड़ी के करियर का असली पैमाना होना चाहिए, ना कि उम्र।

इनसाइड स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा कि, भारत में लोग 40 की उम्र के बाद खुद को बूढ़ा मानने लगते हैं, महिलाएं 30 के बाद कहती हैं कि अब हम फिट नहीं रह सकते, बच्चे बड़े हो गए हैं। लेकिन खेल को उम्र से जोड़ना बिल्कुल गलत है।

योगराज सिंह ने कहा कि, अक्सर घर की महिलाएं, पत्नियां आपको समझाने लगती हैं कि अब रिटायर हो जाओ, परिवार और बच्चों पर ध्यान दो। मेरा मानना है कि महिलाओं को खिलाड़ी और उसके करियर के बीच नहीं आना चाहिए। एक खिलाड़ी और एक फकीर का कोई धर्म या वर्ग नहीं होता, वे भगवान के होते हैं। जब तक वे जिंदा हैं बहुत कुछ कर सकते हैं।

वहीं योगराज सिंह ने विराट कोहली और रोहित शर्मा पर निशाना साधते हुए साफ कहा है कि खिलाड़ियों को उम्र नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन से जवाब देना चाहिए। योगराज ने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि, रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी युवा खिलाड़ी हैं और रिटायर होने की सोच रहे हैं। लानत है ऐसी जिंदगी पर दुनिया को दिखाओ की तुम सबसे बेहतरीन हो, तुम अपरिहार्य हो।

बांग्लादेश की नई सरकार ने आईपीएल प्रसारण पर रोक हटाई

ढ़ाका। बांग्लादेश की नई सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के प्रसारण पर लगी रोक हटा दी है। इससे पहले की यूनुस सरकार ने ये रोक लगायी थी। एक रिपोर्ट के अनुसार नये सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा है कि बांग्लादेश में आगामी आईपीएल सत्र के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, आईपीएल प्रसारण के लिए हालांकि अभी तक किसी ने भी हमसे आवेदन नहीं किया है। हम खेल में राजनीति को नहीं मिलाना चाहते। ऐसे में अगर कोई चैनल आईपीएल के प्रसारण के लिए हमसे आवेदन करता है, तो हम उस पर विचार करेंगे। वहीं इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने कहा था कि वह पिछली अंतरिम सरकार की ओर से आईपीएल प्रसारण पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अधिकारियों से बात करेंगे।प्रसारण मंत्री ने कहा कि हम किसी को भी इसके प्रसारण से नहीं रोकेंगे। अगर स्टार स्पोर्ट्स इसका प्रसारण करना चाहता है, तो वह कर सकता है। अगर हमारे चैनलों में से कोई इसका प्रसारण करना चाहता है, तो हम किसी को नहीं रोकेंगे। बांग्लादेश के केबल ऑपरेटर्स एसोसिएशन के कार्यालय सचिव, रेजाउल करीम लबलू का कहना है कि वे स्टार स्पोर्ट्स को आईपीएल का प्रसारण करने से नहीं रोकेंगे, हालांकि इस संबंध में सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं मिला है।

टाइगर वुड्स नशे में गाड़ी चलाने के बाद गिरफ्तार , आठ घंटे बाद हुए रिहा

न्यूयॉर्क। विश्व के शीर्ष गोल्फरों में शामिल रहे अमेरिका के टाइगर वुड्स को नशे में गाड़ी चलाने के कारण गिरफ्तार किया गया है हालांकि उन्हें आठ घंटे के बाद जमानत पर रिहा भी कर दिया गया। वुड्स पर आरोप है कि नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए उनकी कार फ्लोरिडा में अपने घर के करीब ही पलट गयी थी। उन्हें गिरफ्तार किये जाने के कुछ ही समय के बाद फ्लोरिडा की एक जेल से रिहा कर दिया गया। वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार फ्लोरिडा के कानून के अनुसार, वुड्स को कम से कम आठ घंटे जेल में बिताने पड़े। शुरुआती रिपोर्ट्स में मार्टिन काउंटी पुलिस के हवाले से कहा गया है कि जब वुड्स दोपहर करीब 2 बजे एक फ्लैटबेड ट्रक को तेजी से ओवरटेक करने की कोशिश कर रहे थे, तब उनकी लैंड रोवर कार पलट गई। उस समय नशे में थे। उन्होंने पुलिस से जांच में सहयोगी भी नहीं किया और यूरीन जांच के लिए तैयार नहीं हुए। गिरफ्तारी के बाद वुड्स नशे में दिखे। मार्टिन काउंटी पुलिस ने शाम को वुड्स की एक गिरफ्तारी के समय ली गई तस्वीर जारी की, जिसमें उनकी आंखें लाल दिखाई दे रही थीं। उन्हें फ्लोरिडा की मार्टिन काउंटी जेल ले जाया गया था। मार्टिन काउंटी के शेरिफ जॉन बुडेंसिएक ने कहा वुड्स एक लैंड रोवर चला रहे थे। घर के पास एक सड़क पर एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में उनकी गाड़ी पलट गई। गाड़ी एक ट्रेलर से टकराई, सड़क से हट गई, और सड़क पर कुछ दूर घिसटने के बाद पलट गई। वुड्स पर पहले भी सड़क पर लापरवाही से गाड़ी चलाने के मामले दर्ज हैं हैं। इससे पहले फरवरी 2021 में उनका एसयूवी लॉस एंजिलिस की एक तटीय सड़क पर तेज रफ्तार में नियंत्रण से बाहर होकर सड़क से उतर गया था, जिसमें वह घायल भी हो गये थे।

फीफा के टूर्नामेंटों में हिस्सा लेने वाली टीमों को महिला कोच रखना होगा अनिवार्य : फीफा

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में महिला कोचों की संख्या में वृद्धि को लेकर फीफा ने कुछ नए नियम घोषित किये है। इसके तहत अब फीफा के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली हर टीम को कम से कम एक महिला मुख्य या सहायक कोच रखना अनिवार्य होगा। हाल ही में हुई एक काउंसिल मीटिंग के बाद फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने कुछ नए नियम घोषित किए हैं। इन नियमों का मकसद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में महिला कोचों की संख्या को बढ़ाना है। नए नियमों के अनुसार फीफा के टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने वाली हर टीम के लिए यह जरूरी होगा कि उसके पास कम से कम एक महिला हेड कोच या असिस्टेंट कोच हो। इसके अलावा, टीम के साथ बेंच पर एक और महिला स्टाफ सदस्य का होना भी जरूरी होगा। फीफा की मुख्य फुटबॉल अधिकारी जिल एलिस ने कहा, 'आज कोचिंग के क्षेत्र में महिलाओं की संख्या काफी कम है। हमें इस बदलाव की रफ्तार तेज करने के लिए और अधिक कोशिशें करनी होंगी। हमें महिलाओं के लिए कोचिंग के साफ रास्ते बनाने होंगे, उनके लिए अधिक मौके पैदा करने होंगे, और उन्हें खेल के मैदान के किनारे (साइडलाइन) पर ज्यादा से ज्यादा पहचान दिलानी होगी। फीफा के ये नए नियम और इनके साथ चलाए जा रहे खास डेवलपमेंट प्रोग्राम, महिला कोचों की आज की और आने वाली पीढ़ियों में एक बड़ा निवेश साबित होंगे।'

विराट के अलावा आरसीबी से सबसे अधिक मैच खेलने वालों में दो विदेशी भी शामिल

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब विराट कोहली ने आरसीबी की ओर से सबसे अधिक मैच खेले हैं। कोहली ने साल 2023 तक आरसीबी की कप्तानी करन के साथ ही कुल 143 मैच खेले। विराट के अलावा जिन खिलाड़ियों ने आरसीबी की ओर से सबसे अधिक मैच खेले है उनमें दो विदेशी खिलाड़ी फाफ डु प्लेसिस और डेनियल विटोरी भी शामिल हैं।

फाफ डु प्लेसिस : साल 2022 से 2024 के बीच डु प्लेसिस ने 42 मुकाबलों में आरसीबी की कप्तानी करते हुए 21 जीते और इतने ही मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। गंवाए।

डेनियल विटोरी : न्यूजीलैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने साल 2011 से 2022 के बीच कुल 22 मुकाबलों में आरसीबी की कप्तानी की। इस दौरान 12 मैच जिताए और 10 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

अनिल कुंबले : दिग्गज स्पिनर ने साल 2009 से 2010 के बीच 26 मुकाबलों में आरसीबी की कमान संभाली। इस दौरान टीम ने 15 मैच जीते, जबकि 11 मुकाबलों को गंवा दिया।

राहुल द्रविड़ : यह खिलाड़ी आईपीएल इतिहास में आरसीबी का पहला कप्तान रहा, जिन्होंने सिर्फ साल 2008 में इस टीम की कमान संभाली। इस दौरान 14 में से सिर्फ 4 ही मैच टीम को जिता सके। 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

सेंट किट्स (एजेंसी)। सेंट किट्स के बासेटेरे में शुक्रवार रात खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। नई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स के नेतृत्व में टीम ने शानदार जीत दर्ज की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 341 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरुआत मजबूत रही और ओपनिंग जोड़ी ने 75 रन जोड़े। जॉर्जिया वोल ने 32 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 72 गेंदों पर 77 रनों की अहम पारी खेली। एलिस पेरी ने 46 गेंदों में 44 रन बनाकर टीम को मजबूती दी।

मध्यक्रम में कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने 47 रन बनाए और निकोला कैरी (49) के साथ 91 रनों की साझेदारी की। अंत में जॉर्जिया वेयरहैम ने 42 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से अफी फ्लेचर ने 3 विकेट लिए, लेकिन काफी महंगे साबित हुईं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान हेले मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर ने शानदार नाबाद 105 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, जो उनका 2021 के बाद पहला वनडे शतक था, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। चिनेल हेनरी ने 38 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गर्थ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि एश्ले गार्डनर ने भी अहम योगदान दिया। अंततः वेस्टइंडीज की टीम 238/8 तक ही पहुंच सकी और मुकाबला गंवा बैठी।

बैडमिंटन और मैं तुम्हें बहुत याद करेंगे: पीवी सिंधु

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने अपनी लंबे समय की प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना मारिन को बैडमिंटन से संन्यास लेने के बाद एक भावुक संदेश में कहा कि बैडमिंटन और मैं तुम्हे बहुत याद करेंगे।

रियो 2016 की स्वर्ण पदक विजेता और तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन कैरोलिना मारिन ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की।

पीवी सिंधु ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया मंच इंटस्ट्याम पर स्पेन की कैरोलिना मारिन के संन्यास की घोषणा को लेकर कहा, 'कुछ प्रतिद्वंद्वी हमेशा के लिए आपकी यात्रा का हिस्सा बन जाते हैं। कैरोलिना उनमें से एक थीं। हम पहली बार एक-दूसरे के खिलाफ तब खेले थे जब हम मालदीव में 15 या 16 साल की लड़कियां थीं, और तब से हमने एक साथ कई मुकाबले खेले।'

उन्होंने कहा, 'सच कहूँ तो, कोर्ट पर तुम सचमुच बहुत परेशान करने वाली थीं। लगातार चिल्लाना, तुम्हारी आक्रामकता, तुम्हारी छोटी-छोटी चालें–ये सब किसी को भी परेशान कर सकती थीं। लेकिन तुम्हारा कौशल, तुम्हारी गति और तुम्हारी लड़ने की भावना बेजोड़ थी। लोग बड़े-बड़े मुकाबलों को याद करते हैं, और उस तीसरे सेट में शटल उठाने को लेकर हमारे बीच हुई उस तीखी बहस को भी। मैं मानती हूं कि उस दिन मैं पूरी तरह से गुस्से में थी। लेकिन कुछ महीनों बाद, हम मैड्रिड में कॉफी पीते हुए एक-दूसरे के सामने बैठे थे बातें कर रहे थे, हँस रहे थे और उस पल हमारे बीच सिर्फ़ एक-दूसरे के लिए सम्मान था। यही है कैरोलिना, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी।'

सिंधु ने लिखा, 'मैं हमारी पीढ़ी के बीच बनी उस अद्भुत दोस्ती के लिए भी हमेशा आभारी रहूँगी। हमारी लड़कियों के बेच ने 'विमेंस सिंगल्स' को मुकाबले के लिए एक बहुत ही खास जगह बना दिया था; सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता कि बैडमिंटन के इतिहास में ऐसा पहले कभी हुआ है या भविष्य में कभी होगा। हर मुकाबले के लिए, हर सीख के लिए, और सबसे बढ़कर–हमारी दोस्ती के लिए–तुम्हारा शुक्रिया। मैं तुम्हारे संन्यास के बाद के जीवन के लिए ढेर सारी खुशियों की कामना करती हूं, कैरोलिना।'

नवनीत कौर ने प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलने पर जताई खुशी, टीम को किया समर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार फॉरवर्ड नवनीत कौर ने हॉकी इंडिया आठवें वार्षिक अवॉर्ड्स 2025 में 'प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला)' का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्हें यह सम्मान हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के तहत प्रदान किया गया।

नवनीत कौर के लिए बीता साल बेहद शानदार रहा, जहां उन्होंने भारतीय टीम के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने चार गोल किए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुनी गईं।

इसके अलावा महिला एशिया कप 2025 में भी नवनीत का प्रदर्शन दमदार रहा, जहां भारत ने रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में उन्होंने छह गोल दागे। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल करते हुए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए।

पुरस्कार मिलने के बाद नवनीत कौर ने कहा, 'इस सम्मान को पाकर मैं बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह उपलब्धि मेरी टीम के साथियों के सहयोग और विश्वास के बिना संभव नहीं थी। मैं हॉकी इंडिया का भी धन्यवाद करना चाहती हूं, जो हर साल इस तरह का मंच उपलब्ध कराता है, जिससे खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है।'

आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स को लेकर उन्होंने कहा, 'आने वाला समय काफी व्यस्त रहने वाला है। नेशंस कप, वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट हमारे सामने हैं। हमारा कैंप जल्द शुरू होगा और हम अपनी कमजोरियों पर काम कर टीम के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।'

अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को लेकर नवनीत ने कहा, 'मैं अपने खेल में लगातार सुधार करना चाहती हूं। अभी तक के प्रदर्शन से संतुष्ट हूं, लेकिन आगे और बेहतर करने की गुंजाइश है। बड़े टूर्नामेंट चार साल में एक बार आते हैं, इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

आगामी बड़े टूर्नामेंट्स को देखते हुए नवनीत कौर पूरी तरह फोकस्ड हैं और भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही हैं।

कविता

गर्मी की छुट्टियाँ

आराम करेंगी किताब, कॉपियाँ,
जब आएँगी गर्मी की छुट्टियाँ।
रोज पार्क में सैर करेंगे,
घर के अंदर भी खेला करेंगे।
कैम्पा, आइसक्रीम और कुल्फी,
मस्ती भरी ये गर्मी की छुट्टी।
खूब खेलेंगे डंडा और गुल्ली,
आएँगी जब गर्मी की छुट्टी।

मेरी बिल्ली

मेरी बिल्ली, काली-पीली,
बारिश से हो गई वो गीली।
गीली होकर लगी काँपने,
छींकी, छींकी लगी छींकने।
मैं फिर बोला, 'कुछ तो सीखो,
बिन रूमाल के कभी न छींक।'

गलत दोस्ती की संगत में ना पड़ जाए बच्चा, जरूर बता दें फ्रेंडशिप से जुड़ी ये बातें

10-12 साल के बढ़ते हुए बच्चे की परवरिश कई बार मुश्किल हो जाती है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के जमाने में बच्चे उम्र से पहले की कई सारी चीजें एक्स्प्लोर करते हैं। वहीं नए-नए बन रहे दोस्त आपस में आधा-अधूरा ज्ञान बांट कर गलत रास्ते पर चलने लगते हैं। ऐसे में पैरेंट्स के लिए बच्चों को सही-गलत की राह दिखाना मुश्किल हो जाता है। बच्चे को किसी गलत रास्ते पर जाने से रोकना है तो पहले तो उसकी संगत यानी फ्रेंडशिप को जरूर परखें। बच्चे को सिखाएं कि किस तरह के लोगों से दोस्ती नहीं करनी है और किससे नहीं। इस काम में करेंगी आपकी ये 7 बातें, बच्चे को सिखाएं कि इन लोगों के साथ भूलकर भी दोस्ती नहीं करनी चाहिए।

बच्चे को समझाएं कि अगर उसका दोस्त बोलता है कि तुझे ये करना ही पड़ेगा तो समझ लेना कि ये इमोशनल प्रेशर दोस्ती नहीं बल्कि मैनीपुलेशन है।

अगर कोई दोस्त पढ़ने वाले बच्चे को 'बोरिंग' या 'टीचर का चमचा' बोले, तो समझ लेना कि वह तुम्हारी ग्रोथ नहीं चाहता। ऐसे दोस्त से दूर रहना चाहिए।

अगर तुम अपने दोस्त के साथ रहकर बदलने लगे हो,तुम्हें अब ज्यादा गुस्सा आने लगा है, तुम अक्सर रूल्स तोड़ रहे हो या ज्यादा झूठ बोल रहे हो, तो ये हेल्दी दोस्ती नही है। दोस्ती होने पर इंसान में ऐसे बदलाव नहीं आने चाहिए।

कोई ऐसा दोस्त जो तुम्हारे ना बोलने पर भी उसकी वैल्यू नहीं करता या तुम्हारी सेट बाउंड्रीज को हमेशा इग्नोर करता है तो ऐसे दोस्त भी तुम्हारे लिए सही नही है।

अपने बच्चे को समझाएं को जो दोस्त गलत होंगे वो हमेशा तुमसे वहीं चीज करने को बोलेंगे जो तुम नहीं करना चाहते। एक अच्छे दोस्त की तरह वो तुम्हारे कंफर्ट की वैल्यू नहीं करेंगे।

कोई दोस्त तुमसे कहे कि 'ये बात घर पर मत बताना' तो सिग्नल है कि वो दोस्त तुम्हारा अच्छा नही है। अच्छी दोस्ती में कभी घर से कुछ नही छिपाना पड़ता।

अगर कोई दोस्त किसी भी गलत काम को कूल बताता है, जैसे किसी का मजाक उड़ाना, रूल्स तोड़ना, झूठ बोलना तो ये दोस्त तुम्हें गलत रास्ते पर ले जा रहा है। ऐसे दोस्त के साथ दोस्ती ठीक नही है। ये गलत दोस्ती है।

नाव

जल्दी-जल्दी दौड़कर आओ,
रंग-बिरंगे कागज़ लाओ।

सुंदर-सी एक नाव बनाकर,
मिल-जुलकर उसको तैराओ।

खूब तेज चलती ये नाव,
कभी न थकती अपनी नाव।
आगे-आगे बढ़ती जाती,
पार हमें ले जाती नाव।

हाथी राजा हाथी राजा,
बहुत बड़े।
सूँड हिलाते कहाँ चले?
पूँछ हिलाते कहाँ चले?
गन्ना खाते कहाँ चले?

मेरे घर आ जाओ ना।
हलवा-पूड़ी खाओ ना।

आओ, बैठो कुर्सी पर,
कुर्सी बोली, चटर-पटर।

एक चिड़िया के बच्चे चार,
घर से निकले पंख पसार।

पूरब से पश्चिम को जाएँ,
उत्तर से फिर दक्षिण आएँ।
घूम-टहल जब घर को आएँ,
मम्मी को एक बात सुनाएँ।

देख लिया हमने जग सारा,
अपना घर है सबसे प्यारा।

6 से 12 महीने के बच्चे की डायट में कब और कैसे शामिल करें मसाले, एक टिप खूब आएगी काम

बच्चा जैसे ही खाना शुरू करता है वैसे ही पेरेंट्स इस बात को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं कि बेबी की डायट में मसालों को कैसे शामिल करें। ऐसे में यहां जानिए कि कब और कैसे बच्चे की डायट में मसालों को शामिल करें।

6 से 12 महीने के बच्चे की डायट में कब और कैसे शामिल करें मसाले, एक टिप खूब आएगी काम

सभी पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा सेहतमंद हो और हमेशा स्वस्थ रहे। बच्चे के जनम से लेकर 6 महीने पूरे होने तक बेबी को सिर्फ मां का दूध देने की सलाह दी जाती है। लेकिन 6 महीने पूरे होते ही डॉक्टर की सलाह के बाद अलग-अलग चीजें खिलाना शुरू कर देना चाहिए। शुरुआत में मैश की हुई दाल, सब्जी खिला सकते हैं। जैसे बच्चा बड़ा होता है और टेस्ट डेवलप कर लेता है तो आप उसे सभी चीजें खिला सकते हैं। बहुत से पेरेंट्स इस दौरान एक बात को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित होते हैं वह है कि बच्चे की डायट में कब और कैसे मसालों को शामिल करें। डॉक्टर बच्चे को एक साल तक नमक देने और दो साल तक चीनी देने के लिए मना करते हैं लेकिन बाकी मसालों का क्या? यहां जानिए बच्चों के खाने में कब और कैसे शामिल करें मसाले।

6-7 महीने का बच्चा

बच्चा जब खाना शुरू कर देता है तो उसे हल्का और आसानी से पचने वाली चीजों को ही खिलाना चाहिए। हल्दी, जीरा, अदरक, सौंफ जैसी चीजों को प्यूरी, दाल, खिचड़ी, दलिया या ओट्स में थोड़ी मात्रा में डालकर खिला सकते हैं।

7-8 महीने का बच्चा

7 से 8 महीने के बच्चे को हल्की खुशबू वाली चीजें जैसे इलायची, जायफल, अजवायन, धनिया दे सकते हैं। ये सभी चीजें आप खीर, सूजी, ओट्स, मैश किए हुए फल और सूप में दे सकते हैं।

8-9 महीने का बच्चा

प्राकृतिक स्वाद वाली चीजें जैसे तेज पत्ता और लौंग को सूप या सब्जी प्यूरी में दे सकते हैं। हालांकि मात्रा बहुत कम होनी चाहिए।

9-10 महीने का बच्चा

9 से 10 महीने के बच्चे को दही या छाछ में पुदीना, दाल या मैश की हुई सब्जियों में उबला या भुना हुआ लहसुन और खिचड़ी या उपमा में सरसों के दानों का हल्का तड़का लगा सकते है।

10-12 महीने का बच्चा

पाचन के लिए दाल या सूप में एक चुटकी हींग डालें और रोटी या दाल में भिगोई हुई मेथी डालें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा और बच्चे का टेस्ट भी डेवलप होगा।

टिप- बच्चे की डायट में खाने को धीरे-धीरे शुरू करें, शुरुआत में सिर्फ चुटकी भर मसाले शामिल करें। कोई भी नया मसाला डालने से पहले 3-5 दिन तक इंतजार करें। इसके अलावा मिर्च, गरम मसाला, नमक और चीनी को कम से कम एक साल तक अवॉइड करें।

चालाक भेड़िया और भोलू मेमने की नादानी

कहानी

भारत की सुंदर पहाड़ियों के बीच 'हरियाली वन' नाम का एक बहुत ही खूबसूरत जंगल था। इस जंगल के किनारे एक बड़ा सा घास का मैदान था, जहाँ गाँव के जानवर रोज़ चरने आते थे। उसी मैदान में भेड़ों का एक बड़ा सा झुंड रहता था। इस झुंड की रखवाली की ज़िम्मेदारी 'मोती' नाम के एक बहुत ही बहादुर और वफादार शिकारी कुत्ते पर थी।

मोती इतना सतर्क और ताकतवर था कि उसकी मौजूदगी में कोई भी जंगली जानवर भेड़ों की तरफ आँख उठाकर भी नहीं देख सकता था। लेकिन उसी जंगल की एक अंधेरी गुफा में 'भैरव' नाम का एक भेड़िया रहता था।

भैरव बहुत ही खूंखार और लालची था। लेकिन ताकत से ज़्यादा वह अपनी चालाकी के लिए जाना जाता था। वह एक चालाक भेड़िया था जो हमेशा सीधे-सादे जानवरों को अपनी बातों के जाल में फंसाकर अपना शिकार बनाता था। कई दिनों से भैरव की नज़र भेड़ों के उस ताज़े और मोटे झुंड पर थी, लेकिन मोती के डर से वह पास नहीं जा पा रहा था।

भोलू की नादानी और भेड़िये की नज़र

भेड़ों के उसी झुंड में 'भोलू' नाम का एक छोटा सा मेमना था। भोलू देखने में रुई के गोले जैसा सफेद और प्यारा था, लेकिन वह बहुत ही चंचल और नादान था। उसे हमेशा नई-नई चीजें देखने का शौक था। मोती काका उसे हमेशा समझाते थे, 'भोलू बेटा, कभी भी झुंड से दूर मत जाना और जंगल के अनजान जानवरों से बात मत करना।'

लेकिन भोलू सोचता था, 'मोती काका तो बस मुझे डराते रहते हैं। जंगल के जानवर भी तो हमारे जैसे ही होते हैं, भला वे मुझे क्यों नुकसान पहुँचाएंगे?'

एक दिन दोपहर के समय, जब मोती काका एक पेड़ के नीचे सुस्ता रहे थे और सारी भेड़ें घास चरने में मगन थीं, भोलू एक रंग-बिरंगी तितली के पीछे भागते-भागते जंगल के किनारे तक पहुँच गया।

वहाँ झाड़ियों के पीछे छिपा चालाक भेड़िया भैरव कई दिनों से इसी मौके की तलाश में था। भोलू को अकेला देखकर उसके मुँह में पानी आ गया। लेकिन उसे पता था कि अगर उसने भोलू पर झपट्टा मारा, तो भोलू चिल्लाएगा और मोती काका तुरंत जाग जाएंगे। इसलिए भैरव ने अपनी चालाकी का इस्तेमाल करने का फैसला किया।

'साधु' भेड़िये का ढोंग और मीठी बातें

भैरव ने अपने गले में कुछ जंगली फूलों की माला पहन ली और अपनी लाल आँखों को झुकाकर बहुत ही शांत और शरीफ बनने का नाटक किया। वह धीरे-धीरे झाड़ियों से बाहर आया और घास खाने की एक्टिंग करने लगा।

भोलू ने जब एक विशाल भेड़िये को घास खाते देखा, तो वह हैरान रह गया। 'अरे! आप तो एक भेड़िये हैं न? क्या भेड़िये भी घास खाते हैं?' भोलू ने मासूमियत से पूछा।

भैरव ने एक लंबी और गहरी सांस ली और बहुत ही मीठी आवाज़ में बोला, 'हाँ बेटा, मैं भेड़िया तो हूँ, लेकिन मैंने अब मांस खाना छोड़ दिया है। मैंने संन्यास ले लिया है और अब मैं सिर्फ हरी घास और मीठे फल खाता हूँ। मुझे किसी से कोई बैर नहीं है।'

भोलू को यह सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उसे लगा कि यह भेड़िया तो बहुत अच्छा है। यह एक ऐसी प्रेरणादायक कहानी जैसी बात लग रही थी, जहाँ एक बुरे जानवर ने अच्छाई का रास्ता चुन लिया हो।

भैरव ने अपनी चाल को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'बेटा भोलू, तुम यहाँ जो घास खा रहे हो, वह तो सूखी और बेस्वाद है। क्या तुम्हें पता है कि इस जंगल के थोड़ा सा अंदर 'सुनहरी घास' का एक बहुत बड़ा मैदान है? वह घास शहद से भी ज्यादा मीठी होती है। अगर तुम चाहो, तो मैं तुम्हें वह जगह दिखा सकता हूँ।'

लालच का फंदा और जंगल की ओर कदम

मीठी और 'सुनहरी घास' का नाम सुनते ही भोलू के मुँह में पानी आ गया। उसे मोती काका की चेतावनी याद आई, लेकिन चालाक भेड़िया की मीठी बातों ने उसके दिमाग पर लालच का पर्दा डाल दिया था।

भोलू ने सोचा, 'यह भेड़िया तो संत बन गया है, यह मेरा क्या बिगाड़ेगा? बस थोड़ी सी मीठी घास खाकर मैं वापस आ जाऊँगा, किसी को पता भी नहीं चलेगा।'

भोलू ने हामी भर दी और भैरव के पीछे-पीछे घने जंगल की ओर चल पड़ा। जैसे-जैसे वे जंगल के अंदर जा रहे थे, रोशनी कम हो रही थी और डरावनी आवाज़ें आ रही थीं। भोलू को थोड़ा डर लगने लगा। 'भेड़िये अंकल, वह मीठी घास का मैदान और कितनी दूर है?' भोलू ने कांपती हुई आवाज़ में पूछा।

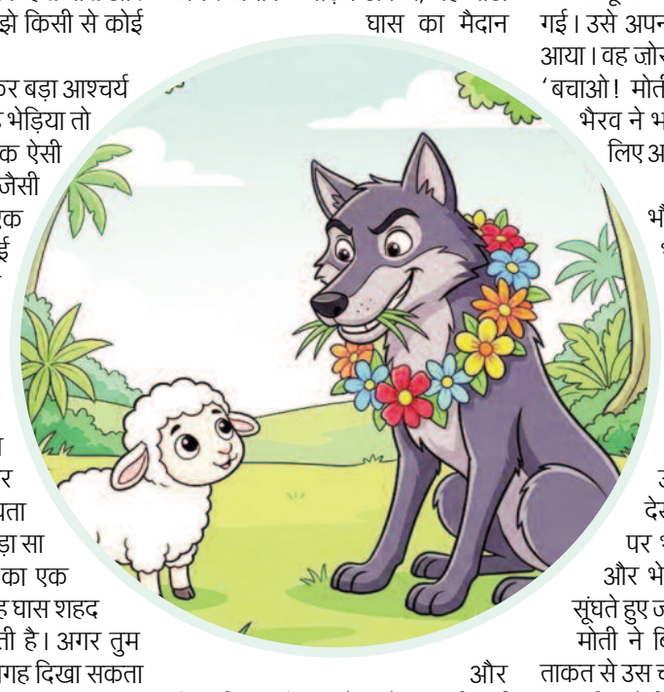

भैरव की चाल अब बदल चुकी थी। वह एक पुरानी और सुनसान गुफा के पास रुक गया। उसने अपने गले की फूलों की माला तोड़कर फेंक दी और पलटकर भोलू को देखा। अब उसकी आँखों में शराफत नहीं, बल्कि खूंखार भूख चमक रही थी।

भेड़िये का असली रूप और मोती काका का साहस

भैरव ज़ोर से हँसा और अपने नुकीले दांत दिखाते हुए बोला, 'हा-हा-हा! मूर्ख मेमने! दुनिया में कोई भेड़िया घास नहीं खाता। तूने मेरी बातों पर विश्वास करके अपनी मौत को खुद बुलावा दिया है। अब तू मेरा आज का स्वादिष्ट भोजन बनेगा!'

भोलू के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। उसे अपनी नादानी पर बहुत रोना आया। वह ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगा, 'बचाओ! मोती काका मुझे बचाओ!'

भैरव ने भोलू पर छलांग लगाने के लिए अपने पंजे उठाए।

लेकिन तभी... भौ-भौ-भौ! एक ज़ोरदार और भयानक गर्जना पूरे जंगल में गूँज उठी।

झाड़ियों को चीरता हुआ मोती काका तीर की तरह वहाँ पहुँच गया। असल में, जब मोती की नींद खुली और उसने भोलू को झुंड में नहीं देखा, तो वह तुरंत जमीन पर भोलू के छोटे-छोटे खुरों और भेड़िये के पंजों के निशान सूंघते हुए जंगल में आ गया था।

मोती ने बिना एक पल गंवाए पूरी ताकत से उस चालाक भेड़िया पर छलांग लगा दी। मोती के तीखे दांत भैरव की गर्दन के पास गड़ गए। भैरव ने इस अचानक हुए हमले की उम्मीद नहीं की थी। दोनों के बीच भयंकर लड़ाई शुरू हो गई।

जीत और जीवन की सबसे बड़ी सीख

भैरव समझ गया कि वह मोती के गुस्से और ताकत का सामना नहीं कर सकता। अपनी जान बचाने के लिए उसने मोती को एक धक्का दिया और अपनी पूंछ दबाकर जंगल के अंधेरे में भाग खड़ा हुआ।

मोती काका हाँफते हुए भोलू के पास आए। भोलू डर के मारे कांप रहा था और रो रहा था। उसने मोती काका के पैर पकड़ लिए और कहा, 'मुझे माफ़ कर दीजिए काका। मैंने आपकी बात नहीं मानी। उस भेड़िये ने मुझसे झूठ बोला कि वह शाकाहारी हो गया है। मुझे लगा कि वह मेरी दोस्ती करना चाहता है।'

मोती काका ने भोलू को प्यार से सहलाया और समझाया, 'बेटा, शक्ल से भले दिखने वाले सब लोग अच्छे नहीं होते। दुश्मन हमेशा मीठी-मीठी बातें करके ही अपने जाल में फंसाते हैं। लोटपोट की हिंदी कहानियां भी हमें यही सिखाती हैं कि अनजान लोगों पर कभी भी आँख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए।'

उस दिन के बाद से भोलू ने कभी भी मोती काका की बात नहीं टाली और वह हमेशा अपने झुंड के बीच ही सुरक्षित रहने लगा।

इस कहानी से सीख

अजनबी पर भरोसा न करें: अनजान व्यक्ति चाहे कितनी भी मीठी बातें करे, उस पर कभी भी तुरंत भरोसा नहीं करना चाहिए।

बड़ों की बात मानें: घर के बड़े और माता-पिता जो भी चेतावनी देते हैं, वह हमारी सुरक्षा के लिए होती है, उसे कभी अनसुना न करें।

दिखावे से बचें: जो इंसान बाहर से जितना शरीफ और मीठा बनने का नाटक करता है, कभी-कभी वह अंदर से उतना ही चालाक और खतरनाक हो सकता है।

आज मैं जहां हूं, वहां तक पहुंचने के पीछे कड़ी मेहनत है

एक्टिंग इंडस्ट्री में हर कलाकार की जर्नी अलग होती है। कुछ लोग फिल्मों के जरिए पहला कदम रखते हैं तो कुछ टीवी से अपने करियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन एक प्लेटफॉर्म में पहचान बनाकर दूसरे प्लेटफॉर्म में पैर जमाना आसान नहीं होता। अभिनेत्री उल्का गुप्ता के लिए भी टीवी से फिल्मों में कदम रखना चुनौती भरा अनुभव रहा है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और धीरे-धीरे फिल्मों में पहचान बनाने लगी। उल्का गुप्ता ने इंटरव्यू में अपने करियर के अब तक के सफर को याद किया। उल्का गुप्ता ने कहा, ''टीवी से फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। मैंने कई सालों तक छोटे पर्दे पर काम किया है और अभिनय की बारीकियां सीखी हैं, लेकिन जब फिल्मों में आने की बारी आई तो मुझे कई ऑडिशन्स से गुजरना पड़ा और खुद को साबित करना पड़ा। आज मैं जहां खड़ी हूं, वहां तक पहुंचने के पीछे कड़ी मेहनत है।''

बता दें कि उल्का गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय टीवी शो 'झांसी की रानी' से की थी। इस शो में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के बचपन के किरदार 'मणिकर्णिका' की भूमिका निभाई थी। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस शो को लेकर उन्होंने कहा, ''इस शो ने मेरे करियर को एक मजबूत नींव दी है और मेरी एक बेहतर कलाकार बनने में मदद की है।'' उन्होंने अपना फिल्मी सफर 'सिम्बा' से शुरू किया था, जिसमें उन्होंने एक्टर रणवीर सिंह की बहन का रोल निभाया था। 'केरल स्टोरी 2' फिल्म में उन्होंने 'सुरेखा' का किरदार निभाया। इसे लेकर उन्होंने कहा, ''फिल्में समाज का आईना होती हैं। समाज में जो कुछ भी घटित होता है, वही फिल्मों के जरिए दिखाया जाता है। फिल्में समाज की सच्चाई को सामने लाती हैं और कई बार समस्या का हल भी दिखाने की कोशिश करती हैं।''

करण जौहर के 'द ट्रेटर्स सीजन 2' में नजर आएंगी मल्लिका शेरावत!

'बिग बॉस', 'द 50', 'द सोसाइटी' जैसे रियलिटी शोज के बाद अब करण जौहर का 'द ट्रेटर्स सीजन 2' भी आने वाला है। जिसका ऐलान हाल ही में प्राइम वीडियो के एक इवेंट में किया गया था। इसकी शूटिंग इस समय राजस्थान के जैसलमेर में चल रही है, जिसके कंटेस्टेंट्स की लिस्ट ने ध्यान खींचा है। बताया जा रहा है कि इस शो में बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत नजर आएंगी। इस बात की पुष्टि भी अब हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मल्लिका शेरावत 'द ट्रेटर्स सीजन 2' की शूटिंग के लिए जैसलमेर पहुंच गई हैं। उनका पिछले एक महीने से नाम सामने आ रहा था कि वह इसका हिस्सा बनेंगी और इन अटकलों पर अब फुल स्टॉप लग गया है। हालांकि एक्ट्रेस की तरफ से न तो इस बात की पुष्टि की गई है और न ही खंडन किया गया।

द ट्रेटर्स सीजन 2 की शूटिंग शुरू

'द ट्रेटर्स' के पहले सीजन की तरह इस बार भी शूटिंग आलीशान सूर्यगढ़ पैलेस में हो रही है। यहां हाई-प्रोफाइल इवेंट्स होते हैं। जनवरी, 2023 में किराया आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की शादी यहीं पर हुई थी। इसका पहला सीजना प्राइम वीडियो पर ही स्ट्रीम हुआ था और दूसरा भी यहीं आएगा। पहले उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने इसे जीता था। और करण ने होस्ट किया था।

मल्लिका की फिल्में

मल्लिका शेरावत लंबे समय से विदेश में रह रही हैं। उन्हे आखिरी बार 2024 में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा गया था। उन्हें 'मर्डर' से पॉप्युलैरिटी मिली थी। इसके बाद उन्होंने अन्य हिंदी फिल्मों में भी काम करके अपनी पहचान बनाई थी। वह ब्रूनो मार्स के साथ 'व्हाटा मैन' के म्यूजिक वीडियो में भी दिखी थीं।

'हीरामंडी द डायमंड बाजार' के बाद करण जौहर के साथ काम करेंगे ताहा शाह बदुशा

यूएई में जन्मे बॉलीवुड अभिनेता ताहा शाह बदुशा अब बहुत प्रसिद्ध हो गए हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स की सीरीज 'हीरामंडी' में नवाब ताजदार का रोल निभाकर अपनी एक अलग पहचान बना ली है। 'हीरामंडी' में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। अब वह जल्द ही करण जौहर की एक सीरीज में नजर आने वाले हैं। वैरायटी की एक खबर के अनुसार, अब ताहा शाह बदुशा करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शन की नई सीरीज 'नजदीकियां' में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। यह सीरीज करण जौहर की पुरानी फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' पर आधारित हो सकती है। उस फिल्म में शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा और अभिषेक बच्चन थे। नई सीरीज में ताहा शाह बदुशा के साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और निकिता दत्ता भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे।

फोर्स के तीसरे सीक्वल के लिए वजन बढ़ा रहे हैं हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी फिल्म 'फोर्स' के तीसके सीक्वल को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के लिए हर्षवर्धन को कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है, जिसको लेकर अभिनेता ने सोशल मीडिया पोस्टर के जरिए अपने निर्धारित वजन बढ़ाने के टारगेट के बारे में खुलाया किया है। हर्षवर्धन ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर जिम से अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही बताया कि अगले महीने फिल्म में आने वाले एक बड़े एक्शन सीन के लिए उन्हें अपना वजन बढ़ाना पड़ रहा है।

कितना वजह है बढ़ाना

हर्षवर्धन ने लिखा कि पहले फिल्म 'सनम तेरी कसम' और 'एक दीवाने की दीवानियत' के समय उनका वजन 81 किलो था। लेकिन इस फिल्म के लिए उन्हें 92 किलो तक पहुंचना है। अभी उनका वजन 90 किलो है, यानी सिर्फ 2 किलो और बढ़ाना बाकी है।

कब रिलीज होगी 'फोर्स 3'

6 मार्च को 'फोर्स 3' की शूटिंग गुजरात में शुरू हुई। टीम ने पूजा समारोह के साथ काम की शुरुआत की। फिल्म में जॉन अब्राहम (एसीपी यशवर्धन), हर्षवर्धन राणे और तान्या मानिकतला मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसे भव धूलिया निर्देशित कर रहे हैं। यह फोर्स सीरीज की तीसरी फिल्म है और 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।

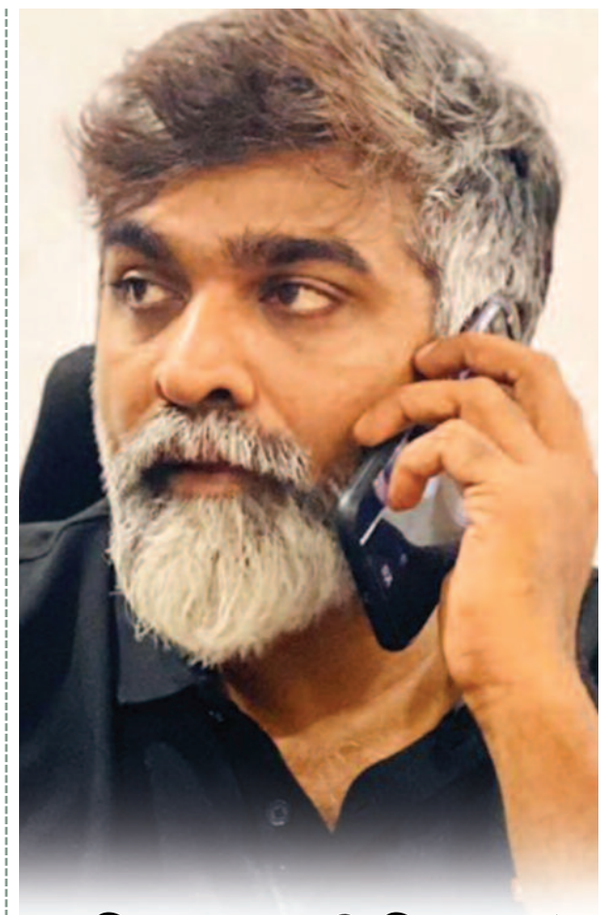

मणिरत्नम की फिल्म में नजर आएंगे विजय सेतुपति, मुख्य अभिनेत्री के तौर पर होगी साई पल्लवी

साउथ अभिनेता विजय सेतुपति इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। विजय जल्द ही मशहूर निर्देशक मणिरत्नम की अगली फिल्म में काम शुरू करने वाले हैं।

यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी। इसमें विजय के साथ साई पल्लवी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। विजय की मणिरत्नम के साथ यह दूसरी फिल्म है। इस फिल्म से पहले वह मणिरत्नम के साथ 2018 में फिल्म 'चेक्का चिवंथा वानम' नाम की फिल्म में काम कर चुके हैं, लेकिन इस बार कुछ बिल्कुल अलग और नया करने जा रहे हैं।

कब शुरू होगी शूटिंग

रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म की शूटिंग इस साल गर्मियों में शुरू हो सकती है। इस फिल्म के म्यूजिक के लिए प्रतिभा साई अभ्यंकर से बात चल रही है। फिल्म को मद्रास टॉकीज और लाइका प्रोडक्शंस मिलकर बना रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। विजय सेतुपति की आने वाली तमिल फिल्म 'अरसन' है। इसमें सिलंबरासन मुख्य भूमिका में हैं। यह एक गैंगस्टर एक्शन ड्रामा है, जिसका संगीत अनिरुद्ध रविचंदर दे रहे हैं। पहले अफवाहें थीं कि व्यस्तता के कारण विजय इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गए, लेकिन अब विजय ने साफ कर दिया है कि वह इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है।

पॉकेट नॉवेल में नजर आएंगे विजय

विजय सेतुपति निर्देशक थियागराजन कुमारराजा की फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' में काम कर रहे हैं। इसमें मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में किशोर भी महत्वपूर्ण किरदार में होंगे। इसकी पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। इसका संगीत इलैयाराजा का है।

इंडियन सोल और अमेरिकन टेक्नीक का मेल है 'डकैत'

अदिवि शेष जल्द ही 'डकैत: ए लव स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर भी हैं। अदिवि शेष का कहना है कि डकैत, हिंसक बैकड्रॉप में रची गई एक ऐसी प्रेम कहानी है, जिसमें दो किरदारों के बीच प्यार और नफरत का एक बेहद बारीक और गहरा संघर्ष दिखेगा।

यह प्रेम कहानी होने के बावजूद आपने शीर्षक 'डकैत' क्यों चुना?

फिल्म का विचार हमारे सिनेमाई जुनून और पुरानी यादों का मेल है। मैं और मेरे करीबी दोस्त व निर्देशक शनि, हम दोनों ही 'द मैग्निफिसेंट सेवन' और 'द गुड, 'द बैड एंड द अग्ली' जैसी क्लासिक काउबॉय फिल्मों के प्रशंसक रहे हैं। काफी समय से मेरा मन एक प्रेम कहानी पर काम करने का था, लेकिन मैं उसे पारंपरिक रूप में नहीं देखना चाहता था। हमने सोचा, क्या होगा अगर तपते रेगिस्तान, रेल की पटरियों, बंदूकों और खून-खराबे के उस खौफनाक काउबॉय माहौल के बीच एक 'एंग्री लव स्टोरी' बुनी जाए? बस, इसी कल्पना ने 'डकैत' को जन्म दिया। यह असल में डकैती के हिंसक बैकड्रॉप में रची गई एक ऐसी प्रेम कहानी है, जहां दो किरदारों के बीच प्यार और नफरत का एक बेहद बारीक और गहरा संघर्ष चलता है।

क्या लीड पेयर पूरी तरह से डकैती से जुड़ा है?

देखिए जब माहौल ही इतना कठोर हो, तो किरदारों को भी उसी रंग में ढलना पड़ता है। यही वजह है कि यह कहानी एक बिल्कुल अलग और यूनिक संयोजन बनकर सामने आई है। आमतौर पर दर्शक या तो पूरी तरह एक्शन से भरी फिल्म देखते हैं, या फिर एक ऐसी प्रेम कहानी, जहां भावनाएं आंसुओं और गीतों में बहती हैं। लेकिन हमने इस सोच को थोड़ा मोड़ा। हमने तय किया कि इस बार प्यार की बात तो होगी, लेकिन उस नरम, मासूम अंदाज में नहीं, बल्कि गुस्से, टकराव और तीखे जज्बातों के साथ। यानी यह एक ऐसी प्रेम कहानी है, जहां भावनाएं दबी नहीं रहती, बल्कि खुलकर, तेज और कभी-कभी चिल्लाते हुए सामने आती हैं।

इस फिल्म में आपने प्यार का कौन सा अनछुआ पहलू छुआ है?

फिल्म 'डकैत' की प्रेम कहानी पारंपरिक सामाजिक संघर्षों, जैसे जाति, धर्म या अमीरी-गरीबी तक सीमित नहीं है। इसका केंद्र किरदारों की आंतरिक संवेदनाएं और उनके निजी अनुभव हैं। यहां प्रेम को एक बेहद व्यक्तिगत एहसास की तरह दिखाया गया है, जो माता-पिता और संतान के रिश्ते जितना गहरा हो सकता है। जब भावनाएं इतनी निजी हो जाती हैं, तो उनका प्रभाव भी अनोखा बनता है। कहानी इस बात को टटोलती है कि कोई रिश्ता क्यों खास बनता है और टूटने पर भीतर क्या बदल जाता है, यही इसकी असली ताकत है।

' एक्शन और इसकी कोरियोग्राफी आपके लिए कैसी रही?

मैं अपनी एक्शन कोरियोग्राफी के लिए जाना जाता हूं। मैं नियमित रूप से 'मास' फिल्में नहीं करता, बल्कि मुझे 'हाइपर-रियल' एक्शन पसंद है, जो दिखने में असली भी लगे और ग्लैमरस भी। अगर मेरी फिल्म में कोई बंदा हवा में उड़ रहा है, तो उसके पीछे एक तार्किक कारण होना चाहिए। इस फिल्म के निर्देशक सुनील, जो मेरे बहुत अच्छे दोस्त भी हैं, उन्होंने सिनेमैटोग्राफी की थी। वह अब डायरेक्टर बन गया है। हम दोनों की एक्शन को लेकर जो अमेरिकन सेंसिबिलिटी है, उसे हम इस फिल्म में लेकर आए हैं। हॉलीवुड की तकनीक और जिस तरह से वे एक्शन को कट और डायरेक्ट करते हैं, हमने उसे इस्तेमाल किया है।

अनुराग कश्यप से इस प्रोजेक्ट को लेकर पहली बार कब बात हुई?

मेरे दोस्त शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य की शादी का मौका था, जहां अनुराग कश्यप भी मौजूद थे। मैंने मौका देखते ही अनुराग सर का हाथ पकड़ा और उसी माहौल में उन्हें 'डकैत' की कहानी सुनानी शुरू कर दी। शादी के जश्न के बीच ही मैंने उन्हें फिल्म के लिए पिच किया और इसी तरह वे हमारे इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए।

रणथंभौर में सफारी करने के बाद होटल पहुंची विदेशी पर्यटक की खाना खाने के बाद मौत

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर में सफारी करने के कुछ घंटे बाद एक विदेशी पर्यटक की मौत हो गई। आयरलैंड की निवासी टूरिस्ट एक ग्रुप के साथ घूमने आई थी। गुरुवार रात को होटल में अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। सरकारी हॉस्पिटल में चेकअप के बाद उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। टूरिस्ट का पोस्टमॉर्टम आयरलैंड एम्बेसी के अप्रूवल के बाद ही होगा। कुण्डेरा थाने के एएसआई ने बताया कि आयरलैंड की मरियन फ्रांसिस (40) दोस्तों के साथ 25 मार्च को रणथंभौर आई थी। उनका ग्रुप हेरिटेज हवेली होटल में रुका था। सभी ने 26 मार्च को सुबह-शाम के स्लॉट में सफारी की थी। इसके बाद वे होटल आ गए थे। गुरुवार देर रात खाने के बाद करीब 2.30 बजे मरियन की तबीयत बिगड़ी थी। मरियन के दोस्तों ने होटल स्टाफ को सूचित किया। इसके बाद मरियन को अपेक्स सेविका हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। रात करीब तीन बजे मरियन को सवाई माधोपुर के जिला हॉस्पिटल रेफर किया गया। इस दौरान पुलिस भी निजी हॉस्पिटल पहुंच गई थी। पुलिसकर्मियों के साथ मरियन के दोस्त उन्हें सरकारी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर सौरभ गुप्ता ने मरियन की जांच की। कुछ देर बाद उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डॉक्टर सौरभ गुप्ता ने बताया कि महिला टूरिस्ट की ईसीजी कराई थी, लेकिन रिजल्ट फ्लैट था। इसके बाद उनका फिर से चेकअप किया गया, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं था। मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम के बाद ही सामने आएगा। वहीं, पुलिस का कहना है महिला की मौत की जानकारी आयरलैंड एम्बेसी को दी गई है। अब दूतावास की परमिशन का इंतजार है।

अजित पवार हादसे के बाद डीजीसीए ने जारी की नई गाइडलाइन... फ्लाइट क्रू पर कोई दबाव ना डाला जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीआईपी और वीवीआईपी (जैसे मुख्यमंत्री, राज्यपाल आदि) को ले जाने वाले नॉन-शेड्यूल्ड विमान और हेलिकॉप्टर ऑपरेटर्स के लिए नई गाइडलाइन जारी कर दी गई है। डीजीसीए ने दो टूक कहा कि फ्लाइट क्रू पर किसी भी तरह का दबाव नहीं डाला जाए, ताकि किसी भी प्रकार की सुरक्षा से समझौता न हो। डीजीसीए के मुताबिक वीआईपी की जरूरत के नाम पर आखिरी वक्त में हो रहे बदलाव सीधे क्रू से नहीं, सिर्फ ऑपरेटर्स मैनेजमेंट के द्वारा कराए जाएं। मौसम से जुड़े नियमों का पालन करना होगा। क्रू के फैसले का सम्मान करना होगा। डीजीसीए की नई गाइडलाइन में ध्यान रखा गया है कि वीआईपी मूवमेंट के चक्कर में पायलट थकावट का शिकार न हों। अब अगर कोई नेता दबाव डालता है, तब पायलट सीधे मना कर सकता है और इसकी जवाबदेही मैनेजमेंट की होगी, न कि व्यक्तिगत पायलट को जबावदार माना जाएगा। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार सहित 5 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद से डीजीसीए ने वीआईपी मूवमेंट्स को लेकर नियमों में बदलाव किया है।

डिजिटल एडिक्शन से बच्चों की आत्महत्या के मामले बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में डिजिटल एडिक्शन का मुद्दा गंभीरता से उठाया गया, जिसमें बच्चों और युवाओं में बढ़ती मोबाइल लत पर चिंता जताई गई। चर्चा के दौरान दावा किया गया कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम और सोशल मीडिया के दबाव के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। आंकड़ों के मुताबिक कई बच्चे रोजाना 7 से 8 घंटे मोबाइल पर बिता रहे हैं, जिससे पढ़ाई, सामाजिक जीवन और नींद प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल लत अवसाद, चिंता और अकेलेपन की भावना को बढ़ा सकती है। कुछ मामलों में यह स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि बच्चे आत्मघाती कदम उठा लेते हैं। सदस्यों ने सरकार से इस विषय पर व्यापक चर्चा और ठोस नीति बनाने की मांग की है। साथ ही अभिभावकों को बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने और मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर संवाद करने की सलाह दी गई है।

सक्रिय हो रहा वेदर सिस्टम... आज से देश के कई राज्यों में आंधी और बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में मौसम तेजी से बदल रहा है और कई राज्यों में बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी की संभावना जाहिर की गई है। राजस्थान में शनिवार से नया वेदर सिस्टम सक्रिय हुआ है, जिसका असर राज्य के सभी जिलों में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश के साथ ओले गिरने की भी आशंका है। बीते 24 घंटों में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर और बीकानेर में मौसम साफ और धूप तेज रही, लेकिन अब बदलाव शुरू हो गया है। मध्यप्रदेश में 29 मार्च से लगातार तीन दिन तक आंधी और बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम सक्रिय रहेगा। भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर सहित करीब 40 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, शनिवार को प्रदेश में गर्मी का असर बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में भी मौसम बदला हुआ है। लखनऊ और कानपुर समेत कई जिलों में रुक-रुककर बारिश हो रही है, और अगले पांच दिनों तक यही स्थिति बनी रह सकती है। कहीं-कहीं ओलावृष्टि की भी संभावना है। बिहार में पटना सहित कई जिलों में आंधी के साथ बारिश दर्ज की गई, और आज 38 जिलों में अलर्ट जारी है। पहाड़ी राज्यों में भी मौसम का असर दिख रहा है। हिमाचल प्रदेश में अगले छह दिनों तक बर्फबारी की संभावना है। वहीं जम्मू और कश्मीर में श्रीनगर-लेह हाईवे पर एवलांच की घटना में 7 लोगों की मौत हो गई, जिससे स्थिति गंभीर बनी हुई है। आने वाले दो दिनों में पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज बारिश की संभावना है। वहीं महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल में हल्की बारिश हो सकती है। 30 मार्च को पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी हल्की बारिश के आसार हैं।

लॉकडाउन लगेगा या नहीं शाह ने साफ कर दी सरकार की मंशा, कई अफवाहों को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत में लॉकडाउन की चर्चाओं पर केंद्र सरकार ने पूर्ण विराम लगा दिया है। सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों पर ईंधन की कमी के तर्क के साथ लॉकडाउन लगाए जाने की अफवाहों को सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि देश में एलपीजी सिलेंडर या अन्य ईंधन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आए उछाल के बावजूद भारत अपनी आपूर्ति श्रृंखला और कीमतों को स्थिर बनाए रखने में पूरी तरह सफल रहा है। अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि जब दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें आसमान छू रही हैं, तब भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आयात के स्रोतों का विस्तार किया है। पहले

भारत अपनी ईंधन जरूरतों के लिए 27 देशों पर निर्भर था, लेकिन अब यह दायरा बढ़ाकर 42 देशों तक कर दिया गया है। गृह मंत्री ने साफ किया कि प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया है कि देश में कोई लॉकडाउन नहीं लगेगा और सामान्य कामकाज निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ डिजिटल माध्यम से एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्थिक स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों के हितों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने केंद्र और राज्यों के बीच टीम इंडिया की भावना से काम करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों को निर्देश दिया कि वे राज्यों में आपूर्ति श्रृंखलाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करें और जमाखोरी व मुनाफाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से गलत सूचनाओं और अफवाहों के प्रसार के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने जिस तरह सामूहिक शक्ति से वैश्विक बाधाओं का सामना किया था, वही समन्वय आज भी हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के एन चंद्र बाबू नायडू, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी और पंजाब के भगवंत मान समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। यह पहली बार था जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को शुरू हुए इस अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के प्रभाव को लेकर राज्यों के साथ सीधा संवाद किया।

सूरत में फर्जी पेट्रोल पंप का हुआ भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

-अमरोली इलाके में चाय की टपरी के पास चल रहा था अवैध धंधा, 800 लीटर घटिया डीजल व टैंकर जब्त

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में पुलिस ने अवैध रूप से संचालित एक फर्जी पेट्रोल पंप का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शहर के अमरोली इलाके में की गई, जहां चाय की एक टपरी के पास लंबे समय से सस्ते दामों पर घटिया गुणवत्ता का डीजल बेचा जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, अमरोली-वेलंजा रोड स्थित अंजनी इंडस्ट्रीज कैनाल के पास आरोपियों ने अवैध रूप से पेट्रोल पंप जैसा सेटअप तैयार कर रखा था। यहां ग्राहकों को कम कीमत का लालच देकर खराब क्वालिटी का डीजल बेचा जाता था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और पूरे रैकेट का खुलासा किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से करीब 800 लीटर डीजल जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 61,600 रुपये बताई गई है। इसके अलावा दो टैंकर और मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 22.70 लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में 43 वर्षीय भरत केरासिया और 32 वर्षीय महेश खिसडिया को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया है कि इस अवैध कारोबार में दो अन्य लोग भी शामिल हैं, जो फिलहाल फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। अमरोली पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, आरोपी लंबे समय से इस अवैध धंधे को अंजाम दे रहे थे और सस्ते ईंधन के नाम पर लोगों को ठग रहे थे। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि यह डीजल कहां से लाया जा रहा था और इस नेटवर्क का दायरा कितना बड़ा है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस कार्रवाई से इलाके में अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्ती का संदेश गया है और स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

मुंबई में 75 लोगों ने इच्छामृत्यु के लिए दिए आवेदन, बीएमसी ने सुरक्षित रखे

-मेयर बोलीं- हमें दस्तावेजों को रखने की अनुमति, उन्हें लागू करने का अधिकार नहीं

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में इच्छामृत्यु को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को 75 लोगों ने इच्छामृत्यु के लिए आवेदन दिए हैं। यह घटनाक्रम देश के पहले कोर्ट से मंजूर इच्छामृत्यु मामले के बाद सामने आया है, जिसने लोगों को इस दिशा में सोचने पर मजबूर कर दिया है। इन आवेदनों में लोगों ने साफ लिखा है कि अगर वे किसी गंभीर बीमारी का शिकार हो जाएं या किसी हादसे के बाद कोमा जैसी स्थिति में चले जाएं, जहां ठीक होने की कोई उम्मीद न हो, तो उन्हें इच्छामृत्यु का विकल्प दिया जाए। इसके लिए उन्होंने लिविंग विल भी तैयार कर नोटरी करवाई है और संबंधित अधिकारियों के पास जमा किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई की महापौर रितु तावड़े ने इस मुद्दे पर कहा कि बीएमसी इन आवेदनों को सिर्फ सुरक्षित रख रही है। उन्होंने कहा कि जो भी मरीज इच्छामृत्यु के लिए पत्र देता है, हम उसे सुरक्षित रखते हैं, लेकिन उसे लागू करने का अधिकार हमारे पास नहीं है। यह जिम्मेदारी परिवार की होती है। कोर्ट ने हमें इन दस्तावेजों को रखने की अनुमति दी है, लेकिन उन्हें लागू करने का अधिकार नहीं दिया है। बता दें सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद, जिसमें भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता दी गई, बीएमसी ने हर वार्ड में मेडिकल अधिकारियों को लिविंग विल पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी है। जो भी व्यक्ति लिविंग विल जमा करना चाहता है, उसे नोटरी फॉर्मेट में दस्तावेज तैयार कर अपने वार्ड ऑफिस में जमा करना होता है।

रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल बीएमसी के पास कुल 75 आवेदन आ चुके हैं। प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए राज्य सरकार एक ऑनलाइन पोर्टल या ऐप तैयार करने पर काम कर रही है, ताकि लोग आसानी से आवेदन कर सकें। इस पूरे मामले की पृष्ठभूमि में हरीश राणा का केस भी है, जो भारत में कोर्ट से मंजूर इच्छामृत्यु पाने वाले पहले इंसान थे। 31 साल के हरीश राणा का निधन दिल्ली के एम्स में हुआ, जहां उन्हें पेलिएटिव केयर दी जा रही थी। हरीश राणा 2013 से कोमा में थे। वह उस समय इंजीनियरिंग के छात्र थे और चौथी मंजिल से गिरने के बाद उन्हें सिर की चोट लगी थी। लंबे समय तक कोमा में रहने के बाद उनके माता-पिता ने जीवनरक्षक उपकरण हटाने की अनुमति मांगी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दी। यह फैसला भारत के कानूनी और मेडिकल इतिहास में एक अहम मोड़ माना गया।

सीएम ममता पर आयोग की नजर, एसआई को निलंबित कर भाषण की मांगी कॉपी

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों के नजदीक आते ही राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां और चुनावी हिंसा को लेकर तनाव चरम पर पहुंच गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाते हुए एक तरफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विवादित भाषण पर रिपोर्ट तलब की है, वहीं दूसरी तरफ कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एक पुलिस इंस्पेक्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राज्य में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होना है, जिसके परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस भाषण पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जो उन्होंने दार्जिलिंग के नक्सलबाड़ी स्थित

एक जनसभा के दौरान दिया था। आरोप है कि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को कथित तौर पर धमकाया। वीडियो साक्ष्यों के आधार पर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने महिलाओं और लड़कियों से मतदान केंद्रों पर डटे रहने को कहा और जरूरत पड़ने पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए घरेलू रसोई के उपकरणों का इस्तेमाल करने की बात कही। आयोग इस मामले में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के पहलुओं की जांच कर रहा है।

समानांतर कार्रवाई करते हुए, चुनाव आयोग ने दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती पुलिस स्टेशन के प्रभारी इंस्पेक्टर अविजित पॉल को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई 26 मार्च को बासंती बाजार इलाके में हुई हिंसक घटना के बाद की गई है। आयोग के अनुसार, भाजपा उम्मीदवार विकास सरदार के चुनाव प्रचार के दौरान हुई इस हिंसा में पुलिसकर्मी और कई अन्य लोग घायल हुए थे। आयोग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पर्याप्त केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की उपलब्धता के बावजूद इंस्पेक्टर ने सुरक्षा की मांग नहीं की और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल रहे, जो ड्यूटी में गंभीर कोताही को दर्शाता है। इस घटनाक्रम पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। भाजपा सांसद बिप्लब कुमार देब ने इस हमले को सुनियोजित बताते हुए राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि ज्ञात हमलावरों ने पार्टी कार्यकर्ताओं और बीच-बचाव करने आए सुरक्षा बलों को निशाना बनाया। देब ने राज्य में हिंसा के माहौल के लिए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, सत्तारूढ़ दल इन आरोपों को चुनावी हथकंडा बता रहा है। फिलहाल, चुनाव आयोग की इन सख्त कार्रवाइयों ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या भड़काऊ बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

असम में चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस एक ही कम्युनिटी की पार्टी बन जाएगी : सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पर सिर्फ एक समुदाय की पार्टी होने का आरोप लगाया। हिमंता ने कहा कि करीब 99 फीसदी हिंदू कांग्रेस छोड़ना चाहते हैं। राज्य में इसके टूटने का प्रोसेस पहले ही शुरू हो चुका है। नतीजों के बाद कांग्रेस एक ही कम्युनिटी की पार्टी बन जाएगी। असम में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में चुनाव हैं। 30 मार्च को पीएम मोदी नमो ऐप के जरिए एक रैली को वर्चुअली संबोधित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य बीजेपी ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से इस अनोखी और इंटरैक्टिव पहल में हिस्सा लेने के लिए ऐप डाउनलोड करके रजिस्टर करने की बात कही है। असम में 126 सीटों वाली विधानसभा के लिए मौजूदा बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस के बीच मुकाबला होगा। सरमा के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने की कोशिश करेगी जबकि कांग्रेस का लक्ष्य सत्ता में फिर वापसी का है।

शंकराचार्य पर केस करने वाले ब्रह्मचारी को पाकिस्तान से मिली धमकी कहा- बम से उड़ा देंगे

शामली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शामली जनपद के कांधला क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट (मथुरा) के अध्यक्ष आशुतोष ब्रह्मचारी को जान से मारने की धमकी दी गई है। आशुतोष महाराज ने आरोप लगाया है कि उन्हें और उनके अधिवक्ता को बम से उड़ाने की सीधी चेतावनी दी गई है। इस मामले ने तब और भी गंभीर रूप अख्तियार कर लिया जब पुलिस की प्रारंभिक जांच में वह मोबाइल नंबर पाकिस्तान का पाया गया। अंतरराष्ट्रीय नंबर से आई इस कॉल ने सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन के कान खड़े कर दिए हैं। इस पूरे विवाद की जड़ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़ा एक कानूनी मामला बताया जा रहा है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने उच्च न्यायालय द्वारा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को दी गई अग्रिम जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और वहां एक विशेष अनुमति याचिका दाखिल की है। महाराज के अनुसार, जैसे ही उन्होंने 25 मार्च को देश की शीर्ष अदालत में इस मामले की पैरवी तेज की, उन्हें डराने-धमकाने का सिलसिला शुरू हो गया। शुक्रवार शाम लगभग 5:53 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई, जिसमें फोन करने वाले ने स्पष्ट शब्दों

में कहा कि यदि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस नहीं ली, तो उन्हें और उनके वकील को बम से उड़ा दिया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही कांधला थाना पुलिस और भारी बल मौके पर पहुंचा। शामली के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सर्विलांस टीम को सक्रिय किया। जांच में पुष्टि हुई है कि जिस नंबर से धमकी भरी कॉल आई थी, उसका कंट्री कोड पाकिस्तान का है। एसपी ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गहन जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस अंतरराष्ट्रीय कॉल के पीछे स्थानीय स्तर पर कौन लोग शामिल हो सकते हैं। आशुतोष ब्रह्मचारी ने पुलिस को शिकायती पत्र सौंपकर अपनी और अपने सहयोगियों की जान को खतरा बताते हुए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे धर्म और न्याय की इस लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। फिलहाल, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और कांधला स्थित उनके आवास के आसपास सतर्कता बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियां भी इस कॉल के मूल स्रोत और किसी संभावित साजिश की जांच में जुट गई हैं।

असम में मिया वाले बयान से गरमाई सियासत, जुबानी जंग के भरोसे लड़ा जा रहा विस चुनाव

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के करीब आते ही राज्य की राजनीति में जुबानी जंग और तीखी हो गई है। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के एक ताजा बयान ने राज्य के सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। गुवाहाटी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अजमल ने दावा किया कि आगामी चुनाव के बाद असम की राजनीति में मिया समुदाय का दबदबा काफी बढ़ जाएगा और वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का प्रभाव कम हो जाएगा। उनका कहना है कि चुनाव परिणामों के बाद राज्य का सत्ता संतुलन पूरी तरह बदल जाएगा।

असम की राजनीति में मिया शब्द का प्रयोग बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए किया जाता है। राज्य की करीब 3.12 करोड़ की आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 34 प्रतिशत है, जिसमें से बड़ा हिस्सा बंगाली भाषी

मुसलमानों का है। अजमल का यह बयान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उस पिछले विवादित बयान के जवाब के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि पिछले पांच वर्षों में उनकी सरकार ने मियाओं के हाथ-पैर तोड़े हैं और अगले पांच वर्षों में उनकी कमर तोड़ दी जाएगी। इन बयानों के बाद राज्य में ध्रुवीकरण की राजनीति और तेज होने की संभावना है।

इस चुनावी समर में एआईयूडीएफ को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का भी साथ मिल रहा है। अजमल ने जानकारी दी है कि ओवैसी 2 और 3 अप्रैल को असम के दौरे पर रहेंगे, जहां वे विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कम से कम आठ जनसभाओं को संबोधित करेंगे। खुद बदरुद्दीन अजमल इस बार बिन्नाकांडी सीट से मैदान में हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में धुबरी सीट से मिली करारी हार के बाद अजमल के लिए यह चुनाव साख की लड़ाई बन गया है। पार्टी के चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो 2016 में एआईयूडीएफ ने 13 सीटें जीती थीं, जबकि 2021 में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर यह आंकड़ा 15 तक पहुंचा था। इस बार 2026 के चुनाव में पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। असम की सभी 126 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। इस चुनाव के परिणाम यह तय करेंगे कि असम की सत्ता की चाबी किसके हाथ में होगी।

खाड़ी युद्ध से गहराते पेट्रोलियम संकट के बीच यूपी में गोबर गैस बनेगी राहत का जरिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में हलचल पैदा कर दी है। युद्ध की इन परिस्थितियों के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बाधित होने का खतरा मंडरा रहा है। इस संभावित संकट को भांपते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर बड़े पैमाने पर काम शुरू कर दिया है। सरकार की योजना प्रदेश भर की गौशालाओं में गोबर गैस प्लांट (बायोगैस) स्थापित कर एलपीजी रसोई गैस का एक ठोस विकल्प तैयार करने की है।

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत उत्तर प्रदेश में संचालित सभी 7,527 गौशालाओं और गो-आश्रय स्थलों को ऊर्जा उत्पादन के केंद्रों में बदला जाएगा। वर्तमान में राज्य के इन केंद्रों में लगभग 12.39 लाख गोवंशीय पशु मौजूद हैं। अब तक इन गौशालाओं से प्राप्त गोबर का मुख्य उपयोग केवल जैविक खाद या कंपोस्ट बनाने तक सीमित था, लेकिन अब इसके एक-एक अंश का उपयोग ईंधन उत्पादन के लिए किया जाएगा। वर्तमान में 80 बड़ी गौशालाओं में बायोगैस प्लांट पूरी तरह क्रियाशील हैं, जिन्हें सफलता के मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस परियोजना को मिशन मोड पर चलाने के निर्देश दिए हैं। योजना का उद्देश्य न केवल ईंधन के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, बल्कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों को रसोई गैस की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी से राहत दिलाना भी है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

रणनीति के अनुसार, पहले चरण में सरकारी और संरक्षित गौशालाओं में प्लांट लगाए जाएंगे। इसके बाद दूसरे चरण में व्यक्तिगत पशुपालकों को भी इस दायरे में लाया जाएगा। आंकड़ों पर गौर करें तो प्रदेश में 6,433 अस्थायी गौशालाओं में 9.89 लाख, 518 वृहद गो-संरक्षण केंद्रों में 1.58 लाख और कान्हा व कांजी हाउस जैसे केंद्रों में हजारों गोवंश पल रहे हैं। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत भी लाखों गोवंश पशुपालकों के पास हैं, जिन्हें इस श्रृंखला से जोड़ने की तैयारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि खाड़ी देशों में छिड़ा युद्ध यदि लंबा खींचता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उत्तर प्रदेश का यह स्वदेशी विकल्प आम जनता के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच का काम करेगा। इससे न केवल कचरे का सही प्रबंधन होगा, बल्कि गांवों में ऊर्जा के सस्ते और सुलभ स्रोत उपलब्ध होंगे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)